- लोकसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक को मिली ध्वनिमत से मंजूरी
- 12

- श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से पूरी तरह से होंगी लागू
- 12

- प्रतिभा के प्रवाह में बाधाएं खड़ी करने वाले देश नुकसान में रहेंगे : जयशंकर
- 13

- गायकवाड़ ने 77 गेंदों में अपना पहला वनडे शतक बनाया
- 14

आज का मौसम
20.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.51
सूर्यास्त 05.13

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 08:37 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 4 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 284, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सली ढेर, डीआरजी के तीन जवान भी शहीद, दो घायल

बीजापुर, एजेंसी

- बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा पर मुठभेड़ जारी, मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद

छत्तीसगढ़ के बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा के पश्चिम बस्तर संभाग इलाके में बुधवार सुबह शुरू किए गए नक्सल विरोधी अभियान के दौरान नक्सली और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए लेकिन इसके साथ जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवान भी शहीद हो गए। दो जवान घायल हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, इलाके में सुरक्षा बलों की निर्णायक और आक्रामक कार्रवाई जारी है। मुठभेड़ स्थल से एलएमजी, एसएलआर इंसास एवं 303 राइफलों सहित बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त हुआ है। अब तक 12 नक्सलियों के शवों बरामद हो चुके हैं। मुठभेड़ में घायल जवानों में से एक को जंगल से वायुसेना के हेलीकॉप्टर से लाया गया है, दूसरे घायल जवान को अस्पताल लाने की कोशिश जारी है। एसपी बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि बुधवार सुबह नौ से डीआरजी दंतेवाड़ा-बीजापुर, स्पेशल टास्क बल , कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने तलाशी ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान जंगल में छिपे नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

सुरक्षाबलों की ओर से जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों तरफ से रुक-रुक कर काफी देर तक गोलीबारी होती रही। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार-बारूद बरामद होने से अंदेशा है कि माओवादी दस्ते की बड़ी मौजूदगी थी।

किसी हालत में खराब नहीं हो देवभूमि की डेमोग्राफी

मुख्य संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण पर स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय मान्य होगा। सुप्रीम निर्णय के अनुसार ही कार्ययोजना बनाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि देवभूमि की डेमोग्राफी किसी भी कीमत पर खराब नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री धामी बुधवार को पूर्व अर्द्धसैनिक बल सम्मान समारोह एवं विश्व दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांग सम्मान समारोह में प्रतिभाग करने हल्द्वानी पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों से हुई बातचीत में उन्होंने बनभूलपुरा रेलवे अतिक्रमण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय आएगा, राज्य सरकार पूरी तरह उसके लिए तैयार है। सुप्रीम कोर्ट जो भी निर्णय देगा, उसी के अनुरूप ही कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि, देवभूमि उत्तराखंड की डेमोग्राफी नहीं बिगड़ने देंगे, राज्य सरकार इसके लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उत्तराखंड के लोगों का हक किसी भी कीमत पर नहीं मारा जाना चाहिए। यहां की डेमोग्राफी किसी भी कीमत पर खराब नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि, भावी पीढ़ियों में किसी भी प्रकार की असुरक्षा का भाव नहीं आए, हम उन्हें सुरक्षित परिवेश देना चाहते हैं। भावी पीढ़ियां सुरक्षित हों इसलिए हम काम कर रहे हैं। किसी भी घुसपैठिये या डेमोग्राफी बदलने वालों ने गलत ढंग से प्रमाण पत्र, पहचान पत्र व राशन कार्ड बनाए हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। राज्य सरकार विभिन्न सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटा रही है, यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इधर, गन्ना का समर्थन मूल्य में 30 रुपये क्विंटल वृद्धि पर गन्ना किसानों ने सीएम धामी का गडेरी की टोकरी देकर उनका अभिनंदन किया है।

हल्द्वानी में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते सीएम धामी।

- हल्द्वानी में बोले सीएम पुष्कर सिंह धामी, रेलवे भूमि अतिक्रमण प्रकरण पर दी प्रतिक्रिया
- कहा- सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का सम्मान करेंगे उसी के अनुसार कार्ययोजना बनाएंगे

ब्रीफ न्यूज

चेन्नई में कोल्ड्रिफ के प्रवर्तक की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में 20 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार माने जा रहे कफ सिरप कोल्ड्रिफ के निर्माता श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के प्रवर्तक के चेन्नई स्थित दो फ्लैट धनशोधन निरोधक कानून के तहत कुर्क कर लिए गए हैं। ईडी के एक बयान के मुताबिक चेन्नई के कोडम्बक्कम में स्थित ये संपत्तियां जी रंगनाथन और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं। इन फ्लैटों की कीमत 2.04 करोड़ रुपये है। रंगनाथन को अक्टूबर में मध्य प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया कि श्रीसन फार्मा अपनी निर्माण लागत को कम करने और मुनाफा बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त रही।

दिल्ली विस्फोट: वानी की हिरासत 7 दिन बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किले के निकट हुए विस्फोट के मामले में आरोपी जासिर बिलाल वानी की एनआईए हिरासत बुधवार को सात दिन के लिए बढ़ा दी। प्रधान सत्र एवं जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने 27 नवंबर को जासिर को सात दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा था, जिसकी अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में काजीगुंड का निवासी वानी आत्मघाती बम हमलावर उमर का करीबी सहयोगी है। उसे 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया था।

वक्फ पंजीकरण समय सीमा बढ़ाने का आग्रह

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बुधवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने में तकनीकी कठिनाइयों का उल्लेख किया और अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन से पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने का आग्रह किया। केंद्र ने छह जून को यह पोर्टल शुरू किया था। आदेश के अनुसार देश में पंजीकृत सभीवक्फ संपत्तियों का इस पर अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर विवरण अपलोड किया जाना है। पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि पोर्टल बार-बार क्रैश हो रहा है, धीमा हो रहा है और कभी-कभी पूरी तरह बंद हो रहा है। इससे दिक्कतें हो रही हैं।

अनिवार्य रूप से 'संचार साथी' एप स्मार्टफोन में लगाने का आदेश वापस

सरकार ने कहा- लोग खुद एप कर रहे हैं डाउनलोड, इसलिए बदला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने स्मार्टफोन विनिर्माताओं के लिए सभी नए फोन में साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से लगाने की अनिवार्यता बुधवार को वापस ले ली। इस पर उपयोगकर्ता की निजता का उल्लंघन होने और निगरानी के जोखिम की चिंता जताई गई थी। सरकार ने आदेश वापस लेते हुए साफ किया कि यह एप सिर्फ चोरी हुए फोन का पता लगाने, ब्लॉक करने और उनका दुरुपयोग रोकने में मददगार है। एप स्टोर पर स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा।

संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने मोबाइल विनिर्माताओं के लिए एप को फोन में पहले से इंस्टॉल करने को अनिवार्य नहीं करने का फैसला किया है। यह कदम विपक्षी दलों और निजता का समर्थन करने वालों के विरोध के बाद उठाया गया है जिन्होंने आरोप लगाया था कि एप कॉल सुनने के साथ संदेश भी पढ़ सकता है। कहा जा रहा है कि एप्पल और सैमसंग जैसे कई विनिर्माताओं ने भी 28 नवंबर के आदेश पर आपत्ति जताई है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और एप इंस्टॉल करने का आदेश इस प्रक्रिया को तेज करने और कम जागरूक नागरिकों तक एप को आसानी से पहुंचाने के लिए दिया गया था।

अब तक 1.5 करोड़ एप डाउनलोड

सिंधिया ने लोकसभा में बताया, अब तक लगभग 1.5 करोड़ एप डाउनलोड हो चुके हैं। दूरसंचार विभाग के मुताबिक विरोध के बीच पिछले एक दिन में ही छह लाख नागरिकों ने एप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया है, जो इसके उपयोग में 10 गुना वृद्धि है। इसकी मदद से 26 लाख चोरी हुए हैंडसेट का पता लगाया गया है, सात लाख चोरी हुए हैंडसेट लोगों को वापस किए गए हैं। 41 लाख मोबाइल कनेक्शन काट दिए गए हैं और छह लाख धोखाधड़ी को रोक दिया गया है।

ऐसा एप पहली बार भारत में

हालांकि, दुनिया में अब तक किसी और देश ने सभी स्मार्टफोन पर साइबर सुरक्षा एप को पहले से लगाने को अनिवार्य नहीं किया है। एकमात्र अपवाद रूस है, जिसने अगस्त में सरकारी संदेश सेवा 'मैक्स' सभी फोन और टैबलेट में इंस्टॉल करने की अनिवार्यता लागू की था।

संचार साथी से जासूसी संभव नहीं : सिंधिया

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि 'संचार साथी' एप के माध्यम से न तो जासूसी संभव है और न होगी। सिंधिया ने सभी नए मोबाइल उपकरणों में इस एप को प्रीलोड करने के सरकार के निर्देश पर उठे विवाद के बीच लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार देश की जनता के हाथ में अधिकार देना चाहती है ताकि वे खुद को सुरक्षित रख सकें। उन्होंने कहा कि जनता की प्रतिक्रिया पर मिली सफलता के आधार पर यह प्रयोग किया गया है और भविष्य में जनता के ही सुझावों के आधार पर सरकार इसमें परिवर्तन के लिए तैयार है। संचार मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का इस बारे में कोई हठ नहीं है।

भाजपा बन गई भारतीय जासूस पार्टी : कांग्रेस

कांग्रेस ने बुधवार को भाजपा पर 'भारतीय जासूस पार्टी' होने का आरोप लगाया और दावा किया कि 'संचार साथी' एप लोगों के घरों में घुसने का षडयंत्र है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भले ही एप से जुड़े दावों से इन्कार किया हो लेकिन संबंधित निर्देश को अब तक लिखित रूप से वापस नहीं लिया गया है। खेड़ा ने बगैर कोई नाम लिए कहा, देश में दो जासूस हैं। ये दोनों जासूस हर मोबाइल में 'संचार साथी' नाम का हाथी बैठाना चाहते हैं। क्योंकि, जासूसी करना इन लोगों की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा, इस षड्यंत्र के खिलाफ हर स्तर पर लड़ाई लड़ेंगे और जनता की निजता का हनन नहीं होने देंगे।

प्रतिष्ठित हार्डवेयर व पेंट कारोबारी ने पत्नी के साथ की आत्महत्या

संवाददाता, हल्दूचौड़

- घर में ही अलग-अलग कमरों में फंदे पर लटके मिले रमेश दुमका व कमला के शव
- आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव के कारण दोनों के आत्महत्या करने की आशंका

अमृत विचार: लालकुआं थाना क्षेत्र के हल्दूचौड़ क्षेत्र में बुधवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। क्षेत्र के प्रतिष्ठित हार्डवेयर व्यापारी रमेश दुमका (72) और उनकी पत्नी कमला दुमका (55) के शव घर में ही अलग-अलग कमरों में फंदे पर लटके मिले। मौके पर फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है लेकिन प्रारंभिक जांच के बाद आर्थिक तंगी और कर्ज का बढ़ता दबाव इसके पीछे कारण माना जा रहा है। इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है।

हल्दूचौड़ के स्थानीय बाजार में वर्षों से हार्डवेयर और पेंट का व्यवसाय करते आ रहे दुमका ट्रेडर्स के मालिक रमेश दुमका यहां पत्नी कमला, बेटे और पुत्रवधू के साथ रहते थे।

रोज की तरह मंगलवार रात सभी अपने-अपने कमरों में सोने चले गए लेकिन बुधवार सुबह जब बेटे और बहू ने देखा कि माता-पिता अपने कमरे में नहीं हैं तो उन्हें आशंका हुई। उन्होंने पूरे घर में खोजबीन की पर कुछ पता नहीं चला। जब वे घर के नीचे बने गोदाम की ओर बढ़े तो अंदर जाते ही उनकी चीख निकल पड़ी। माता-पिता दोनों अलग-अलग कमरों में रस्सी के सहारे फंदे से झूल रहे थे।

शोर सुनते ही पड़ोसी भी मौके पर दौड़े चले आए। देखते ही देखते पूरा घर मातम और चीख-पुकार से भर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भिजवा दिया। दंपती के इस आत्मघाती कदम को देखते हुए पूरे इलाके में चर्चाओं का बाजार गरम है।

(संबंधित पेज-3)

रमेश दुमका एवं कमला दुमका। (फाइल फोटो)

देश के नौ हवाई अड्डों पर चेक इन प्रणाली में समस्या, उड़ानों में हुई घंटों की देरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मैन्युअल प्रक्रिया से की गई जांच, चेक इन काउंटरों पर लगीं कतारें

तकनीकी खराबी के कारण बुधवार सुबह देश के नौ हवाई अड्डों पर 'चेक-इन' प्रणालियों में दिक्कत आने से कई उड़ानों में देरी हुई। सिस्टम ठप होने के कारण एयरलाइनों को यात्रियों की जांच के लिए मैन्युअल प्रक्रिया अपनानी पड़ी। इससे जांच प्रक्रिया की गति धीमी हो जाने के कारण यात्रियों को चेक इन काउंटरों पर लंबी कतारों का सामना करना पड़ा।

वाराणसी हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए जारी एक संदेश में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की सेवा बाधित होने की सूचना दी गई थी, लेकिन टेक कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' ने इस तरह की किसी भी समस्या से इन्कार करते हुए इस सूचना को तथ्यात्मक रूप से गलत करार दिया। वाराणसी हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए जारी संदेश में कहा गया था, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ने वैश्विक स्तर पर सेवा बाधित होने की सूचना दी है। हवाई अड्डों पर आईटी सेवाएं-चेक-इन प्रणालियां प्रभावित हुई हैं। संपर्क करने पर माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि विंडोज में कोई समस्या नहीं है। यह तथ्यात्मक रूप से गलत दावा है।

रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 के पार

मुंबई। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो अब तक का सबसे निचला स्तर है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने सुबह कारोबार की शुरुआत 89.96 के स्तर पर की थी।

पश्चिम बंगाल : 32,000 प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति समाप्त करने का आदेश रद्द

कोलकाता, एजेंसी

- कोलकाता हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पलटा एकल पीठ का फैसला

कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को एकल पीठ के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल में 32,000 प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। इन शिक्षकों की भर्ती पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 2014 के शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पैनल के माध्यम से 2016 में की गई थी।

न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति रीताब्रत कुमार मित्रा की पीठ ने कहा कि वह एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि सभी भर्तियों में अनियमितताएं साबित नहीं हुई हैं।

अदालत ने कहा कि नौ वर्ष के बाद नौकरी समाप्त करने से प्राथमिक शिक्षकों और उनके परिवारों पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पीठ ने कहा कि सीबीआई, जिसे हाईकोर्ट ने मामले की जांच करने का निर्देश दिया था, उसने शुरू में 264 नियुक्तियों की पहचान की थी, जिनमें एक अतिरिक्त अंक देने के रूप में अनियमितताएं हुई थीं। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी को अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि यह चिह्न बाहरी संस्थाओं के निर्देश पर दिया गया था।

उत्सर्जन निगरानी प्रणाली स्थापित न की तो बंद कराए जाएंगे उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र ने दिल्ली-एनसीआर के उद्योगों के लिए तय की 31 दिसंबर की समयसीमा

केंद्र ने लगातार खतरनाक वायु गुणवत्ता के बीच बुधवार को दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को 31 दिसंबर तक उत्सर्जन निगरानी प्रणाली और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों को स्थापित न करने पर अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद कराने और दूसरी सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया। केंद्र सरकार ने इसके साथ दिल्ली-एनसीआर को इस महीने के भीतर अपनी 2026 की वायु प्रदूषण नियंत्रण योजनाओं को अंतिम रूप देने का भी निर्देश दिया।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक में ये निर्णय लिए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अध्यक्ष वीर विक्रम यादव ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में 2,254 अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों ने अब तक अपने ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) को सीपीसीबी सर्वर से स्थापित और कनेक्ट नहीं किया है। यादव ने कहा, 31 दिसंबर की समयसीमा को पूरा नहीं करने वाले उद्योगों के खिलाफ उन्हें बंद करने जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वैज्ञानिक आकलन लाल ग्रह की गुफाओं में होगा मानव का पहला आशियाना, आंधी-तूफानों के साथ कई मुसीबतों से सुरक्षित रखेगी गुफा

22वीं सदी तक मंगल पर इंसानों का आना-जाना सामान्य बात होगी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : कई मायनों में पृथ्वी से मेल खाने वाले मंगल ग्रह पर इंसान का पहला ठिकाना भूमिगत गुफाएं होंगी। हाल ही में खोजी गईं ये गुफाएं धूल भरी आंधी, तूफान, सूर्य विकिरण के अलावा सूक्ष्म जीवों से महफूज रखेंगी।

यहीं से मंगल पर बस्ती बसाने के सपने को मूर्तरूप दिए जाने की कवायद शुरू हो सकेगी। एरीज, नैनीताल के वैज्ञानिकों का कहना है कि, इस बात की प्रबल संभावना जताई जा सकती है कि 22वीं सदी तक मंगल पर आम इंसानों का आना-जाना सामान्य बात होगी।

मंगल ग्रह और पृथ्वी की तुलना में कई समानताएं हैं। मंगल पृथ्वी के समान चट्टानी

ग्रह है। इसका एक दिन पृथ्वी से सिर्फ 39 मिनट अधिक है। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव 23.44 डिग्री है, जबकि मंगल का 25.2 डिग्री है। मंगल के ध्रुवों पर बर्फ है। इसके वायुमंडल में नाइट्रोजन और ऑक्सीजन के अलावा कार्बन डाई ऑक्साइड मौजूद है और भी कई तरह की समानताएं इन दोनों ग्रहों के बीच मौजूद हैं। मगर इन सब के बीच पृथ्वी में इंसानों द्वारा बनाए भवन वहां नहीं है और इस कमी को पूरा करने का सपना हमारे वैज्ञानिक पिछले करीब ढाई वर्षों से संजोए हुए हैं।

मंगल पर घर बनाने में सबसे बड़ा खतरा सूर्य से आने वाले विकिरण का है, जो स्किन कैंसर का प्रमुख कारण है। पृथ्वी पर ओजोन लेयर का आवरण है, जो विकिरण को धरती तक आने से रोक देता है। दूसरी दिक्कत धूल भरी आंधियां हैं, जो उठने के बाद कई महीने मंगल के निचले वातावरण में सक्रिय रहती हैं। सूक्ष्म जीव भी मंगल के वातावरण में हैं, जो कई रोगों को जन्म दे सकते हैं। ये समस्याएं इतनी बड़ी हैं कि इसका हल खगोल वैज्ञानिकों को सूझ नहीं रहा था। मगर हाल ही में मंगल की धरती पर मिली गुफाओं में इस समस्या का हल वैज्ञानिकों को दिखाई देने लगा है।

डगर मुश्किल है लेकिन नामुमकिन नहीं

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि लाल ग्रह पर इंसानों की रिहायश की डगर मुश्किल तो है, लेकिन नामुमकिन नहीं। इस दिशा के मंगल की गुफाएं सहायक साबित होंगी। जहां रहकर मंगल के विकिरण से बचने के उपाय सबसे पहले तलाशने होंगे, ताकि खुले आसमान में कार्य कर सकें। इस समस्या के निदान के बाद दूसरी समस्याओं के हल तलाशने होंगे। इस कार्य में लंबा समय लग सकता है। मगर इस बात की प्रबल संभावना व्यक्त की जा सकती है कि 22वीं सदी तक मंगल पर आम इंसानों का आना-जाना सामान्य बात होगी।

नासा, स्पेस एक्स और चीन के बीच जबरदस्त होड़

मंगल पर इंसान का पहला कदम रखने को लेकर नासा, निजी संस्था स्पेस एक्स और चाइना के बीच जबरदस्त होड़ है। इस दिशा में नासा आर्टेमिस मिशन के जरिए मंगल पर चार इंसानों के दल को मंगल पर पहुंचाना चाहते है। उम्मीद है नासा का यह मिशन अगले चार पांच वर्षों में पूरा हो जाएगा। इस दौड़ में स्पेस एक्स कतई पीछे नहीं रहना चाहता और घोषणा कर चुका है कि वही सबसे पहले इंसान को लाल ग्रह पर पहुंचाएगा। चीन अभी तक कई मिशन मंगल पर चला चुका है और चीन की खासियत है कि वह दबे पांव अपने कार्य को अंजाम तक पहुंचा देता है। चीन अभी तक कई मिशन मंगल पर चला चुका है। जिस कारण मंगल पर पहुंचने की चीन के इरादे की झलक समझ में आती है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

धर्मेंद्र की अस्थियां गंगा में विसर्जित

हरिद्वार : बॉलीवुड के 'ही मैन' धर्मेंद्र की अस्थियां बुधवार को गंगा में विसर्जित कर दी गईं। धर्मेंद्र (89) का 24 नवंबर को निधन हो गया था। पुरोहित पं. संदीप पाराशर ने बताया कि अस्थि विसर्जन के पूर्व की कर्मकांड विधि निजी होटल में संपन्न करायी गयी। इसके बाद सन्नी देओल के बेटे करण देओल और परिजन उनके साथ एक दोपहिया वाहन से हरकी पौड़ी पहुंचे और वहां अस्थि विसर्जन किया गया। अस्थि विसर्जन संबंधी विधियां सन्नी देओल ही करना चाहते थे मगर उनके जाने पर भीड़ एकत्र होने की आशंका से धर्मेंद्र के पौत्र करण ने इन्हें पूरा किया। पुरोहित के मुताबिक, सन्नी और बॉबी देओल मंगलवार को ही हरिद्वार पहुंच गए थे और इसी दिन अस्थि विसर्जन होना था, लेकिन एक परिजन के समय से नहीं पहुंच पाने के कारण यह नहीं हो पाया। यहां अस्थि विसर्जन कर्म के वक्त धर्मेंद्र की पत्नी हेमामलिनी और उनकी तरफ से कोई भी मौजूद नहीं था।

250 दिव्यांगों को प्रदान किए गए उपकरण

पिथौरागढ़ : अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर विकास भवन में समाज कल्याण विभाग ने 250 दिव्यांगों को सहायता उपकरण प्रदान किए। शुभारंभ जिपं अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद, मेयर कल्पना देवलाल और डीडीओ रमा गोस्वामी ने किया। समाज कल्याण अधिकारी दलीप कुमार के अनुसार, राधिका मेहता को राज्यस्तरीय दिव्यांग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिव्यांगों को 82 बैशाखी, 15 व्हीलचेयर, 49 कानों की मशीन, 10 वॉकर, 30 छड़ी दी गईं। 18 दिव्यांगों को प्रमाणपत्र जारी हुए।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन से अतिरिक्त भुगतान की वसूली का आदेश हाईकोर्ट से रद्द

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने दी सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत

हाईकोर्ट समाचार 1

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए वेतन से अतिरिक्त भुगतान की वसूली (रिकवरी) के आदेश को रद्द कर दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने राम उजागर बनाम उत्तराखंड राज्य और अन्य संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 26 नवंबर 2025 को सुनाया। न्यायालय के इस फैसले से राज्य के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को राहत मिली है, जिनके वेतन से वर्षों पहले हुए कथित अधिक भुगतान की वसूली की जा रही थी।

मामले का मूल विवाद कर्मचारियों के वेतन निर्धारण और उन्हें मिले वित्तीय लाभों से संबंधित था। लेखा परीक्षा दल की आपत्ति के बाद सक्षम प्राधिकारी ने यह मानते हुए कर्मचारियों से अधिक भुगतान की वसूली का आदेश दिया था कि उन्हें वेतन निर्धारण में हुई त्रुटि के कारण अतिरिक्त वेतन/इंक्रीमेंट का लाभ मिला है। यह वसूली आदेश मुख्यतः 27 मई 2019 के एक सरकारी शासनादेश पर आधारित था।

याचिकाकर्ता राम उजागर और अन्य कर्मचारियों ने इन वसूली आदेशों को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। कर्मचारियों के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि उन्हें ये भुगतान सक्षम अधिकारियों द्वारा नियमानुसार दिए गए थे और लंबे समय बाद एकतरफा वसूली का आदेश देना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। तर्क दिया कि यह वसूली कर्मचारियों के लिए अत्यधिक कठोर और मनमानी है।

न्यायालय ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि एक समन्वय पीठ पहले ही एक समान मामले पर फैसला सुना चुकी है। उस फैसले में लेखा परीक्षा रिपोर्ट और 27 मई 2019 के सरकारी आदेश दोनों को रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति मनोज तिवारी ने अपने फैसले में न्यायिक औचित्य का हवाला देते हुए कहा कि जब एक समान मुद्दे पर पूर्व में निर्णय हो चुका है तो इस याचिका को भी उसी निर्णय के अनुसार निपटाया जाना चाहिए।

सरकारी अधिवक्ता ने वसूली के आदेश को सही ठहराते हुए दलील दी कि सक्षम प्राधिकारी को लेखा परीक्षा टीम की आपत्ति के बाद अधिक भुगतान की वसूली का आदेश देने का अधिकार है। उन्होंने तर्क दिया कि कर्मचारी संशोधित वेतनमान का विकल्प चुनते समय एक अंडरटेकिंग (वचनबंध) दे चुके थे और इसलिए वे वसूली से बंधे हुए हैं।

इस संदर्भ में उच्चतम न्यायालय के एक फैसले का भी हवाला दिया गया था। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, उच्च न्यायालय ने कर्मचारियों की याचिकाओं को स्वीकार कर लिया और वसूली के आदेश को रद्द कर दिया। हालांकि, न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि इस आदेश से सक्षम प्राधिकारी को कर्मचारियों के वेतन को लागू नियमों/नीति के अनुसार उपयुक्त स्तर पर पुनः निर्धारित करने से नहीं रोका जाएगा। इसका अर्थ है कि भविष्य के वेतन निर्धारण पर पुनर्विचार किया जा सकता है, लेकिन पिछली वसूली के आदेश को तत्काल निरस्त कर दिया गया है।

अब 10 दिसंबर को होगी सुनवाई

2

नैनीताल : नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष/उपाध्यक्ष चुनाव मामले में बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पूर्व के आदेश पर मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में एसएसपी नैनीताल पेश हुए। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने पांचों सदस्यों सहित मामले की जांच कर रहे एएसपी सीबीसीआईडी हल्द्वानी को मय जांच रिपोर्ट सहित पेश होने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 10 दिसम्बर की तिथि नियत की है। बुधवार को पांचों सदस्यो पेश नहीं हुए जिस पर कोर्ट ने उनसे भी 10 दिसम्बर को पेश होने को कहा है।

एसएसबी के लांस नायक को तत्काल करें बहाल

3

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने बर्खास्तगी को अवैध व असंवैधानिक माना

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक लांस नायक/ड्राइवर पुरुषोत्तम दत्त की बर्खास्तगी को अवैध और असंवैधानिक मानते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है।

न्यायालय ने अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा पारित 6 मई 2011 के बर्खास्तगी आदेश और अपीलीय प्राधिकारी द्वारा पारित 9 अगस्त 2017 के आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें उन पर ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में वाहन चलाने का आरोप था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ में हुई। इस मामले में महानिदेशक एसएसबी एवं अन्य पक्षकार थे। हाईकोर्ट ने पाया कि ड्राइवर पुरुषोत्तम दत्त पर लगाए गए 'नशे में गाड़ी चलाने' के गंभीर आरोप को साबित करने के लिए कोई चिकित्सीय, फॉरेंसिक या वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद नहीं था। न ही कोई ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट या ब्रेथ-एनालाइजर टेस्ट किया गया था।

कोर्ट ने कहा कि मौखिक दावे बिना किसी वस्तुनिष्ठ सामग्री के बर्खास्तगी जैसे सबसे गंभीर परिणाम को कानूनी रूप से सही नहीं ठहरा सकते हैं और संदेह को प्रमाण का स्थान नहीं दिया जा सकता है। मामला 2 नवम्बर 2007 को हुई एक दुर्घटना से संबंधित है, जिसमें एक आधिकारिक वाहन खाई में गिर गया था, जिसके परिणामस्वरूप एक जवान की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। ड्राइवर का दावा था कि दुर्घटना सड़क की साइड रिटेनिंग वॉल टूटने और एक जंगली जानवर (बाघ) को बचाने के प्रयास के कारण हुई थी। सिविल पुलिस ने अपनी जांच में एक अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया था कि दुर्घटना रिटेनिंग वॉल टूटने के कारण हुई थी और ड्राइवर पर कोई लापरवाही नहीं थोपी जा सकती थी।

न्यायालय ने इस तथ्य पर ज़ोर दिया कि अनुशासनिक प्राधिकारी ने सिविल पुलिस की अंतिम रिपोर्ट और मजिस्ट्रेट द्वारा उसे स्वीकार करने के निष्कर्षों को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया। इसके अलावा, दुर्घटना में घायल हुए सह-यात्री गवाहों ने लगातार यह बयान दिया था कि दुर्घटना रिटेनिंग वॉल के ढहने के कारण हुई थी और ड्राइवर न तो लापरवाह था और न ही शराब के नशे में था। इन गवाहों के बयानों को भी पूछताछ अधिकारी ने नजरअंदाज कर दिया था।

सूखाताल झील में सफाई कराएं, सुधार के सुझाव दें

4

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने की झील के सौन्दर्यीकरण मामले में सुनवाई
- कुमाऊं आयुक्त और डीडीए सचिव कोर्ट में पेश हुए, सौंदर्यीकरण कार्य की रिपोर्ट पेश की

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने सूखाताल झील के सौन्दर्यीकरण के मामले में स्वतः संज्ञान लिए जाने वाली जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई की।

पूर्व के आदेश पर कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत और जिलास्तरीय विकास प्राधिकरण के सचिव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खंडपीठ के समक्ष पेश हुए। सरकार द्वारा कोर्ट में प्रगति रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें बताया गया कि सूखाताल झील को सुरक्षा दीवार से बन्द किया गया है। साथ ही, पर्यटकों की सुविधा के लिए लिफ्ट लगाई गई है। कोर्ट के समक्ष सूखाताल झील के फोटो भी प्रस्तुत किए गए, जिस पर कोर्ट ने झील की साफ सफाई कराने के लिए दिशा निर्देश दिए।

सुनवाई के दौरान कुमाऊं आयुक्त ने कोर्ट को अवगत कराया कि, वे व्यक्तिगत रुप से सूखाताल झील का दोबारा निरीक्षण करेंगे। पहले भी उनके द्वारा निर्माण कार्यों की जांच की गई है। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने उनको सूखाताल झील के सुधार के लिए सुझाव देने के लिए कहा। मामले की अगली सुनवाई के लिए 8 दिसम्बर की तिथि नियत की गई है।

यह है मामला

हाईकोर्ट ने सूखाताल से अतिक्रमण को हटाने के आदेश दिए थे मगर जिला विकास प्राधिकरण ने अतिक्रमण को हटाने के बजाय करीब 28 करोड़ रुपये की लागत से झील का सौंदर्यीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया। जिस पर कोर्ट ने एक पत्र का स्वत: संज्ञान लेते हुए पीआईएल के रूप में दर्ज किया। पूर्व में कोर्ट ने निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी थी लेकिन जुलाई में झील विकास प्राधिकरण के अनुरोध पर कोर्ट ने लगाई गई रोक को हटाकर तीन माह में सौंदर्यीकरण के कार्य पूरे कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। यह रिपोर्ट बुधवार को कोर्ट में पेश की गई जिस पर कोर्ट ने आयुक्त कुमाऊं से कहा कि वे झील का मौका मुआयना करें और अपने सुझाव भी दें।

हाईकोर्ट का सरकार को सुझाव क्यों न उन्हीं से भरपाई कराएं

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने बागेश्वर जिले के कई अन्य गांवों में अवैध खड़िया खनन से आई दरारों के मामले में जनहित याचिका के अलावा 165 खनन इकाइयों से सम्बन्धित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्यय की खंडपीठ ने सुनवाई गुरुवार को भी जारी रखी है। सुनवाई के दौरान एक याचिका में कहा गया कि खनन करने से उनके गांव के मकानों में दरारे आ गयी हैं और मकान ध्वस्त हो गए हैं जिसकी वजह से वे घरों में नहीं रह पा रहे हैं। शिकायत करने पर सरकार ने उनकी रहने की व्यवस्था दूसरी जगह कर दी है। जिस पर कोर्ट ने सरकार को सुझाव दिया है कि जिस खनन इकाई के द्वारा खनन करने से मकानों में दरारे आई हैं। क्यों नहीं उन्हीं खनन इकाई से इसकी भरपाई कराई जाए। इस पर जवाब जवाब प्रस्तुत करें।

अधिवक्ता दिवस पर हुई विचार गोष्ठी

नैनीताल, अमृत विचार अधिवक्ता दिवस पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सभागार में बुधवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा सिंह मेहता की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी की गयी। गोष्ठी में डॉ. एमएस पाल (वरिष्ठ अधिवक्ता) ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद को याद कर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन वीरेन्द्र सिंह रावत (महासचिव) द्वारा किया गया। गोष्ठी में कई वक्ताओं ने विचार रखे। इस अवसर पर कुर्बान अली (मुख्य चुनाव अधिकारी, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन) जेसी कर्नाटक, अनिल मेर (उपाध्यक्ष), कुन्दन सिंह (उपसचिव), विश्व प्रकाश बहुगुणा, सौरभ पांडे, भुवनेश जोशी, ध्रुव चन्द्रा, ममता आर्या, आयुष गौर एवं सुखवानी सिंह (कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य) त्रिभुवन सिंह फर्त्याल, लोकेन्द्र डोभाल, डीसीएस रावत, जयवर्धन कांडपाल, प्रभा नैथानी, अक्षय लटवाल, अविदित नौलियाल, भूपेन्द्र सिंह कोरंगा, संजय भट्ट, सौरव अधिकारी, गौरव पंवार, लता नेगी, सारिक खुर्शिद, प्रिंस चौहान, रीमा राणा, सुहास रतन जोशी, ललित बेलवाल, तपन सिंह, बीरेन्द्र अधिकारी, अंजलि भार्गव, अतुल बहुगुणा, शिवानन्द भट्ट, देवेश बिश्नोई आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

सरकार कराए स्थिति से अवगत

नैनीताल, अमृत विचार : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र की खंडपीठ ने गोमुख से उत्तरकाशी तक भागीरथी ईको संसेटिव जोन में एनजीटी के निर्देशों के विपरीत अवैध होटल और रिसॉर्ट बनाने की अनुमति देने के मामले पर अगली सुनवाई हेतु 12 दिसम्बर की तिथि नियत की है। पूर्व के आदेश पर राज्य सरकार ने अपनी रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत कर कहा कि इससे सम्बन्धित मामले एनजीटी में भी चल रहे है जिस पर कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई नियत करते हुए सरकार से स्थिति से अवगत कराने को कहा है।

वोटों की राजनीति के दबाव में गलत दिशा में सुमित..

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बनभूलपुरा रेलवे भूमि अतिक्रमण को लेकर भाजपा-कांग्रेस में फिर से जुबानी जंग छिड़ गई है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने सुप्रीम कोर्ट में हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश के पैरवी करने पर हमला बोला है। कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि वोटों की राजनीति के दबाव में युवा विधायक सुमित हृदयेश लगातार गलत दिशा की ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। प्रवक्ता भगत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य विकास और प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। कांग्रेस और कांग्रेस नेता राज्य को पीछे धकेलने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने विधायक सुमित हृदयेश से सवाल करते हुए कहा कि क्या हल्द्वानी के विधायक सुमित हृदयेश को हल्द्वानी में रेलवे सुविधाओं के विकास से कोई सरोकार नहीं है। जो परियोजनाएं शहर के भविष्य, रोजगार, आवागमन और

कनेक्टिविटी को मजबूत करती हैं, विधायक सुमित उनका विरोध क्यों कर रहे हैं। विकास ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे को सही ठहराना समाज और व्यवस्था दोनों के लिए घातक है। जनप्रतिनिधियों का दायित्व क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देना होता है न कि राजनैतिक लाभ के लिए अवैध गतिविधियों को समर्थन देना। हल्द्वानी के विकास, रेलवे विस्तारीकरण और कानून का सम्मान इन सब पर राजनीति हावी नहीं होनी चाहिए। सुमित के बीते मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में मौजूद रहने से हल्द्वानी और उत्तराखंड की जनभावनाएं गंभीर आहत हुई हैं।

आमने-सामने

हम हर परेशान शख्स की लड़ाई लड़ना जानते हैं..

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के बयान पर पलटवार करते कहा कि कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत के विधानसभा क्षेत्र भगवानपुर में जब फौजियों, जनता के घर पर बुलडोजर पहुंच गया था, तब उन्होंने वहां पहुंचकर भी उनकी मदद की थी। वह प्रत्येक परेशान व्यक्ति की मदद करना और उनकी लड़ाई लड़ना जानते हैं।

सुमित ने कहा कि विकास योजनाओं से सरोकार की बात आती है तो राज्य विशेषकर हल्द्वानी में विकास परिचय कांग्रेस सरकार ने दिया है। उनकी मां तत्कालीन कैबिनेट मंत्री स्व. डॉ. इंदिरा हृदयेश के कार्यकाल में राज्य में अभूतपूर्व काम हुए। रेलवे भूमि अतिक्रमण में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अंतिम चरण में है। रेलवे का विस्तारीकरण होना चाहिए लेकिन गरीब आदमी का घर नहीं टूटना चाहिए। सरकार स्लॉटर हाउस के समीप 50 एकड़ भूमि

रेलवे ट्रैक के लिए दे दे तो समाधान हो जाएगा। वैसे भी मलिन बस्ती एक्ट के तहत भी लोगों के कई अधिकार हैं, जिस कारणवश भी लोगों को सुरक्षा व सुविधा मिलनी है। उन्होंने राज्य सरकार पर तंज कसा कि यह सरकार संपन्नता तो ला नहीं पाई कि लोग भूमि को फ्री होल्ड कराएं या रजिस्ट्री वाली भूमि लेकर बनाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजपुरा, काठगोदाम, दमुवाढूंगा, सुभाष नगर, आवास विकास, देवखड़ी, फिर चाहे भगवानपुर क्षेत्र हो जो विधायक बंशीधर भगत की विधान सभा का क्षेत्र हैं जहां फौजी भाईयों के घर के बाहर बुलडोजर पहुंच गया था तब भाजपा प्रवक्ता विकास भगत कहां थे, तब वहां कांग्रेस पहुंची थी।

रेलवे प्रतियोगी परीक्षा में सॉल्वर गिरफ्तार

देहरादून, अमृत विचार: भारतीय रेलवे बोर्ड की केंद्रीय प्रतियोगी परीक्षा में हरियाणा के सॉल्वर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 22 साल के इस आरोपी सॉल्वर ने परीक्षा पास कराने की एवज में चार लाख रुपये की डील की थी। उसके पास से नकल के लिए लाई गई नकल पर्ची बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, प्रकरण में किसी संगठित गैंग के शामिल होने तथा परीक्षा में नकल के लिये प्राइवेट मैसेन्जर एप का इस्तेमाल किया जाना प्रकाश में आया है।

पुलिस के अनुसार, वेन्यू कमांडिंग ऑफिसर यशवीर द्वारा कोतवाली पटेल नगर देहरादून पर तहरीर दी गई कि मंगलवार को आईकैट सोल्यूशन परीक्षा केन्द्र, पटेल नगर में भारतीय रेलवे बोर्ड की केंद्रीय ऑनलाइन परीक्षा में द्वितीय पाली की परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी विवेक निवासी अचीना चरखी दादरी, हरियाणा की परीक्षा कक्ष मे गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गई तो उसके पास से एक नकल पर्ची बरामद हुई, जो परीक्षार्थी परीक्षा के दौरान नकल करने के लिये अपने साथ लाया था।

शैक्षिक संस्थानों में रोकें यौन शोषण की घटनाएं

संवाददाता, देहरादून

- विद्यालयी शिक्षा मंत्री के निर्देश पर निदेशक ने जारी किए आदेश

अमृत विचार: चमोली में छात्र-छात्राओं के यौन शोषण एवं छेड़छाड़ की घटना को देखते हुये प्रदेश भर के सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को सख्त कदम उठाए गए हैं। विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशों के क्रम में सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों को ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने को जनपद स्तर पर निगरानी व सुरक्षा प्रोटोकॉल सख्ती से लागू करने को कहा गया है। साथ ही, राज्य स्तर पर भी समय-समय पर इसकी समीक्षा की जायेगी।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने चमोली के राजकीय इंटर कॉलेज गौणा में अतिथि शिक्षक यूनुस अंसारी द्वारा छात्र-छात्राओं के यौन शोषण व छेड़छाड़ की घटना को चिंताजनक बताया। डॉ. सती ने बताया कि गंभीर शिकायतें संज्ञान में आने पर बच्चों की सुरक्षा एवं हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभाग द्वारा यूनुस अंसारी के अतिथि शिक्षक अनुबन्ध को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। कहा कि चयन के समय यूनुस अंसारी द्वारा स्थायी निवास प्रमाण पत्र, पटवारी क्षेत्र प्रमाण पत्र तथा उत्तराखंड राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग का वैध जाति प्रमाण पत्र आवेदन के साथ प्रस्तुत किया गया था। ये सभी प्रमाण पत्र अन्य विभागों/प्राधिकरणों द्वारा निर्गत किए जाते हैं और नियुक्ति/तैनाती की प्रक्रिया में विभाग द्वारा इन्हीं अभिलेखों के आधार पर नियमानुसार कार्यवाही की जाती है।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री, डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि, विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों को विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

अच्छी पहल

राज्यपाल ने किया एम्स में हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस नई आशा

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल गुरमीत सिंह ने बुधवार को एम्स ऋषिकेश में हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

फ्रेंच एकेडमी ऑफ मेडिसिन तथा एयरबस फाउंडेशन के सहयोग से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, तकनीशियनों और पायलटों को उच्च स्तरीय आपातकालीन चिकित्सा प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। राज्यपाल ने इसे उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के लिए 'जीवनरक्षक पहल' और 'एक नई आशा' बताया। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी आपदा या दुर्घटना के पश्चात 'गोल्डन आवर' में चिकित्सा सहायता मिलना जीवन बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क मार्ग बाधित होने, भूस्खलन और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण

हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते राज्यपाल।

उपचार में कठिनाई रहती है। ऐसे में हेलीकॉप्टर मेडिकल सर्विस उत्तराखंड के लिए एक वरदान सिद्ध होगी।

राज्यपाल ने कहा कि हेलीकॉप्टर में उपचार देना अत्यधिक जटिल कार्य है, जिसके लिए विशेष दक्षता और त्वरित निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। यह प्रशिक्षित दल भविष्य में अनगिनत जिंदगियों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने फ्रेंच एकेडमी ऑफ मेडिसिन तथा एयरबस फाउंडेशन द्वारा भारत के साथ किए गए सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह ज्ञान-साझेदारी भारत के स्वास्थ्य तंत्र को और मजबूत बनाएगी तथा डॉक्टरों और छात्रों को वैश्विक मानकों का अनुभव प्रदान करेगी। इस अवसर पर एम्स ऋषिकेश की निदेशक डॉ. मीनू सिंह, डीन अकादमिक प्रो. जया चतुर्वेदी, फ्रेंच एकेडमी ऑफ मेडिसिन के महासचिव रिचर्ड विलेट, डॉ. कमर आजम, डॉ. मधुर उनियाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य तंत्र और मजबूत होगा

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की भौगोलिक चुनौतियों को देखते हुए एआई आधारित निदान, ड्रोन के माध्यम से दवाओं का परिवहन, टेलीमेडिसिन तथा हेली एंबुलेंस जैसी नवाचार-आधारित सेवाएं भविष्य में स्वास्थ्य तंत्र को और मजबूत करेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सेवा न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे देश के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। उन्होंने एम्स ऋषिकेश द्वारा 'प्रोजेक्ट संजीवनी' के अंतर्गत नि:शुल्क हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस शुरू करने को मानवता की सच्ची सेवा कहा।

जब डिस्पैच रजिस्टर एक होता है तो यहां दो कैसे?

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने मांगा स्पष्टीकरण, आयुक्त खाद्य व डीएम यूएस नगर कोर्ट में तलब
- हा वर्ष 2021 में आपदा पीड़ितों का 99 क्विंटल से ज्यादा अनाज सड़ने के मामले में हुई सुनवाई

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने ऊधमसिंह नगर में वर्ष 2021 में आपदा पीड़ितों का 99 क्विंटल के अधिक का अनाज बिना वितरण व रखरखाव के चलते सड़ने पर डीएम के आदेश पर दोषियों से रिकवरी के आदेश को जिलापूर्ति कमिश्नर द्वारा माफ करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

कोर्ट ने आगामी मंगलवार को आयुक्त खाद्य विभाग, जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी ऊधमसिंह नगर व डिस्पैच क्लर्क को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर यह बताने को कहा है कि जब कार्यालयों में डिस्पैच रजिस्टर एक होता है तो यहां दो कैसे? इसका स्पष्टीकरण मंगलवार को कोर्ट में पेश होकर दें। सुनवाई पर पूर्व के आदेश पर डीएम ऊधमसिंहनगर कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह के समय पेश हुए।

उनके द्वारा डिस्पैच रजिस्टर पेश किया गया, जिसका कोर्ट ने अवलोकन किया। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने कोर्ट को अवगत कराया कि इसके अलावा भी एक अन्य डिस्पैच रजिस्टर है जिसको भी कोर्ट ने प्रस्तुत करने को कहा, जिसे दोपहर को पेश किया गया। उसका भी अवलोकन करने के बाद कोर्ट ने पाया कि इसमें भी अनियमितता हुई हैं। कोर्ट ने कहा कि सभी कार्यालयों में एक डिस्पैच रजिस्टर होता है यहां दो कैसे? सम्बन्धित अधिकारी कोर्ट में पेश होकर स्पस्टीकरण दें।

सिटी ब्रीफ

भीमताल मार्ग पर दो दिन आवाजाही बंद

हल्द्वानी/भीमताल : राज्य मार्ग संख्या-10 पर स्थित भीमताल डिवीजन के किलोमीटर 13, 14 एवं 15 बोहराकून के पास पर 4 और 5 दिसंबर को डामरीकरण होगा। निर्माण के लिए प्रशासन ने दो दिनों में सुबह 8 से सायं 6 बजे तक भीमताल और रानीबाग के मध्य सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रखने के आदेश जारी किए हैं। नैनीताल पुलिस ने स्थानीय निवासियों, आम जनमानस, वाहन स्वामियों, चालकों और पर्यटकों को निर्धारित तिथि और समय में यात्रा से पूर्व वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी है। जिन्हें सुबह 7:30 से सायं 6:30 बजे के बीच भीमताल से हल्द्वानी या हल्द्वानी से भीमताल की ओर यात्रा करनी हो, वे असुविधा से बचने के लिए वाया भवाली–गेठिया–ज्योलिकोट मार्ग का उपयोग करें।

मंगोली के समीप सड़क से नीचे उतरी कार

नैनीताल : नैनीताल कालाढूंगी रोड पर अनियंत्रित होकर पर्यटकों की कार सड़क से नीचे उतर गई। गनीमत रही कि कार में सवार लोगों को चोट नहीं आई। जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर शाम दिल्ली के पर्यटक नैनीताल से कालाढूंगी की ओर जा रहे थे। वह मंगोली के समीप पहुंचे ही थे कि अचानक कार अनियंत्रित हो गई। उनके समझने से पहले ही कार सड़क से नीचे उतर गई। गनीमत रही कि कार की रफ्तार कम होने के चलते कार गहरी खाई में जाने से गिर गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार सवारों को बाहर निकाला। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि कार में दिल्ली के पांच लोग मौजूद थे लेकिन किसी को कोई चोट नहीं आई है।

अर्द्ध सैन्य बल के जवान वीरता साहस और देशभक्ति के प्रतीक

सीएम पुष्कर धामी ने सीआरपीएफ केंद्र में सैनिक सम्मान समारोह को किया संबोधित

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

सीआरपीएफ मुख्यालय में वीर नारी को सम्मानित करते सीएम पुष्कर सिंह धामी, साथ में मौजूद सैनिक कल्याण मंत्री।

अमृत विचार : 'अर्द्ध सैन्य बलों के वीर जवान कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से अरुणाचल प्रदेश तक हर मोर्चे पर अदम्य साहस, शौर्य, समर्पण के साथ देश सेवा की है। तिरंगे की शान बढ़ाने में इन वीर सपूतों का योगदान अविस्मरणीय है' यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैंप मुख्यालय में हुए पूर्व अर्द्ध सैन्य बलों के सम्मान समारोह में कही।

बुधवार को काठगोदाम स्थित सीआरपीएफ कैंप कार्यालय में हुए समारोह में सीएम धामी ने पूर्व सैनिकों व वीरनारियों को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी भी भूतपूर्व नहीं होता, वह जीवनपर्यंत सैनिक ही रहता है। वह भी स्वयं एक सैनिक परिवार से आते हैं, सैनिकों व उनके परिवारों की चुनौतियों को नजदीक से समझते हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों की शहादत की कोई कीमत नहीं हो सकती और राज्य सरकार का दायित्व है कि उनके परिवारों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आने पाए।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अर्द्धसैनिक बलों और शहीदों के परिजनों के सम्मान के लिए अनुग्रह राशि को 10 से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है। अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र से अलंकृत वीरों की पुरस्कार राशि एवं वार्षिक अनुदान में भी महत्वपूर्ण वृद्धि की है। शहीदों की स्मृति में स्मारक एवं शहीद द्वार निर्माण तेजी से चल रहा है। इस वर्ष 10 वीर बलिदानियों की स्मृति में नए स्मारकों की स्वीकृति दी गई है। साथ ही शहीदों के परिजनों के एक सदस्य को सरकारी नौकरी में समायोजित करने की व्यवस्था भी लागू की गई है। राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व सैनिकों के कल्याण को निरंतर दृढ़ता से काम कर रही है। इस अवसर पर मेयर गजराज बिष्ट, जिपं अध्यक्ष दीपा दरमवाल, विधायक राम सिंह कैड़ा, दायित्व धारी डॉ. अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, रेनू अधिकारी, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, डीएम ललित मोहन रयाल, सीआरपीएफ डीआईजी शंकर दत्त पांडे, एसएसपी डॉ मंजूनाथ टीसी, पूर्व अर्द्धसैनिक संगठन के अध्यक्ष एसएस कोटियाल, पूर्व आईजी एमएल वर्मा, एचआर सिंह, भानु प्रताप सिंह मौजूद रहे।

विधायक कैड़ा ने सीएम के सामने उठाईं भीमताल विस की विभिन्न समस्याएं

हल्द्वानी : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने सीएम धामी के सामने भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉक की किसानों की समस्याएं, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, संचार आदि समस्याओं को उठाया। उन्होंने कहा कि भीमताल विधानसभा के अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। क्षेत्रवासियों को इलाज के लिए हल्द्वानी या नैनीताल जाना पड़ता है। ओखलकांडा, धारी, रामगढ़, व भीमताल के अस्पतालों का उच्चीकरण, खनस्यूं में तहसील भवन निर्माण, संचार व्यवस्था बेहतर बनाने, हाईस्कूलो का इंटर कॉलेजों में उच्चीकरण, किसानों को आलू का बीमा दिलाने आदि की मांग की।

एमबीपीजी कॉलेज में दिव्यांग सम्मान समारोह में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

सीएम ने अर्द्धसैनिक बलों के कल्याण के लिए ये घोषणाएं कीं

- भविष्य में प्रेजिडेन्ट पुलिस मेडल-गैलेन्ट्री वीरता पदक से अलंकृत होने वाले अर्द्धसैनिक को एकमुश्त 5 लाख की अनुदान राशि दी जाएगी।
- पूर्व अर्द्धसैनिक एवं अर्द्धसैनिक की वीर नारी, जिसके पास स्वयं की कोई अचल सम्पत्ति नहीं है, राज्य में जीवनकाल में एक बार अचल सम्पत्ति क्रय किए जाने में स्टांप शुल्क में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।
- राज्य अर्द्धसैनिक बल कल्याण परिषद को क्रियाशील किया जाएगा और परिषद के लिए पुलिस मुख्यालय में एक कार्यालय कक्ष आवंटित किया जाएगा
- सैनिक कल्याण निदेशालय में उपनिदेशक (अर्द्धसैनिक) एवं बड़े जिलों के जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में सहायक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (अर्द्धसैनिक) के एक-एक पद स्वीकृत किये जाएंगे, जिसमें पूर्व अर्द्धसैनिक संविदा में नियुक्त किए जाएंगे
- जो अर्द्ध सैनिक बलों के बच्चे हैं, उनको शादी के लिए सैनिकों के भांति धनराशि प्रदान की जाएगी
- सीजीएचएस भवन निर्माण के लिए भूमि चयन प्रक्रिया शुरू की जाएगी

दिव्यांगता शरीर में हो सकती है लेकिन सपनों में नहीं : सीएम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

एमबीपीजी कॉलेज में छात्रा को सम्मानित करते सीएम धामी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व दिव्यांगजन दिवस पर समाज कल्याण विभाग की ओर से एमबीपीजी कॉलेज सभागार में हुए दिव्यांग सम्मान समारोह को संबोधित किया। साथ ही, खेल, कला, शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 41 दिव्यांगजनों को प्रशस्ति पत्र, मेडल व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।

सीएम ने कहा कि यह दिवस केवल औपचारिकता नहीं बल्कि उन असाधारण व्यक्तियों को सम्मान देने का अवसर है जिन्होंने चुनौतियों को अवसर और संघर्षों को प्रेरणा में बदलकर समाज को दिशा दी है। इन होनहारों ने दिव्यांगता शरीर में हो सकती है, लेकिन सपनों में नहीं, यह साबित कर दिखाया है। भारत के पहले पैरा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर ने 1972 में ग्रीष्मकालीन पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता। सतेंद्र सिंह लोहिया पहले ऐसे भारतीय दिव्यांग खिलाड़ी हैं जिन्होंने 12 घंटे में इंग्लिश चैनल को तैर कर पार किया था।

भारत की पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने दोनों हाथ नहीं होने के बावजूद भी विश्व पैरा तीरंदाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर साबित कर दिया की कमजोरी को किसी तरह किस तरह अपनी ताकत बनाया जा सकता है। हाल ही में भारत की दिव्यांग महिला क्रिकेट टीम ने कोलंबो में टी-20 ब्लाइंड वुमन क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 को जीतकर भारत का नाम रोशन किया है।

कहा कि, ये कुछ उदाहरण जो हमें बताते हैं कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं है, अपनी दिव्यांगता भूलकर आगे बढ़ने का हौसला दिया है। पहले विकलांग जैसे नकारात्मक शब्दों का प्रयोग होता था। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने दिव्यांग नाम दिया। अब समाज आज दिव्यांगों के हर कार्य को प्रेरणा की दृष्टि से देख रहा है। अब केंद्र या राज्य सरकार की ओर से कोई भी नई इमारत अस्पताल, बस अड्डा बनाया जाता है तो उसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि दिव्यांग भाई बहनों को कार्यालय में आवाजाही में किसी असुविधा का सामना में करना नहीं पड़े। आज कॉमन साइन लैंग्वेज को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है, देशभर में इसका प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

सीएम ने राज्य के यंग इनोवेटिव माइंड्स से अपील करते हुए कहा कि वे अविष्कारों में दिव्यांगों की जरूरतों को विशेष स्थान दें और एआई तकनीक विकसित कर दिव्यांगों के जीवन को और सुगम बनाएं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की मानसिक पेंशन को 1200 से बढ़ा 1500 रुपये प्रति माह किया। अभिभावकों को भी प्रतिमाह 700 रुपये का अनुदान भरण पोषण के लिए भी दिया जा रहा है। तीलू रौतेली विशेष दिव्यांग पेंशन योजना के तहत कृषि व कृषि से संबंधित कार्य करने वाले दिव्यांग दिव्यांगों को 1200 और बौना पेंशन के तहत 1200 रुपये प्रति माह पेंशन दे रहे हैं। सरकारी नौकरियों में दिव्यांगों के लिए क्षैतिज आरक्षण 3 से बढ़कर 4% कर दिया है। दिव्यांग छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति दी जा रही है। प्रत्येक जनपद में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से दिव्यांगों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। दिव्यांगों के कृत्रिम अंगों के लिए 7000 रुपये का अनुदान, दिव्यांग से विवाह करने पर प्रोत्साहन के रूप में 50 हजार की धनराशि भी दी जा रही है। छात्रों को सिविल सेवा परीक्षा की निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग व्यवस्था की गई है। देहरादून स्थित आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय में ऑनलाइन सुनवाई तथा ऊधमसिंह नगर में मानसिक दिव्यांगों के लिए पुनर्वास गृह का निर्माण किया गया है। देहरादून में राज्य का पहला प्रधानमंत्री दिव्यांशा केंद्र भी शुरू किया गया है। राज्य गठन के बाद पहली बार दिव्यांग सर्वे शुरू किया है, जिससे दिव्यांगों की वास्तविक संख्या व जरूरतों का आकलन होगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 41 दिव्यांगों को 8-8 हजार की राशि, मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं मानपत्र देकर सम्मानित किया।

इनका किया शिलान्यास एवं उद्घाटन

- देहरादून में 905.13 लाख की लागत से बनने वाले आयुक्त दिव्यांगजन, बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड तथा समाज कल्याण आईटी सेल के बहुउद्देशीय कार्यालय भवन का शिलान्यास
- प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र नैनीताल (एलिम्को) का उद्घाटन किया

किसानों ने मुख्यमंत्री धामी का किया स्वागत, गन्ना समर्थन मूल्य बढ़ोतरी पर जताया आभार

हल्द्वानी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हल्द्वानी दौरे के दौरान किसानों ने गन्ना के समर्थन मूल्य में वृद्धि को ऐतिहासिक कदम बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में किसानों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और उन्हें प्रतीक स्वरूप गन्ना और पहाड़ी उत्पादों जैसे गडेरी, माल्टा, अदरक और शहद से भरी टोकरी भेंट की। महेंद्र नेगी ने कहा कि गन्ने के समर्थन मूल्य में प्रति कुंतल 30 रुपये की बढ़ोतरी से राज्य के करीब तीन लाख किसान लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर मोर्चा के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

चकलुवा में टस्कर के आतंक से ग्रामीण परेशान

संवाददाता, कालाढूंगी

बिजली घर परिसर में पहुंचा टस्कर हाथी।

अमृत विचार : कालाढूंगी व गदगदिया रेंज के जंगल से सटे गुलजारपुरबंकी, विदरामपुर, देवीपूरा के चकलुवा में टस्कर हाथी का आंतक है, जिससे ग्रामीणों में दहशत है। टस्कर की लगातार आवाजाही से ग्रामीण खुद को खतरे में महसूस कर रहे हैं। टस्कर गेहूं के साथ ही केले के पेड़ों, गन्ने व चारे को नुकसान पहुंचा रहा है।

टस्कर हाथी बिजली घर से होता हुआ गांव में पहुंच रहा है, जिससे बिजली कर्मचारियों में भी दहशत है। एसडीओ दीपक पाठक ने कोई अनहोनी होने से पहले वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर बुधवार को वन विभाग ने बिजली घर के किनारे हाथी को रोकने के लिए खाई खोदी। ग्राम प्रधार किशोर देउपा, ग्राम प्रधान आशा मेहरा, प्रधानपति पुष्कर बिष्ट ने वन विभाग से टस्कर हाथी के आंतक को रोकने की मांग की है। डिप्टी रेंजर भूपेन्द्र सिंह बिष्ट ने कहा कि बिजली घर के पास खाई खोदी गई है। वनकर्मियों द्वारा रात्रि गश्त की जा रही है।

106 परिवारों की गुहार, घर बचा लो सरकार

● संजय कॉलोनी-आवास विकास-सुभाष नगर के लोगों ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, हल्द्वानी

एमबीपीजी कॉलेज में स्थानीय लोग ज्ञापन लेकर पहुंचे, नोटिस रद्द करने की मांग की। ● अमृत विचार

अमृत विचार : संजय कॉलोनी, आवास विकास और सुभाष नगर क्षेत्र के करीब 106 परिवारों ने जिला प्रशासन की ओर से जारी किए गए भवन-अतिक्रमण नोटिस को निरस्त करने की मांग को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा।

क्षेत्रवासियों ने सौंपे ज्ञापन में कहा कि जिन मकानों को नोटिस दिया गया है, उनमें अधिकतर आवास विकास परिषद ने आवंटित मकान, रजिस्ट्री मकान व सरकार की ओर से आवंटित फ्री-होल्ड मकान शामिल हैं, जिनमें लोग कई वर्षों से रह रहे हैं। निवासियों का कहना है कि प्रशासन की ओर से इन भवनों को तथाकथित देवखड़ी नाले पर बने अतिक्रमण के रूप में चिन्हित किया जा रहा है, जबकि वास्तविक स्थिति इसके विपरीत है। उनके अनुसार जिस नाले की बात की जा रही है, वह नगर पालिका का निर्मित नाला है और उसका देवखड़ी नाले से कोई संबंध नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उस स्थान पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा नहीं है। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि जिला प्रशासन की ओर से जारी नोटिसों को निरस्त कराया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में तारा सिंह, दान सिंह, दर्शन सिंह, सुरेश कुमार, गिरिश चंद्र और लक्ष्मी देवी थे।

मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर डटे रहे लोको पायलट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन से जुड़े लोको पायलटों की भूख हड़ताल बुधवार को भी जारी रही। 48 घंटे की भूख हड़ताल के दौरान लोको पायलटों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उनकी प्रमुख मांगों में टीए में 25 प्रतिशत बढ़ोत्तरी के बाद माइलेज में भी नियमानुसार टीए अनुपात में बढ़ोतरी करना, किमी. भत्ता 70 प्रतिशत तक आयकर मुक्त करना, आवधिक विश्राम (पीआर) को 46 घंटे निर्धारित करना, लगातार अधिकतम दो रात्रि ड्यूटी की सीमा तय करना और सहायक लोको पायलट से हैंड ब्रेक व एफएसडी कार्य करवाना बंद करना शामिल है। उल्लेखनीय है कि एसोसिएशन ने बीते मंगलवार से 48 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की थी, जिसके तहत बुधवार को भी कर्मचारी हड़ताल पर बैठे। संगठन के ब्रांच सेकेट्री मो. अफसर अली खान ने बताया कि पांच सूत्रीय मांगों को लेकर यह 48 घंटे की भूख हड़ताल रखी गई। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मांगें लंबित हैं, इसलिए मजबूरन आंदोलन का सहारा लेना पड़ा है। जल्द समाधान नहीं मिलने पर आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी दी। हड़ताल के दौरान गौतम कुमार, विनय यादव, अनिल यादव, अमन कुमार आदि रहे।

दुखद | हल्दूचौड़ में हार्डवेयर कारोबारी व पत्नी द्वारा आत्महत्या करने का मामला

भयावह मंजर..जिसने देखा उसके रोंगटे खड़े हो गए

संवाददाता, हल्दूचौड़

दुमका आवास। ● अमृत विचार

शव देखकर बदहवास हालत में घर के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: हार्डवेयर कारोबारी रमेश दुमका के घर में मंगलवार रात तक सभी कुछ सामान्य था। रोजाना की तरह रमेश, उनकी पत्नी कमला, पुत्र मोहित और पुत्रवधू रात को अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे लेकिन पता नहीं था कि अगली सुबह ऐसा काला दिन भी आएगा जब मोहित के सिर से माता-पिता का साया उठ जाएगा। बुधवार सुबह रमेश और कमला के शव घर के नीचे बने गोदाम के दो अलग-अलग कमरों में फंदे से लटके मिले। यह मंजर इतना भयावह था कि जिसने भी देखा, उसके रोंगटे खड़े हो गए।

सूत्रों की मानें तो अभी तक की जांच और चर्चाओं में दंपती द्वारा उठाए गए इस आत्मघाती कदम की वजह आर्थिक तंगी मानी जा रही है। हालांकि, मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रमेश दुमका लंबे समय से आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव से जूझ रहे थे। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच के बा द ही दुम्का दंपत्ति के आत्महत्या के कारणों का पता चल सकेगा।

शांत व मिलनसार था दंपती

दुमका दंपती द्वारा एक साथ फंदा लगाकर जान देने की घटना से पूरा हल्दूचौड़ हतप्रभ है। दंपती द्वारा जान देने का इतना बड़ा कदम उठाने का फैसला सभी को हैरान कर रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुमका दंपती का स्वभाव अत्यंत शांत और मिलनसार था। समाज में उनका अच्छा रुतबा था इसलिए उनका यह कदम सभी को भीतर तक झकझोर रहा है।

शव पहुंचे तो मचा कोहराम

पोस्टमार्टम के बाद जब दुमका दंपती के शव हल्दूचौड़ स्थित घर पहुंचे तो घर का माहौल दर्दभरी दहाड़ों और मातमी चीखों से गूंज उठा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। पूरे क्षेत्र में गम की लहर दौड़ गई। गमगीन माहौल में शवयात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में स्थानीय व्यापारी, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी शामिल हुए। रानीबाग के चित्रशिला घाट पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया, जहां पुत्र मोहित दुमका ने चिताओं को मुखाग्नि दी। अंतिम विदाई के दौरान हर किसी की आंखें नम थीं। लोगों को यकीन ही नहीं हो रहा था कि समाज का यह सम्मानित दंपती अब इस दुनिया में नहीं रहा।

भूमियाधार में अतिक्रमण कर बना दी गई मस्जिद की चारदीवारी, जांच शुरू

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: भूमियाधार गांव के जंगल क्षेत्र में एक मस्जिद जैसी संरचना दिखाई देने के बाद स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह ढांचा अवैध रूप से बनाया गया है, जिसकी शिकायत कई बार प्रशासन को दी जा चुकी है, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने संरचना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है। एसडीएम नैनीताल नवाजिश खलिक ने बताया कि वीडियो उनके संज्ञान में आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग और राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया।

दो से 45 नाली तक पहुंच गया मस्जिद का रकबा

प्रशासन ने राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम को निरीक्षण में पाया गया कि मस्जिद परिसर के चारों ओर करीब 45 नाली भूमि में चारदीवारी कर दी गई है। यह देखकर मामला और संदिग्ध हो गया। क्यों की वर्तमान में परिसर का विस्तार 45 नाली से ज्यादा तक पहुंच गया है। यानी करीब 43 नाली से अधिक सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की आशंका जताई जा रही है। भवाली के वन विभाग क्षेत्राधिकारी विजय मेलकानी ने बताया कि वन विभाग के 1924 के पुराने रिकॉर्ड व नक्शे खंगालने पर यह तथ्य सामने आया कि मस्जिद के लिए विभाग ने मात्र 5016 वर्गफुट (करीब 2 नाली 5 मुट्ठी) भूमि लीज पर दी गई थी। मस्जिद प्रबंधन को नोटिस जारी कर अपने समस्त दस्तावेज पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन की गहन जांच जारी

अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने बताया कि यह जांच की जा रही है कि परिसर का विस्तार किस समय अवधि में और किन परिस्थितियों में हुआ। उन्होंने कहा कि निर्माण तथा परिसर वृद्धि से जुड़े तथ्यों की विस्तृत जांच के बाद ही अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

मौके पर पहुंची राजस्व, नगर पालिका भवाली और वन की संयुक्त टीम को प्रथम दृष्टया मस्जिद प्रबंधन ने जंगल की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर परिसर का विस्तार करने की जानकारी मिली है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

सीओ सेमवाल ने किया थानों का निरीक्षण

नैनीताल : क्षेत्राधिकारी नैनीताल रविकांत सेमवाल ने बुधवार को कोतवाली मल्लीताल व तल्लीताल थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना अभिलेखों और सीसीटीएनएस से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने थाने में उपलब्ध शस्त्रों और आपदा उपकरणों का उचित रख-रखाव के निर्देश दिए। सीओ ने प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत को क्षेत्र में गश्त और पिकेट व्यवस्था बढ़ाने व यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने के निर्देश दिए।

गाली-गलौज करने पर दो नावचालकों का चालान

नैनीताल : मल्लीताल क्षेत्र में नाव चालकों को सार्वजनिक स्थान पर गाली गलौज व मारपीट करना महंगा पड़ गया। पुलिस ने दो के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। बुधवार को दो नाव चालकों का पंत पार्क में विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो दोनों एक दूसरे को गाली देने लगे। साथ ही धक्का मुक्की पर उतारू हो गए। इस दौरान महिला फड़ कारोबारियों ने दोनों को टोका तो वह उनसे भी अभद्रता करने लगे। जिस पर महिलाओं ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस दोनों को कोतवाली ले गई। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि सार्वजनिक स्थान पर गाली गलौच कर करने पर मल्लीताल निवासी हरीश सिंह व नंदन सिंह के खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई है।

तल्ला रामगढ़–नथुवाखान में तीन होम स्टे का चालान, एक को नोटिस

अवैध रूप से संचालित होम स्टे और होटलों पर पर्यटन विभाग की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र तल्ला रामगढ़ और नथुवाखान में अवैध रूप से संचालित हो रहे होटलों व होम स्टे पर जिला पर्यटन विभाग ने बुधवार को सख्त कार्रवाई की। जिला पर्यटन विकास अधिकारी अतुल भंडारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में तीन गैर-पंजीकृत होम स्टे, होटलों का चालान किया गया, जबकि एक इकाई को नोटिस जारी किया गया है।

टांडा क्षेत्र में सिल्वर ओक कॉटेज के खिलाफ स्थानीय लोगों ने शिकायत की थी कि इकाई बिना पंजीकरण व आवश्यक मानकों के संचालन में है। शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर तल्ला रामगढ़ व नथुवाखान के अन्य होम स्टे का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हिल क्रेस्ट रिवरिया, सवेरा, डॉ. खुश स्टे और अभिनंदन होम में भी पंजीकरण संबंधी अनियमितताएँ

एक होमस्टे के रजिस्टर की जांच करते पर्यटन विभाग के कर्मी। ● अमृत विचार

- **स्थानीय शिकायतों के बाद टीम ने किया औचक निरीक्षण, अनियमितताओं पर तुरंत कार्रवाई**

मिलीं। निर्धारित मानकों का पालन न करने पर विभाग ने तीन इकाइयों का चालान किया, जबकि एक स्वामी को नियमानुसार नोटिस जारी किया गया है। जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि पर्यटकों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और राजस्व व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए सभी होटल एवं होम स्टे का पंजीकरण अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि गैर-पंजीकृत इकाइयों पर आगे भी नियमित निरीक्षण होगा और नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पंजीकरण नहीं कराने वाली इकाइयों को तय समय में आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। नियमों का पालन न करने पर उनके खिलाफ लाइसेंस निरस्तीकरण, आर्थिक दंड या सीलिंग जैसी कार्रवाई भी की जा सकती है।

नो पार्किंग जोन में पार्क वाहनों को हटवाया

नैनीताल : मल्लीताल क्षेत्र में पुलिस ने नो पार्किंग जोन में वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने मुनादी कर टैक्सी चलाकों से सड़क किनारे वाहन पार्क नहीं करने की अपील की। बता दें कि नैनीताल के मल्लीताल क्षेत्र में रोजाना टैक्सी चालक व टैक्सी बाइक चालक सड़क किनारे वाहन पार्क कर रहे हैं। जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। बुधवार को पुलिस की ओर से अभियान चलाकर सड़क किनारे पार्क वाहनों को हटाया गया। पुलिस ने गश्त कर सड़क किनारे पार्क टैक्सी बाइकों व टैक्सी कार चालकों से वाहन सड़क पर पार्क नहीं करने की अपील की। साथ ही चालानी कार्रवाई भी की गई। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि सड़क में वाहन पार्क करने वाले 18 के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

नशे के खिलाफ चलेगा जागरूकता अभियान

भीमताल : भागीरथी फाउंडेशन ने क्षेत्र में नशे के खिलाफ वृहत आंदोलन चलाने का ऐलान किया है फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोज भट्ट प्रकाश ने बताया कि इसके तहत विभिन्न शैक्षिक संस्थान में जाकर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल की तारीफ करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ उनका अभियान नशे पर अंकुश लगाने पर कामयाब होगा। बताया कि देहरादून के जिलाधिकारी ने अभी हाल में किसी शैक्षिक संस्थान पर नशा पाए जाने पर वहां के डीन वहां के प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। बताया कि भागीरथी फाऊंडेशन जागरूकता अभियान के साथ-साथ नशे को लेकर पोस्टर प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित करेगी। कॉलेज विद्यालय में जाकर नशे के खिलाफ विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान की भी व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान संस्थान के संरक्षक रमेश भट्ट सचिव भास्कर कोषाध्यक्ष आशु पाठक उपाध्यक्ष भुवन भट्ट. धन सिह राणा,शिप्रा जोशी सदस्य भानु लोशाली, शुभम नैनवाल, विनीत जोशी , मीना बिष्ट, रवि कुमार आदि मौजूद थे।

नलकूप की भूमि जो धीरे-धीरे सिमटती जा रही है। ● अमृत विचार

कब्जे की जद में नलकूप की लाखों रुपये की भूमि

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उम्मेदपुर गांव स्थित नलकूप की भूमि खुर्द बुर्द होने की आशंका सामाजिक कार्यकर्ता एवं अखिल भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लॉक अध्यक्ष नवजोत सिंह ग्रेवाल ने जताते हुए विभागीय अधिकारियों की उदासीनता पर नाराजगी जताई है। नवजोत सिंह का कहना है कि मुताबिक इस नलकूप का निर्माण 27 दिसंबर 1999 को हुआ था। उस समय नलकूप का क्षेत्रफल एक बीघा से अधिक था, परंतु विभागीय लापरवाही के चलते भूमि की रजिस्ट्री नहीं की गई। अतिक्रमण के चलते आज की इसका क्षेत्रफल घटकर महज आधा बीघा से भी कम रह गया है।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों से नलकूप की चारदीवारी कर इसकी भूमि को बचाने की मांग की लेकिन उसका कोई असर नहीं पड़ा। आखिरकार श्री ग्रेवाल को सूचना अधिकार के रास्ते पर जाना पड़ा, जहां लंबी प्रक्रिया के बाद बाउंड्री वाल की शुरुआत हुई, परंतु सिस्टम आंशिक निर्माण के बाद बिना किसी ठोस कारणों के कार्य बंद कर दिया गया।

ग्रेवाल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों की इस उदासीनता के खिलाफ पंचायत जन प्रतिनिधियों और किसानों के सहयोग से बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

नैनीताल जनपद की कराटे की टीम। ● अमृत विचार

कराटे में नैनीताल जनपद का शानदार प्रदर्शन

भीमताल : देहरादून में चल रहे क्योकुशिन काई कान कराटे फाउंडेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 35 वीं राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में भीमताल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। महिला सीनियर वर्ग में अक्षिता पाण्डे, सीनियर पुरुष वर्ग में गौतम पांडे, आदित्य रावत, पार्थ रौतेला तथा जूनियर वर्ग में डिंपी तिवारी व सौम्या जोशी ने स्वर्ण पदक जीता। शिविका करायत ने क्रियांश बुधलकोटी ने रजत पदक प्राप्त किया। हल्द्वानी के रमसा मुजाहिद ने कांस्य पदक, प्रियांशु ढोलगाईं ने स्वर्ण पदक, प्रतीक नेगी कांस्य पदक, रोहित कार्की रजत पदक तथा हर्षिता पाण्डे ने रजत पदक प्राप्त किया। साथ ही लकी नेगी को सोडान ब्लैक बेल्ट प्राप्त हुआ। जिसमें प्रशिक्षक हरीश चंद्र पांडे को उत्कृष्ट प्रशिक्षक का खिताब दिया गया। भीमताल पहुंचने पर सभी प्रतियोगियों तथा प्रशिक्षक का स्वागत हुआ। इस दौरान लोकेश तिवारी, कल्पना करायत, सुनीता तिवारी, तनुजा बुधलकोटी, अनीता जोशी, ज्योतिष तिवारी, विनोद पुजारी, यश रौतेला आदि अभिभावक और अन्य लोग उपस्थित रहे।

डीएसबी में 728 छात्रों ने दी परीक्षा

नैनीताल : कुमाऊं विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित विषम सेमेस्टर की परीक्षा प्रारम्भ हो गई है। नैनीताल डी एस बी परिसर में 728 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी 28 छात्र छात्राएं परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

डीएसबी परिसर में बुधवार को दो पालियों में विषम सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित की गई जिसमें प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा प्रभारी डॉ. दीपक कुमार ने बताया कि प्रथम पाली में 598 छात्र छात्राएं पंजीकृत थे, जिसमें से 574 छात्र छात्राएं उपस्थित रहे और 24 छात्र छात्राएं अनुपस्थि रहे। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर एक बजे से चार बजे तक आयोजित की गई। द्वितीय पाली के परीक्षा प्रभारी डॉ. कपिल खुल्बे ने बताया कि द्वितीय पाली में पंजीकृत 154 छात्र छात्राओं में से 150 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी, चार छात्र परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

साइबर ठगों ने लगाई तीस हजार रुपये की चपत

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर में पानी का कारोबार करने वाले कारोबारी के साथ साइबर क्राइम के तहत 30 हजार रुपये की धोखाधड़ी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी को पकड़ने की मांग की है।

नाजिम पुत्र बाबू निवासी नियर ताज मस्जिद खताड़ी रामनगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके भाई यूसुफ रामनगर में पेयजल का कार्य करते हैं और फर्म का नाम शीतल जल सेवा है। उसके भाई मौ. युसुफ के पास मंगलवार रात अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन आया और बोला कि मुझे बुधवार को रेलवे स्टेशन रामनगर में 100 पेटी पानी चाहिए। बुधवार सुबह करीब 10 बजे उक्त मोबाइल नम्बर से फिर फोन आया कि पानी की पेटी कब तक रेलवे स्टेशन रामनगर में भेजेंगे। अज्ञात व्यक्ति ने कहा कि कुछ देर बाद हमारे सर का फोन आयेगा। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से फोन आया और उसने भाई से कहा कि आप पेयजल का बिल मेरे नम्बर पर सेंड कर दो। उसके भाई ने मोबाइल नम्बर पर बिल सेंड कर दिया। उक्त व्यक्ति ने उसके भाई यूसुफ से खाते की जानकारी भी मांगी। उक्त व्यक्ति ने भाई से कहा कि आपके खाते में भूलवश 51 हजार रुपये आये गये हैं और आप अपने 11 हजार रुपये काटकर बाकी रकम मेरे गूगल पे पर वापस कर दो। पीड़ित ने अपने गूगल पे से 30 हजार रुपये उसके खाते में जमा कर दिये। उसके भाई ने अपने खाते में देखा तो भाई के खाते में 51000 का विवरण दर्ज नहीं है।

यूपीसीएल ने स्मार्ट मीटर पर लगाई रोक हटाई, शंकाओं को दूर किया

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: यूपीसीएल ने स्मार्ट मीटर पर लगाई रोक को हटा लिया है। इस संबंध में मुख्यालय से आदेश जारी हो गए हैं। इस बीच लगातार शिविर लगाकर जगह जगह स्मार्ट मीटर के उपभोक्ताओं की समस्याओं का निदान किया गया। और अनेक उपभोक्ताओं को एप सहित अन्य जानकारी दी गई।

विद्युत वितरण खंड रामनगर के अधिशासी अभियंता गोविंद सिंह कार्की ने बताया कि रामनगर में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शुरु कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि रामनगर में उपभोक्ताओं के लिए जगह जगह लगाये गए शिविर में नाम मात्र की समस्याएं मिली और उनका मौके पर ही निस्तारण का दिया गया।

ईई गोविंद सिंह कार्की। ● अमृत विचार

अधिशासी अभियंता कार्की ने उपभोक्ताओं से कहा कि उपभोक्ता में कुछ भ्रांति थी, एप चलाना नहीं आ रहा था, शिविर में एप कैसे चलता है इसकी भी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि गाइड लाइन के अनुसार स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य समय पर पूरा किया जाना है। स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायत के समाधान के लिए भी लगातार भविष्य में जगह-जगह शिविर लगाए जाएंगे और

- **समस्याओं के समाधान के लिए जगह जगह लगेंगे शिविर**

उपभोक्ताओं को विस्तार पूर्वक जानकारी देकर समस्या का हल किया जाएगा। अधिशासी अभियंता गोविंद सिंह कार्की ने बताया कि रामनगर के सभी सरकारी दफ्तरों, सरकारी कॉलोनियों, नगर पालिका, पुलिस थाना, ब्लॉक मुख्यालय, डिग्री कॉलेज में स्मार्ट मीटर पहले ही लगाए जा चुके हैं। मुख्य बाजार क्षेत्र में भी स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। व्यापारी नेताओं के साथ बैठक कर वार्ता हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बिल नहीं मिलने सहित किसी भी त्रुटि का गंभीरता के साथ निदान किया जाएगा। जनता को किसी तरह की दक्कत नहीं होने दी जाएगी।

डामरीकरण कार्य का समय बदलने की मांग

भीमताल: बोहराकून में डामरीकरण के लिए निर्धारित समय में संशोधित करने की मांग को लेकर बोहराकून निवासियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा है।

स्थानीय निवासी डॉ. ज्योतिर्मय मिश्र और स्थानीय निवासियों ने बताया कि 3 दिसंबर से प्रातः 8 बजे से 12 बजे तक बोहराकून में डामरीकरण के वजह से अमृतपुर से भीमताल तक आवागमन पूर्णतः बंद कर दिया जाएगा। इस समय में ही प्रतिदिन सैकड़ों छात्र छात्राएं, कर्मचारी, अभिभावक सालड़ी, क्वेरली, हरीनगर, चंदा देवी, सूर्यगांव आदि गांव से विद्यालयों, संस्थानों में अध्ययन कार्य के लिए आवागमन करते हैं। लोक निर्माण के इस निर्णय से विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित होंगे।

बाल विवाह के प्रति जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करता दल।

नुक्कड़ नाटक से बाल विवाह के प्रति किया जागरूक

नैनीताल : ज्योलीकोट नैनीताल में बाल विकास विभाग की पहल पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। बुधवार को बाल विकास विभाग की पहल पर ज्योलीकोट आंगनबाड़ी केंद्र में ज्योलीकोट सहित आसपास के आंगनवाड़ी केंद्रों की ओर से ज्योलीकोट में बालविवाह रोकने के लिए एक नुक्कड नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसमें बाल विवाह सामाजिक और कानूनी अपराध है। स्वस्थ समाज के निर्माण में अवरोध, निर्धारित आयु के बाद ही विवाह करें आदि के लिए जागरूक किया गया। जिसमें ग्राम प्रधान नवल कुमार, बीडीसी गीता जोशी और आंगनवाड़ी केंद्रों की महिलाओं ने प्रतिभाग किया, लोगों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान नवल कुमार, बीडीसी गीता जोशी, रेखा जीना, तनुजा भट्ट, दीपा बोरा, पूनम जोशी, जूही सिंह, तारा ओली, सोनी नेगी, तनुजा जोशी, आदि मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम प्रतियोगिता संपन्न

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम 2025–26 के अंतर्गत राज्य स्तरीय लोक नृत्य, रोल प्ले, पोस्टर मेकिंग एवं समूह चर्चा प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पीएस बुगला ने किया।

लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने जनसंख्या शिक्षा के संदेशों को सांस्कृतिक रंगों के साथ प्रस्तुत किया। पीएमश्री राकईका कालाढूंगी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया। रोल प्ले प्रतियोगिता में एयूजीआईसी धानाचूली ने प्रथम स्थान समूह चर्चा में एयूजीआईसी धानाचूली ने प्रथम स्थान पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में राइका धानाचूली की भावना ने उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए प्रथम स्थान, निर्णायक मंडल में एलपी तिवारी, डॉ. पीएस मावड़ी, डॉ. ज्योतिर्मय मिश्र एवं डॉ. रेखा तिवारी शामिल रहे। इस अवसर पर अन्य स्टाफ सदस्य, पांगती जी, सुभाष जोशी, भुवन जोशी, कला भट्ट , फर्स्वाण जी सहित सभी शिक्षक स्टाफ सदस्य एवं समस्त डी.एल.एड. प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगी।

डॉ. भट्ट संस्कृति मंत्रालय के 'सांस्कृतिक राजदूत' नियुक्त

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) द्वारा उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में नैनीताल के शिक्षक डॉ. डीएन भट्ट को संस्कृति मंत्रालय द्वारा अपना सांस्कृतिक राजदूत बनाया गया है। "पाठ्यक्रम शिक्षण में सांस्कृतिक तत्व" विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में डॉ. डीएन भट्ट को "जिला श्रोत व्यक्ति" (डीआरपी) भी बनाया गया है।

यह कार्यशाला राष्ट्र गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित की गई। कार्यशाला में 19 राज्यों के 84 शिक्षकों ने भाग लिया। शिक्षकों को राजस्थान के एतिहासिक कुंभलगढ़ दुर्ग का भ्रमण भी करवाया गया। इस मौके पर सीसीआरटी के उप निदेशक डॉ. राहुल कुमार, मिथुन दत्ता, प्रोफेसर प्रेम भंडारी आदि उपस्थित रहे। डॉ. भट्ट ने कहा कि वो पूरी क्षमता से दायित्वों का निर्वहन करेंगे। डॉ.भट्ट को सांस्कृतिक राजदूत बनने पर शैलनट के अध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा, डॉ. केदार पलड़िया, डॉ. दीपक मेहता, डॉ. हरीश जोशी, डॉ.विवेक पांडे, ललित कर्नाटक, भूपेन्द्र सिंह बिष्ट, गौरव जोशी आदि ने बधाई दी है।

व्याख्यान | पूर्व छात्र ने की डीएसबी के वाणिज्य विभाग में टेलीकॉम कंप्यूटर सेंटर स्थापित करने की घोषणा

जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनने पर दिया गया जोर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर स्थित वाणिज्य विभाग में मंगलवार को आयोजित फ्यूचर फॉरवर्ड गाइडेंस फ्रॉम इंडस्ट्री एंड फाइनेंस एक्सपर्ट विषयक विशेष व्याख्यान में छात्रों को नए अवसरों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि एलारा कैपिटल लंदन के सीईओ एवं डीएसबी के पूर्व छात्र राज भट्ट ने वाणिज्य विभाग में टेलीकॉम कंप्यूटर सेंटर स्थापित करने की घोषणा की।

यह केंद्र छात्रों को प्रोफेशनल ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन प्रदान करेगा। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की फीस स्वयं वहन करने की भी उन्होंने घोषणा की। कार्यक्रम की शुरुआत में वाणिज्य संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि राज भट्ट द्वारा वाणिज्य विभाग के टॉपर छात्रों को 50 हजार व इतिहास विभाग के टॉपर को 30 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जा रही है। डीएसडब्ल्यू प्रो. संजय पंत ने युवाओं को जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनने की प्रेरणा दी। कुविवि की वित्त नियंत्रक कमलेश भंडारी ने समाज कल्याण योजनाओं और वित्तीय क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों पर जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कॉमर्स छात्रों के लिए ट्रेज़री, फाइनेंस और प्लानिंग में बड़ी संभावनाएं हैं तथा टॉप 100 छात्रों को सरकार की ओर से 50 हजार से एक लाख रुपये तक की छात्रवृत्ति मिलती है। मुख्य अतिथि राज भट्ट ने अपने छात्र जीवन से अब तक की प्रेरक यात्रा साझा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने 1983 में डीएसबी से कॉमर्स की पढ़ाई की, ट्यूशन और पार्ट टाइम जॉब करते हुए सीए की तैयारी की और ऑल इंडिया रैंक हासिल की। 1992 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करते हुए आज उनकी कंपनियों में 300 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

डीएसबी परिसर के वाणिज्य विभाग में कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सभी जिलों में उनके प्रोजेक्ट चल रहे हैं और वे हर साल 500 से अधिक युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। भट्ट ने मेधावी छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की अपनी पहल का उल्लेख किया। उन्होंने प्रियंका नयाल (सीए तैयारी) और दृष्टिबाधित शैलेंद्र यादव (एआई शोध) जैसे छात्रों के मेहनत की सराहना की। टेलीकॉम कंप्यूटर सेंटर की घोषणा करते हुए बताया कि बेंगलुरु की टेलीकॉम कंपनी छात्रों को प्रशिक्षण और सर्टिफिकेट उपलब्ध कराएगी। कार्यक्रम को प्रो. संजय पंत, निदेशक विजिटिंग प्रोफेसर निदेशालय प्रो. ललित तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। राज भट्ट, कमलेश भंडारी, डॉ. संजय पंत और डॉ. ललित तिवारी को शॉल ओढ़ाकर व पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। यहां डॉ. आरती पंत, डॉ. विजय कुमार, डॉ. जीवन उपाध्याय, डॉ. हिमानी जलाल, डॉ. विनोद जोशी, डॉ. तेजप्रकाश चंद्रा, डॉ. पूजा जोशी, डॉ. रितिशा शर्मा, डॉ. मीराज, डॉ. ताबिश रहे।

देश की वित्तीय व्यवस्था में भारतीय रिजर्व बैंक के महत्व की जानकारी दी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: डीएसबी परिसर स्थित माता जिया रानी महिला अध्ययन केंद्र में बुधवार को भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा ने की।

मुख्य अतिथि आरबीआई के रिसोर्स पर्सन नितिन सुराऊत और प्रिया चौहान रहे। संचालन डॉ. किरन तिवारी ने किया। आरबीआई ऑफिसर प्रिया चौहान ने छात्रों को भारतीय रिज़र्व बैंक की देश की वित्तीय व्यवस्था में भूमिका और महत्व की जानकारी दी। उन्होंने आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा की तैयारियों से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदु विस्तार से समझाए। उन्होंने बताया कि ग्रेड बी परीक्षा का नोटिफिकेशन हर साल सितंबर-अक्टूबर में जारी होता है तथा अभ्यर्थी अधिकतम छह बार परीक्षा दे सकते हैं। आयु सीमा 21 से 30 वर्ष निर्धारित है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा दो चरणों प्रीलिम्स और मुख्य परीक्षा में होती है। प्रीलिम्स में जनरल अवेयरनेस, रीजनिंग, इंग्लिश लैंग्वेज व क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड से प्रश्न पूछे जाते हैं। तैयारी के लिए अख़बार पढ़ने, इकोनॉमिक सर्वे, यूनियन बजट तथा मासिक करंट अफेयर्स का अध्ययन आवश्यक बताया। रीजनिंग तैयारी के लिए आरएस अग्रवाल की वर्बल एंड नॉन-वर्बल रीजनिंग पुस्तक को उपयोगी बताया। मेंस परीक्षा में पेपर-1 आर्थिक एवं सामाजिक मुद्दों (ESI), पेपर-2 डिस्क्रिप्टिव इंग्लिश और पेपर-3 फाइनेंस एवं मैनेजमेंट से संबंधित होता है। उन्होंने बताया कि रमेश सिंह और उमा कपिला की इंडियन इकोनॉमी पुस्तकों के साथ आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट, नीति आयोग और वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट्स परीक्षा में सहायक होती हैं। मुख्य परीक्षा 300 अंकों की तथा इंटरव्यू 75 अंकों का होता है। कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग और कानून सहित विभिन्न विषयों के अभ्यर्थी इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम में सीमा चौधरी, आकांक्षा, अविनाश, सत्येंद्र, खुशबू, राकेश, सचिन आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

128 छात्रों ने स्नातक वोकेशनल परीक्षा छोड़ी

हल्द्वानी : कुमाऊं विवि से संबद्ध कॉलेजों में बुधवार को दूसरे दिन भी परीक्षाएं जारी रहीं। एमबीपीजी में सुबह की पाली में वोकेशनल स्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में 1252 छात्र शामिल हुए, जबकि 128 छात्रों ने परीक्षा छोड़ी। आज (गुरुवार) भी स्नातक और स्नातकोत्तर वर्ग में भी परीक्षाएं आयोजित होंगी। एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने कहा कि उनका पूरा प्रयास है कि कॉलेज में शांतिपूर्वक और नकलविहीन परीक्षा हो।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे राज्यपाल

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह आगामी 12 जनवरी को किया जाएगा। समारोह में विवि के कुलाधिपति/राज्यपाल लेज गुरमीत सिंह मुख्य अतिथि होंगे। विवि के अनुसार, स्नातक स्तर पर 10 और स्नात्तकोत्तर स्तर पर 18 शिक्षार्थियों को गोल्ड मेडल, दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कुलाधिपति मेडल जिसमें एक स्नातक और एक स्नात्तकोत्तर श्रेणी में प्रदान किया जाएगा। साथ ही चार प्रायोजित मेडल भी संबंधित विषयों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को दिए जाएंगे। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने बताया कि विवि का 10वां दीक्षांत समारोह इसकी शैक्षणिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सब-जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रायल 8 को

हल्द्वानी : नार्थ जोन जूनियर व सब-जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह चैंपियनशिप हरियाणा के नरवाना में होगी। हॉकी उत्तराखंड के महासचिव नरेन्द्र सिंह बाफिला ने बताया कि जूनियर महिला वर्ग के लिए जन्म तिथि 1 जनवरी 2006 व सब-जूनियर वर्ग के लिए 1 जनवरी 2007 निर्धारित की गई है। टीम चयन के लिए ट्रायल 8 दिसंबर इंदिरा गांधी इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम गौलापार में सुबह 9 बजे से किए जाएंगे।

मौसम: भरपूर सर्दी का स्वागत करने के लिए हो जाएं तैयार

राज्य में पश्चिमी विक्षोभ के आज से सक्रिय होने का अनुमान, हल्की से मध्यम बर्फबारी के बनने लगे आसार, 7 दिसंबर तक मौसम में रहेगा बदलाव

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: दिसंबर की शुरुआत के साथ ही भरपूर सर्दी का स्वागत करने के लिए तैयार हो जाएं। राज्य में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना के साथ अनुमान है कि सात दिसंबर तक मौसम पूरी तरह से बदल सकता है। मैदानी इलाकों में बारिश तो पहाड़ों में बर्फबारी के आसार बन रहे हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार, आज गुरुवार से मौसम के तेवर बदल सकते हैं। उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी होने के आसार हैं। यह स्थिति सात दिसंबर तक बनी रह सकती है। लंबे समय से बारिश और बर्फबारी का इंतजार कर रहे पर्वतीय क्षेत्रों के लिए यह बदलाव राहत भरा साबित हो सकता है। मौसम में नमी बढ़ने से कृषि को लाभ मिलेगा, जबकि बर्फबारी पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ा सकती है। हल्द्वानी की बात करें तो यहां पर दिन के समय चटख धूप निकल रही है और रात को पारे में जबरदस्त गिरावट आ रही है। अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री रहा। मुक्तेश्वर में रात के समय पारे में काफी गिरावट आ रही है। यहां न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री दर्ज किया गया है।

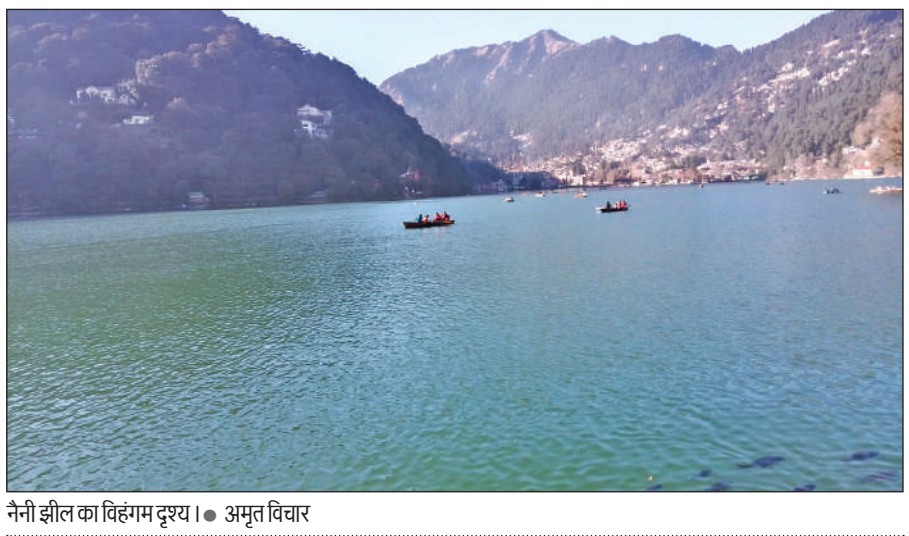

नैनी झील का विहंगम दृश्य। ● अमृत विचार

नैनीताल में कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए अलाव सेंकते युवा। ● अमृत विचार

सात से शुरू होगी कड़ाके की ठंड

हल्द्वानी : अगर मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ों में बर्फबारी होती है तो सात दिसंबर के बाद कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो सकता है। मौसम में नमी बढ़ने के साथ ही मैदानी इलाकों में कोहरा आएगा और साथ ही पहाड़ों में बर्फबारी से बर्फीली हवाओं का दौर भी शुरू हो जाएगा।

सावधान: सर्दियों में दिल और सांस के रोगी रखें अपना विशेष ध्यान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मौसम सर्द होते ही सांस फूलने और हृदय संबंधी बीमारियों में तेजी से इजाफा देखा जा रहा है। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही शहर के अस्पतालों में सांस और दिल की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल हल्द्वानी की मेडिसिन विभाग की ओपीडी में रोजाना करीब 150 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें से अधिकतर रोगी सांस फूलने, सीने में जकड़न और हृदय संबंधी परेशानियों से ग्रस्त हैं।

अस्पताल के फिजिशियन डॉ. जितेंद्र भट्ट ने बताया कि सर्द मौसम में हृदय रोगियों और सांस की समस्या वाले मरीजों की दिक्कतें बढ़ जाती हैं। ठंड के कारण नसों में सिकुड़न होती है, जिससे हृदय पर अतिरिक्त दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में हृदय रोगियों के लिए सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

हेल्थ एडवाइजरी: यह बरतें एहतियात

- फिजिशियन डॉ. जितेंद्र भट्ट के अनुसार, हृदय रोगियों को ठंडी हवा से बचाव करना चाहिए, सुबह-शाम बाहर निकलते समय गर्म कपड़े पहनने चाहिए और डॉक्टर की सलाह के बिना दवाएं बंद नहीं करनी चाहिए।
- सांस फूलने की शिकायत वाले मरीजों को धूल, धुआं और प्रदूषण से विशेष रूप से बचना चाहिए, क्योंकि सर्दी के दिनों में वायु गुणवत्ता खराब रहने से श्वसन संबंधी रोग बढ़ जाते हैं।
- स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि हृदय और श्वसन रोगी अपने स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करें, हल्का व्यायाम करें, पर्याप्त पानी पिएं और अत्यधिक ठंड में अनावश्यक बाहर निकलने से बचें।

सरोवर नगरी में सताने लगी शाम की ठंड

नैनीताल : सरोवर नगरी में शाम की ठंड सताने लगी है। लोग आग व हीटर का सहारा लेने के लिए मजबूर हैं तो दिन की गुनगुनी धूप मौसम को बेहद खुशनुमा बना रही है। बुधवार को नगर में धूप पूरे दिन खिली रही जिसका लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। हालांकि दिन में हल्के बादल आते-जाते रहे, लेकिन तापमान पर असर नहीं डाल सके। मगर, शाम होते ही तापमान में भारी गिरावट आ गई जिस कारण ठंड में बढ़ोतरी हो गई। लोग गर्म व ऊनी कपड़ों के साथ टोपी, मफलर पहनने को मजबूर हुए तो कुछ लोग आग के सहारे ठंड से राहत पाने लगे। नगर के रात्रि तापमान में गिरावट जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में अधिक गिरावट जारी रहेगी।

बसों के टूटे शीशे बढ़ा रहे सर्द मौसम में दर्द

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दिसंबर की शुरुआत के साथ ही अब मौसम सर्द हो चला है और मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छाने लगा है, लेकिन परिवहन निगम की बसें यात्रियों के दर्द को और बढ़ा रही हैं।

सर्द मौसम के बीच कई बसों की खिड़कियां टूटी होने के कारण यात्रियों को खासी परेशानी हो रही है। वहीं, बसों में कई सीटें खराब हालत में हैं, जिससे लंबी दूरी का सफर और भी कठिन हो जाता है। इसके अलावा, बसों में सफाई का भी अभाव है। कोहरे के मौसम में जरूरी फॉगिंग लाइट्स की व्यवस्था भी नहीं है, जिससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ने के साथ ही यात्रियों में असुरक्षा की भावना भी बढ़ गई है। दरअसल, बदहाल रोडवेज बसों में सफर करना यात्रियों के लिए चुनौती से कम नहीं है। बुधवार को भी अमृत विचार की टीम ने हल्द्वानी रोडवेज स्टेशन की पड़ताल की तो कई बसों में खिड़कियों के शीशे टूटे मिले। टूटे शीशे पर कागज का गत्ता लगाकर जुगाड़ से काम चलाया जा रहा है। बसों की कई सीटें उखड़ी हुई हैं और बसों की बॉडी भी सही हालत में नहीं है। साथ ही, कुछ बसों में लगेज बॉक्स भी सही स्थिति में नहीं था।

रोडवेज बस में खिड़की के टूटे शीशे की जगह पर लगाया गया कागज का गत्ता।

परिवहन निगम की बसों की हालत कागजों में तो चकाचक बताई जाती है और यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा का दावा किया जाता है, लेकिन हकीकत में अव्यवस्थाएं बहुत हैं।

दिल्ली रूट पर हल्द्वानी और काठगोदाम डिपो से सबसे अधिक बसों का संचालन होता है, लेकिन इन रूटों की कई बसों की हालत खराब है। इसके अलावा देहरादून, अल्मोड़ा और नैनीताल सहित अन्य मैदानी व पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाली बसों में भी तमाम खामियां बनी हुई हैं।

गौ मांस होने की झूठी सूचना देने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: बीती 23 अक्टूबर को छोई में मांस प्रकरण में पुलिस ने गौ मांस की झूठी सूचना देने वाले व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि बीती 23 अक्टूबर को कुछ लोगों ने बैलपड़ाव व छोई क्षेत्र में वाहन में तोड़फोड़ और चालक की पिटाई की थी। बवाल होने के बाद कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई थी। इस मामले में लोगों को गलत सूचना देने वाले की तलाश में पुलिस जुटी थी। आखिरकार बुधवार को उसे पकड़ लिया गया।

कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल के दौरान जानकारी में आया कि अभियुक्त शारिक पुत्र रईस निवासी रेलवे कॉलोनी भी मौके पर उपस्थित था। आरोपी मंडी में फ्रूट पैकेजिंग का काम करता है। उन्होंने बताया कि आरोपी शारिक ने ही संबंधित वाहन में गौ मांस होने की झूठी सूचना दी थी। जिसके आधार पर मौके पर भीड़ उमड़ गई थी। उन्होंने बताया कि आरोपी शारिक को खताड़ी के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिए गया है। उन्होंने बताया कि घटना के दिन आरोपी बवाल के दौरान भी मौजूद था और कोतवाली के आसपास भी उसे देखा गया था। उन्होंने बताया कि शारिक पूर्व में भी लड़ाई झगड़े में जेल गया था।

- झूठी खबर फैलने से ही छोई में उमड़ी थी भीड़

नैनीताल में खुलेंगे दो अर्बन पीएचसी

नैनीताल: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शहर में दो अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोले जायेंगे। जिससे मरीजों को जिला अस्पताल व हायर सेंटर नहीं भागना पड़ेगा। इन केंद्रों में एक चिकित्सक, एक फार्मासिस्ट, दो नर्सिंग अधिकारी, पांच एएनएम, एक लैब टेक्निशियन व एक वार्ड आया नियुक्त की जाएगी।

सीएमओ डा. एचसी पंत ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शहर में दो अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की स्वीकृति मिली है। जिसके लिए सूखाताल व तल्लीताल में केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया की जा रही है। इन केंद्रों में मातृत्व स्वास्थ्य जैसे प्रसव पूर्व व बाद की जांच, बाल स्वास्थ्य संबंधित प्राथमिक उपचार, जांच, टीकाकरण, परिवार कल्याण, संचारी व गैर संचारी रोग संबंधित जांचें की जाएगी।

उभरते कॅरियर अवसरों, स्किल व उच्च शिक्षा पर किया मार्गदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सिंथिया स्कूल में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों के लिए कॅरियर काउंसलिंग और कॅरियर फेयर लगाया गया। इसका शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. प्रवींद्र कुमार रौतेला ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सही कॅरियर दिशा तय करना महत्वपूर्ण है। कॅरियर फेयर में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चितकारा यूनिवर्सिटी, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू), पिंपरी चिंचवड़ पुणे, डीबीएस ग्लोबल, अलायंस यूनिवर्सिटी, पारुल यूनिवर्सिटी, डीआईटी यूनिवर्सिटी देहरादून, इकोल डिजाइन दिल्ली सहित विभिन्न संस्थान शामिल रहे। विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने छात्रों को उभरते कॅरियर अवसरों, जरूरी स्किल और उच्च शिक्षा के विविध विकल्पों पर मार्गदर्शन किया। फेयर में इंटरेक्टिव सत्र, सूचनात्मक स्टॉल और वन-टू-वन काउंसलिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिससे विद्यार्थियों को संदेह दूर करने में सहायता मिली। कार्यक्रम का सुपरविजन कैलाश नेगी ने किया, जबकि कॅरियर काउंसलिंग सत्र का संचालन सुरभि शर्मा ने किया। कार्यक्रम में सुरेश चंद्र मिश्रा, ऋचा कर्नाटक, भुवन चंद्र सती, ईश्वरी दत्त जोशी, पुष्कर सिंह राजपूत, सुनीता तिवारी, रुचिता पांडे आदि मौजूद रहे।

सिंथिया स्कूल में कॅरियर काउंसलिंग फेयर में मौजूद प्रधानाचार्य रौतेला व अन्य।

दिव्यांग दिवस पर बच्चों ने प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर सृजन स्पास्टिक सोसायटी में सोमवार को विविध कार्यक्रम हुए। प्रतिवर्ष 3 दिसंबर को मनाया जाने वाला दिव्यांग दिवस इस वर्ष यूएनसीआरपीडी की थीम ''सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांग समावेशी समाज को बढ़ावा देना'' को समर्पित रहा।

सोसायटी में विभिन्न दिव्यांगताओं से प्रभावित 20 बच्चों ने चित्रकला, नृत्य, खेलकूद समेत कई प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि कैलाश पाठक ने सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चे किसी भी तरह से कम नहीं हैं, बस समाज को उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल वातावरण देने की आवश्यकता है। कहा कि अज के वैज्ञानिक युग में दिव्यांगता की चुनौती को कम किया जा सकता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रद्धा कांडपाल ने बच्चों की प्रारंभिक अवस्था से लेकर वर्तमान तक की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि संस्था निरंतर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य कर रही है तथा हर बच्चे की आवश्यकता के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम के दौरान दया जोशी, मुन्नी बिष्ट, दीपा लोहनी, ममता पांडे रहे।

फिलीपींस से पहुंची एडीबी की टीम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की टीम ने बुधवार को उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (यूयूएसडीए) की ओर से किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण और समीक्षा की। टीम फिलीपींस स्थित एडीबी मुख्यालय से हल्द्वानी पहुंची थी। निरीक्षण के दौरान टीम ने एस बैंड स्थित निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक, रकसिया नाला, एसटीपी और विभिन्न पैकेजों में चल रहे पेयजल, सीवर और सड़क पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया। एडीबी टीम ने शहर में चल रहे प्रोजेक्ट्स की प्रगति, गुणवत्ता और कार्य गति की सराहना की। साथ ही, कार्यों को और अधिक प्रभावी और जनहित में केंद्रित करते हुए कार्य पूरा करने के लिए दिशानिर्देश भी दिए। यह निरीक्षण और समीक्षा हल्द्वानी के शहरी विकास प्रोजेक्ट्स को गति और मजबूती देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समीक्षा कार्य में शहरी विकास विशेषज्ञ बेधानी मान, पोर्टफोलियो मैनेजर लिआ, सोशल एवं जेंडर विशेषज्ञ दीपा अहलूवालिया और अपर सचिव और कार्यक्रम निदेशक यूयूएसडीए अभिषेक रूहेला शामिल रहे।

यूयूएसडीए के अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते हुए एडीबी की टीम।

आंबेडकर परिनिर्वाण दिवस पर होगी गोष्ठी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डॉ. बीआर आंबेडकर जन्मदिवस समारोह की ओर से 6 दिसंबर को बाबा साहेब का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाएगा।

सभा में कामरेड राजा बहुगुणा और अधिवक्ता हरीश आर्य के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। तय हुआ कि 6 दिसंबर को सुबह नौ से 10 बजे तक मंगल पड़ाव स्थित डॉ. आंबेडकर पार्क में बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह तीन बजे तक उनके विचारों को लेकर गोष्ठी होगी। इस दौरान मूल निवासी संघ अध्यक्ष दीपक चनियाल, दीप दर्शन, नफीस अहमद खान, हरीश सिनौली, सुंदरलाल बौद्ध, संजय बगड़वाल, विनोद, महेश चंद्र आर्य थे। इसके अलावा गोलचा कंपाउंड स्थित भीम आर्मी जिला कार्यालय में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस दौरान सिराज अहमद, महेश चंद्र आर्य, फिरोज खान, रितिक कांत, हरीश लोधी, आकाश भारती, खीम चंद्र आर्य, सखावत हुसैन, यासीन सैफी आदि थे।

वन विकास निगम में बिना डीएल के हो रहा है ट्रैक्टर का संचालन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : परिवहन विभाग ने कालाढूंगी स्थित कॉर्बेट रिजर्व गेट पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान कॉर्बेट पार्क में बिना परमिट के जिप्सियां और वन विकास निगम में बिना डीएल के ट्रैक्टर चलाते हुए चालक मिला।

बुधवार को एआरटीओ प्रवर्तन जितेंद्र संगवान ने कालाढूंगी क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। जब उन्होंने कार्बेट पार्क गेट का निरीक्षण किया तो एक जिप्सी बिना परमिट के चलते हुए मिली। विभागीय टीम की कार्रवाई की सूचना मिलते ही ब्लॉक प्रमुख विक्रम सिंह जंतवाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि जिप्सी परमिट से संबंधित प्रकरण पिछले एक वर्ष से न्यायालय में लंबित है और लगातार परमिट प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। चेकिंग अभियान के बाद एआरटीओ (प्रवर्तन) ने वन विकास निगम परिसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में एग्रीकल्चर पास ट्रैक्टर को संशोधित कर व्यापारिक कार्य में उपयोग करते पाया गया। इतना ही नहीं, ट्रैक्टर चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिला। साथ ही ट्रैक्टर को अपने हिसाब से मॉडिफाइड भी किया गया था। नियमों के इस गंभीर उल्लंघन पर एआरटीओ ने 23,500 रुपये का चालान जारी किया। कुल 23 चालान ओर 1 वाहन सीज किया गया। एआरटीओ ने वन विकास निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौला क्षेत्र की तर्ज पर निगम परिसर में सभी वाहनों का सत्यापन परिवहन विभाग से कराया जाए, ताकि अनियमितताओं पर अंकुश लगाया जा सके।

- कार्बेट पार्क में बिना परमिट के चल रही थी जिप्सी, एआरटीओ प्रवर्तन ने कार्रवाई की

खुदान पर डंपर, जेसीबी सीज

हल्द्वानी, अमृत विचार: प्रशासन, खनन व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने छड़ायल में बिना अनुमति बेसमेंट खुदान पर जेसीबी व डंपर को सीज किया है।

एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि खनन, राजस्व व प्रशासन की संयुक्त टीम ने बुधवार को छड़ायल में छापेमारी की। यहां बेसमेंट का खुदान किया जा रहा था। जब टीम ने भूस्वामी से बेसमेंट खुदान की अनुमति मांगी तो वह नहीं दिखा सका। बिना अनुमति बेसमेंट खुदान पर टीम ने कार्रवाई करते डंपर और जेसीबी को सीज कर दिया। डंपर पर दो लाख और जेसीबी पर 30 हजार का जुर्माना लगाया है। वहीं, भूस्वामी पर भी 1.40 लाख का जुर्माना लगाया गया है। एसडीएम शाह ने कहा कि हल्द्वानी में किसी भी तरह की अवैध गतिविधियां संचालित नहीं होने दी जाएगी।

बागजाला में सड़क का निर्माण शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी के 100 दिनों से चल रहे आंदोलन का असर अब दिखने लगा है। बुधवार को बागजाला गांव में लोक निर्माण विभाग ने सड़क निर्माण शुरू कर दिया।

भाकपा (माले) के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडेय ने कहा कि बागजाला वासियों का यह संघर्ष लंबे समय के बाद मिली पहली जीत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अपनी एकता और संगठन के बल पर लड़े और अब जीत की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा संघर्ष के दम पर सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। डॉ. पांडेय ने बागजाला वासियों के लिए भूमि के मालिकाना अधिकार सुनिश्चित किए जाने की मांग उठाई। उन्होंने मुख्यमंत्री से दमुवाढूंगा की तर्ज पर बागजाला को राजस्व गांव घोषित करने की मांग की। साथ ही पेयजल संकट दूर करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना को शुरू करने की अपील की। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और सरकार ने इन मांगों पर शीघ्र कदम नहीं उठाए, तो ग्रामीणों को फिर से आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टी. रेड्डी लक्ष्मी आज देंगी नृत्य की प्रस्तुति

हल्द्वानी : प्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यांगना टी. रेड्डी लक्ष्मी 4 दिसंबर को द आईआईएमटी कमलुवागंजा में दोपहर 2:30 बजे अपनी नृत्य प्रस्तुति देंगी। लक्ष्मी को संगीत नाटक अकादमी युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है और वह आईसीसीआर-अंपैनल्ड कलाकार भी हैं। कार्यक्रम में उनके साथ जयन कोट्टकल (वोकल्स), गोकुल (मृदंगम) और कुमारी सौम्या कन्नन (वायलिन) संगत करेंगे।

गांधी नगर में सीवर चैंबर टूटा गली में गंदगी से लोग परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गांधी नगर में एक सीवर चैंबर टूटने के कारण गलियों में गंदगी फैल रही है। एक माह से समस्या का समाधान नहीं होने पर बुधवार को वार्ड में प्रदर्शन किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीवर से बहती गंदगी से बच्चों और बुजुर्गों बीमार हो रहे हैं और घरों में रहना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शन का नेतृत्व पार्षद रोहित कुमार ने किया। इस मौके पर निर्मला, पिंकी, चेतना, मनीष पासी, बबलू सोनकर, ऊषा पासी, माया, राधा, चंदो, उर्मिला यादव रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

किसान व सरकार के बीच कड़ी का काम करती हैं समितियां : विश्वास

दिनेशपुर समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रंधावा सहित 12 संचालकों ने ली शपथ

संवाददाता, दिनेशपुर

शपथ ग्रहण करते बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित संचालक।

अमृत विचार: बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति में नवनिर्वाचित संचालक मंडल के शपथ समारोह को संबोधित करते जिपं पूर्व उपाध्यक्ष कांग्रेस नेता त्रिनाथ विश्वास ने कहा कि सहकारी समितियां किसान व सरकार के बीच कड़ी का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को छोटी जोत किसानों के साथ मजदूरों तक पहुंचने का कार्य मुख्य है। किसानों का अनाज खरीद कर समय पर बीज, उर्वरक व कीटनाशक दवा उपलब्ध कराने का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद किसानों व लोगों को पशु, मुर्गी व बकरी पालन का ऋण उपलब्ध कराकर रोजगार दे सकती है। जिससे समितियों की आय बढ़ाई जा सकती है।

बुधवार को बहुउद्देशीय प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष करनदीप सिंह रंधावा व उपाध्यक्ष असीम मंडल सहित 11 नवनिर्वाचित व एक शासन द्वारा नामित संचालकों ने पद व गोपनीयता की शपथ ली। कार्यक्रम को विधायक अरविंद पांडेय, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, रुद्रपुर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्रपाल सिंह पाटू, जिपंस जितेंद्र शर्मा उर्फ सोनू, गदरपुर नपा पूर्व चेयरमैन सुरेश कंबोज व किसान नेता गगनदीप सिंह रंधावा ने संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित संचालक मंडल को बधाई दी। वक्ताओं ने कहा कि समिति का नवनिर्वाचित बोर्ड किसानों की सरकार है। बोर्ड को किसानों के हित में प्रस्ताव पारित कर शासन व प्रशासन को भेजना चाहिए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष करनदीप सिंह रंधावा ने सभी अतिथियों व किसानों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता केके गावा, जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, विकास सरकार, शैलेंद्र शर्मा, अमरीक सिंह, संजीव गुप्ता, आनंद शर्मा, हरदीप सिंह, शंकर मंडल, लोकनाथ मंडल, संचालकों में चौधरी ओमपाल सिंह, शिवा सिंह, सुनीता देवी, पुनीत गावा, गुरमुख सिंह, विमला विश्वास, ,सुमिति विश्वास, राधिका सरकार, गुरमीत सिंह व नामित संचालक रोहित मंडल आदि मौजूद रहे।

पड़ोसियों ने की युवक से मारपीट

काशीपुर: कुत्ते भौंकने पर घर से बाहर निकले पड़ोसियों ने युवक से मारपीट कर दी। बीच बचाव को आई मां के साथ भी आरोपियों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुमाऊं कॉलोनी, कचनालगाजी निवासी द्रौपदी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। कहा कि 30 नवंबर की रात 11 बजे पड़ोसी चंचल, संतोष, राहुल व अर्जुन, रेखा आदि के द्वारा उसके बेटे रवि के साथ मारपीट की गई। जब वह बीच बचाव के लिये गयी तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। कहा कि पड़ोसियों ने अपने घर में छह कुत्ते पाल रखे हैं। जो रात को आते-जाते लोगों पर भौंकते रहते हैं। कहा कि अगले दिन भी उसका बेटा अपने काम पर से घर आया और उसे देख कर पड़ोसी के कुत्ते भौंकने लगे। कुत्ते भौंकने की आवाज सुन कर आरोपी अपने घर से बाहर आये और बेटे से गाली-गलौज करने लगे। बेटे के विरोध करने पर आरोपियों ने घर से बाहर निकलकर हॉकी, डंडों से उसके बेटे के साथ मारपीट की । एसएसआई केसी आर्या ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

महोत्सव में छाए समर स्टडी के बच्चे

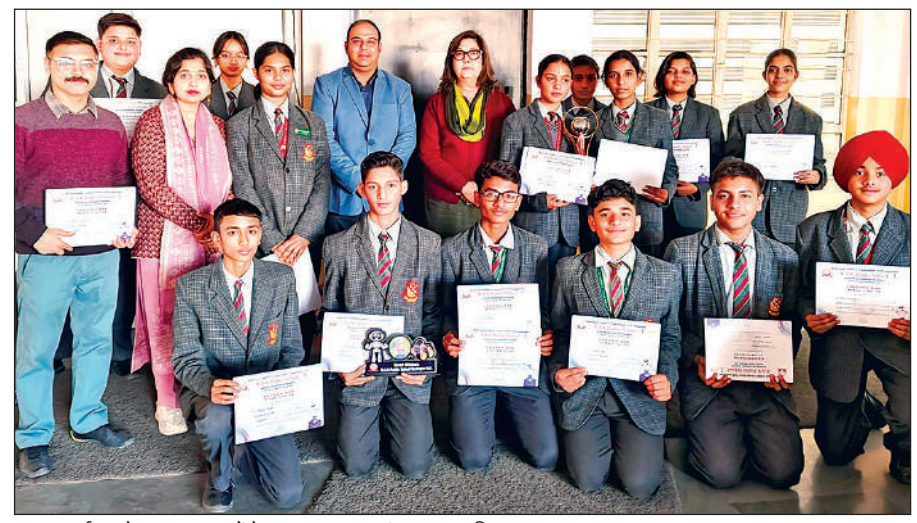

स्कूल कार्यक्रम के बाद प्रमाण पत्रों के साथ छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

● आरएएन स्कूल में अंतर-विद्यालय तकनीकी शिक्षा का आयोजन

अमृत विचार: आरएएन पब्लिक स्कूल रुद्रपुर में अंतर-विद्यालय तकनीकी शिक्षा का सफल आयोजन किया गया। रचनात्मकता, नवाचार और आधुनिक प्रौद्योगिकी को समर्पित इस तकनीकी महोत्सव में कुल 14 विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डीआरडीओ के डॉ. रंजीत सिंह ने किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल, नवोन्मेषी सोच और भविष्य की चुनौतियों के प्रति उनकी समझ की सराहना की। समर स्टडी हॉल विद्यालय से हैकाथॉन, कोडिंग और साइबर सुरक्षा कौशल परीक्षा में धीरज सिंह और अनुष्का रावत तथा स्टार्टअप स्पार्क श्रेणी में नवीन व्यावसायिक विचारों की प्रस्तुति में टीम एक से सोनालिका अरोड़ा और ज्योति जोशी तथा टीम दो से नैतिक चतुर्वेदी और समीर मलिक व टीम 3 से भूमिका रावत और कौशल कार्तिकेय तथा ड्रिफ्ट ड्रॉइड्स श्रेणी में गति और रणनीति पर आधारित रोबोटिक रेस में टीम एक से इव्यांन रघुवंशी, अर्चित शर्मा, अभिजीत सिंह, शुभ गुप्ता तथा टीम दो से मानवी, ओजल सैनी, साधना प्रजापति ने प्रतिभाग किया। इनमें से स्टार्टअप स्पार्क श्रेणी में समर स्टडी हॉल स्कूल की ज्योति जोशी और सोनालिका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते द्वितीय स्थान प्राप्त कर किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय की अध्यक्षा मुक्ता सिंह तथा प्रधानाचार्य अनुज भाटिया ने उन्हें बधाई दी।

दंपती सहित चार कुख्यात बदमाशों पर गैंगेस्टर

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: उत्तराखंड को ''नशा मुक्त'' बनाने की दिशा में सख्त कदम उठाते हुए, पुलभट्टा थाना पुलिस ने नशा तस्करी के क्षेत्र में सक्रिय एक संगठित गिरोह के चार कुख्यात सदस्यों के खिलाफ गैंगेस्टर अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई की है। काशीपुर निवासी एक दंपती सहित इन चारों तस्करों पर गैंगेस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलभट्टा थाना प्रभारी प्रदीप मिश्रा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि ये आरोपी गिरोह बनाकर उत्तर प्रदेश के बरेली से स्मैक की तस्करी करते हैं और उसे पुलभट्टा, किच्छा, सितारगंज, हल्द्वानी, रुद्रपुर और खटीमा जैसे क्षेत्रों की युवा पीढ़ी को बेचकर अवैध रूप से भौतिक एवं आर्थिक लाभ कमाते हैं। गैंग के मुख्य आरोपी रिफाकत हुसैन (बरेली, यूपी) – गैंग का सरगना, शानू अहमद (बरेली, यूपी), आसमा बेगम (काशीपुर, यूएस नगर), खुर्शीद अली (काशीपुर, यूएस नगर) हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि इन आरोपियों के खिलाफ पुलभट्टा, काशीपुर और बरेली सहित अन्य थानों में 14 तक अभियोग पंजीकृत हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा एवं जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर से गैंग चार्ट अनुमोदित करवाने के बाद यह कार्रवाई की गई है। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने इन तस्करों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अब पुलिस द्वारा जांच कर चारों आरोपियों द्वारा नशा तस्करी से अर्जित की गई चल और अचल संपत्ति की विस्तृत ''कुंडली'' तैयार की जाएगी, जिसके बाद उसे जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

जीजीआईसी को 5.72 करोड़ की सौगात पर छात्राओं में उत्साह

संवाददाता, किच्छा

किच्छा के जीजीआईसी विद्यालय में मिठाई बांटते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) में लगभग 5 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से होने वाले निर्माण कार्य को शासन से स्वीकृति मिलने पर छात्राओं में खुशी है। इस धनराशि से तीन मंजिला भवन में 12 कक्षा कक्ष, स्टाफ रूम, शौचालय और एक विशाल बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण किया जाएगा, जिसकी पहली किश्त (2.29 करोड़ रुपये) जारी हो चुकी है।

विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़ की अगुवाई में कांग्रेसियों ने विद्यालय पहुंचकर छात्राओं को मिष्ठान वितरण किया और विधायक तिलक राज बेहड़ के प्रयासों की जानकारी दी। प्रधानाचार्य अंजू सक्सेना सहित शिक्षिकाओं और छात्राओं ने विधायक एवं प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

हालांकि, प्रधानाचार्य अंजू सक्सेना ने इस अवसर पर विद्यालय में शिक्षिकाओं के कम पद सृजित होने (19 कार्यरत, जबकि 40 पद स्वीकृत होने चाहिए) और इंटरमीडिएट में गणित विषय की अनुपलब्धता का मुद्दा भी उठाया, जिसके कारण छात्राओं को बाहर जाकर पढ़ाई करनी पड़ती है। मौके पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू, निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली, राजेश प्रताप सिंह, सुनीता कश्यप, नजाकत खान आदि मौजूद रहे।

ई-रिक्शा चालक घायल, पिकअप ड्राइवर पर केस

किच्छा: पुलभट्टा थाना क्षेत्र में 1 दिसंबर की सुबह, सितारगंज मार्ग पर मटर प्लांट के पास एक तेज रफ्तार पिकअप जीप (यूके 06 सीसी 6818) ने पीछे से ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक रंजीत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका रुद्रपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा 100 मीटर तक घिसट गया और एक बिजली का पोल भी टूट गया।

आरोपी पिकअप चालक मौके से फरार हो गया था। घायल के पिता ओमप्रकाश की शिकायत पर, पुलिस ने पिकअप के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

योजनाओं के क्रियान्वयन का मूल्यांकन किया गया

संवाददाता, बाजपुर

बैठक करते दर्जा राज्यमंत्री राजू।

अमृत विचार : बाजपुर कैंप कार्यालय में बुधवार को दर्जा राज्य मंत्री गन्ना मंजीत सिंह राजू की अध्यक्षता में समाज कल्याण, ग्राम उत्थान परियोजना, ब्लाक मिशन प्रबंधन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति और जनता तक सेवाओं की वास्तविक पहुंच का मूल्यांकन किया गया।

इस मौके पर मंत्री मंजीत सिंह राजू ने विभागवार प्रगति रिपोर्ट लेते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सभी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि जनहित योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता, उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता के साथ काम करने के निर्देश दिए। कहा कि जनता की सुविधा और हित सर्वोपरि हैं, इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

ट्रैक मरम्मत कार्य को लेकर आज बंद रहेगी सड़क

बाजपुर : हेमपुर इस्माइल से बाजपुर रेलखंड के मध्य स्थित समपारों पर ट्रैक मरम्मत कार्य को लेकर रेलवे विभाग द्वारा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया गया है। प्रभारी सीनियर सेक्सन इंजीनियर (रेलपथ) लालकुआं की ओर से उपजिलाधिकारी बाजपुर एवं पुलिस उपाधीक्षक बाजपुर को प्रेषित पत्र में बताया गया है कि ट्रैक की आवश्यक मरम्मत कार्य के लिए कुछ समपारों को निर्धारित समयावधि के लिए सड़क यातायात हेतु बंद करना अनिवार्य है। रेलवे विभाग के अनुसार समपार संख्या 30/सी, जो रेलवे किलोमीटर 43/9-44/0 के मध्य स्थित है तथा स्थानीय क्षेत्र रतनपुर और कोसी कांटा को जोड़ता है, उसे चार दिसंबर (आज) को मरम्मत कार्य के दौरान सड़क यातायात के लिए सुबह दस बजे से सायं छह बजे तक पूर्णत: बंद रखा जाएगा। वैकल्पिक मार्ग के लिए समपार संख्या 28/सी खुला रहेगा। विभाग का कहना है कि यह कार्य रेल कर्मचारियों एवं मशीनों की सहायता से किया जाएगा, इसलिए सुरक्षा एवं सुचारू कार्यवाही के लिए यातायात बंद करना आवश्यक है। अधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि रेल संरक्षा को देखते हुए इस समपार पर सड़क यातायात बंद कराने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

स्वतंत्रता सेनानी बोस को किया याद

● कार्यक्रम में खुदीराम बोस को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता शक्तिफार्म

शक्तिफार्म में खुदीराम बोस जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

अमृत विचार : महान स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की जयंती पर अरविंद नगर में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान वक्ताओं ने खुदीराम सहित समकालीन अन्य युवा क्रांतिकारियों को भी नमन किया।

मैत्री बांग्ला संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम का बंगाली कल्याण समिति प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी, बंगाली कर्मचारी उन्नयन समिति अध्यक्ष रवि सरकार और नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। मौजूद सभी लोगों ने खुदीराम बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने खुदीराम के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मात्र अठारह वर्ष की आयु में हाथ में गीता लेकर हंसते-हंसते फांसी पर झूल गए। वक्ताओं ने कहा कि हमें अपने बच्चों को ऐसे क्रांतिकारी युवाओं के बारे में जानकारी देनी चाहिए। इस दौरान रुद्रपुर, दिनेशपुर सहित अन्य स्थानों से आए कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर लोगों में उत्साह का संचार किया। इस मौके पर आयोजन समिति अध्यक्ष करण राय, प्रताप दत्ता, किशन सरकार, प्रियजीत राय, रितुराज, शंभु साना, सुमित बख्शी, अनुप राय, अमित पाठक, सूरज वैद्य, तापस गाईन आदि मौजूद रहे।

ट्रेड लाइसेंस का किया विरोध

सितारगंज: नगर पालिका की ओर से बनाए जा रहे ट्रेड लाइसेंस व्यापारियों ने कड़ा विरोध किया। व्यापारियों ने बिना नाम लिखे ईओ के हस्ताक्षर और मोहर के साथ जारी नोटिस पर भी आपत्ति जाहिर की। कोषाध्यक्ष दीपेंद्र सिंघल ने कहा कि पहले ही व्यापारी सेल्स टैक्स, इनकम टैक्स, जीएसटी सहित विभिन्न टैक्स दे रहा है। उनके प्रतिष्ठान से संबंधित विभागों से पहले ही लाइसेंस बने हुए हैं। फिर, नगर पालिका मोटी फीस जमा कर लाइसेंस बनाने का दबाव बना रहा है। व्यापारियों को नगर पालिका के लाइसेंस की कोई आवश्यकता नहीं है। इस संबंध में पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा से वार्ता हुई है। जल्द ही इसका समाधान निकाला जाएगा।

प्रतिभागियों को दी पोर्टल की जानकारी

संवाददाता, रुद्रपुर

समीक्षा बैठक को संबोधित करते सीएमओ डॉ.केके अग्रवाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में एफपीएलएमआईएस पोर्टल की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इसमें जिला चिकित्सालय स्तर से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से आए हुए फार्मेसी अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने बताया कि परिवार नियोजन सामग्रियों की मांग एवं आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और सुव्यवस्थित किये जाने के लिए भारत सरकार की ओर से परिवार नियोजन सामग्रियों को राज्य स्तर पर उपलब्ध कराती है। राज्य से जनपदों को जनपदों से ब्लॉक और ब्लॉक स्तर से स्वास्थ्य इकाइयों आरोग्य मंदिर तक उनकी मांग के आधार पर वितरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय से उप केंद्र स्तर तक सेल्फ केयर किट लगाए जा चुके हैं। जिसमें प्रेगनेंसी किट व ईजी पिल्स भरी जानी है। ताकि सीधा लाभ लाभार्थियों को को मिल सके। मास्टर ट्रेनर व जिला समन्वय प्रदीप महर ने प्रतिभागियों को एफपीएलएमआईएस पोर्टल प्रणाली के बारे में विस्तृत रूप से बताया। परिवार नियोजन से संबंधित सामग्री जैसे प्रेग्नेंसी फिट, माला-एन, ईजी पिल्स, छाया इत्यादि को ऑनलाइन इंडेनट के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.हरेंद्र मलिक ने बताया कि आगामी वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं का रिकॉर्ड डिजिटलीकरण हो जाएगा। जिसको आसानी से ट्रैक किया जाएगा। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ.एसपी सिंह, हिमांशु मुस्युनी, प्रभारी जिला फार्मेसी अधिकारी आरसी खुल्बे, प्रेम शंकर, फार्मेसी अधिकारी, चांद मिया, सौरभ शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम | कुमाऊं मंडल स्तरीय समागम के द्वितीय दिवस कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई

समागम में स्काउट-गाइड ने सीखे आपदा प्रबंधन के गुर

संवाददाता, शांतिपुरी

शांतिपुरी खेल मैदान में आपदा के दौरान राहत बचाव के कार्य सीखते स्काउट गाइड। ● अमृत विचार

अमृत विचार: शांतिपुरी खेल मैदान में बुधवार को हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा आयोजित कुमाऊं मंडल स्तरीय समागम के द्वितीय दिवस कार्यक्रम की शुरुआत जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी सौरभ नेगी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके उपरांत राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम ने स्काउट-गाइड प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा, बचाव कार्यों और आपदा प्रबंधन की अहम तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

बच्चों को वास्तविक परिस्थितियों में किए जाने वाले त्वरित कदम, बचाव उपकरणों का उपयोग तथा टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका समझाई गई। प्रादेशिक संगठन आयुक्त हिमांशु सक्सेना ने बताया कि स्काउट-गाइड्स को साहसिक गतिविधियों के अंतर्गत एडवेंचर, मंकी ब्रिज सहित अन्य प्रशिक्षण क्रियाकलाप भी कराए गए, जिससे उनके आत्मविश्वास और व्यावहारिक कौशल में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि समागम का भव्य समापन गुरुवार को होने जा रहा है, जिसमें सभी विद्यालय अपने-अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। समापन दिवस पर तंबू निर्माण, मार्च-पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, साहसिक क्रियाकलाप, रूट मार्च सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर अलका मिश्रा ने बताया कि समापन समारोह में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य (खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तराखंड) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस दौरान सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण और गतिविधियाँ विद्यार्थियों को आपदा के समय सतर्क रहने, दूसरों की मदद करने और नेतृत्व गुण विकसित करने की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं।

जीएसटी चोरी कर मंगाए पान मसाले पर पेनॉल्टी

संवाददाता सितारगंज

● 12 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया

अमृत विचार : जीएसटी चोरी कर दिल्ली से मंगाए पान मसाले पर राज्य कर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में विभाग ने सितारगंज निवासी आरोपी व्यवसायी से 12 लाख रुपये की पेनॉल्टी वसूल की है।

डीसी हेमलता शुक्ला ने बताया कि एसी मो. कासिम और राज्य कर अधिकारी विनोद कुमार की टीम ने करीब एक सप्ताह पहले सितारगंज में बिना वैध प्रपत्रों के दिल्ली से मंगाए गए पान मसाले को वाहन से अनलोड करने के दौरान पकड़ा था। जिस पर कार्रवाई करते हुए टीम ने वाहन को पान मसाले के ढाई लाख पाउच के साथ जब्त कर राज्य कर भवन, खटीमा में खड़ा कर दिया था। इसी क्रम में राज्य कर आयुक्त सोनिका सिंह के निर्देश पर अपर आयुक्त राकेश वर्मा के मार्गदर्शन में संयुक्त आयुक्त रोशन लाल के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने व्यवसायी से 12 लाख रुपये की पेनॉल्टी वसूल करने की कार्रवाई की है। संयुक्त आयुक्त रोशन लाल ने कहा कि व्यापारी पारदर्शी और वैधानिक रूप से व्यापार करें। विभाग कर चोरी करने वालों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। कर चोरी करने वालो के खिलाफ विभाग की इस तरह की विधिक कार्रवाई जारी रहेगी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम JARIF से बदलकर ww JARIF AHAMAD रख लिया है और मुझे भविष्य में J A R I F AHAMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये। JARIF AHAMAD S/O BANNEY, WARD NUMBER 1, B H O L A C O L O N Y , GADARPUR US NAGAR (UTTARAKHAND)

ब्रीफ न्यूज

नाबालिगों को बहलाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

नानकमत्ता : सितारगंज स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की दो नाबालिग छात्राओं को बहला-फुसलाकर घुमाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, इस्लाम नगर, सितारगंज निवासी अरबाज, दोनों छात्राओं को गलत नियत से नानकसागर बांध पर ले गया था। स्थानीय हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं ने युवक को संदिग्ध अवस्था में देखकर पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। नाबालिगों के पिता की तहरीर पर पुलिस ने अरबाज के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ठेकेदार ने मजदूर महिला से की छेड़छाड़

सितारगंज : मजदूर महिला से छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने ठेकेदार के विरुद्ध केस दर्ज किया है। सितारगंज के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि 1 दिसंबर को वह मजदूरी करने के लिए नयागांव गई थी। दिनभर मजदूरी करने के बाद शाम को जब वह वापस घर लौट रही थी। तब बलुआ टोला, सितारगंज निवासी ठेकेदार हरेंद्र ने उसका हाथ पकड़ लिया। उसे गलत नीयत से छूने लगा। किसी तरह उसने ठेकेदार से खुद को बचाया। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोपी ठेकेदार के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

दो सगे भाइयों में जमीन और मकान को लेकर विवाद

बाजपुर : दो सगे भाइयों के बीच जमीन और मकान को लेकर विवाद हो गया। पुलिस ने शांतिभंग में दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। ग्राम बन्नाखेड़ा निवासी जगदीश यादव व उसके भाई रवि यादव के बीच आपसी जमीन और मकान के विवाद को लेकर गाली-गलौज व मारपीट हो गई। सूचना पर पहुंची बन्नाखेड़ा चौकी की पुलिस दोनों पक्षों को पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर पुलिस चौकी ले आई। पुलिस ने दोनों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद दोनों भाई आपस में उलझ गए और विवाद बढ़ता चला गया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को हिरासत में लेना पड़ा। पुलिस के अनुसार दोनों भाइयों के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है और पूर्व में भी कई बार झगड़ा हो चुका है।

चीकाघाट मेले से चुराई बाइक, रिपोर्ट दर्ज

सितारगंज : चोरों ने चीकाघाट मेले में खड़ी बाइक चुरा ली। मामलें में पुलिस ने चोर के विरुद्ध केस दर्ज किया है। प्रतापपुर, खटीमा निवासी शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि 22 नवंबर को मेला देखने के लिए चीकाघाट आया था। यहां सड़क किनारें बाइक खड़ी कर वह मेला देखने चला गया। शाम को जब वापस लौटा तो उस जगह पर बाइक नहीं मिली। वहीं, मामले में पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

पेपर मिल मालिक पर मजदूरी रोकने का आरोप

बाजपुर : पेपर मिल मालिक पर मजदूरी रोकने का आरोप लगाते हुए एक कर्मचारी ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ग्राम मुड़िया कलां निवासी खलील अहमद पुत्र जमीर अहमद ने पुलिस को बताया कि वह पिछले करीब दो वर्षों से पेपर मिल में कार्यरत था, लेकिन पिछले दो माह से उसकी सैलरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। खलील अहमद ने आरोप लगाया कि पेपर मिल के मालिक ने उसका वेतन रोक रखा है, जबकि अन्य कर्मचारियों को उनकी सैलरी पहले ही दे दी गई है। कई बार मांग करने के बाद भी उसे वेतन नहीं दिया गया, जिससे उसे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सघन चेकिंग की, 6 लोग हिरासत में

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: उत्तराखंड में अपराधियों की आवाजाही को रोकने और उन पर नकेल कसने के उद्देश्य से, किच्छा कोतवाली और पुलभट्टा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात नगर में सघन चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशों पर, पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया, जिसका जायजा एसपी उत्तम सिंह नेगी ने भी लिया।

अभियान के दौरान पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, डीडी चौक और एमपी चौक सहित मुख्य चौराहों और रैन बसेरों में नाकाबंदी की। सैकड़ों लोगों की गहनता से तलाशी ली गई और दर्जनों वाहनों को रोककर दस्तावेजों की जांच की गई। रात्रि में आई यात्री ट्रेन की भी जांच की गई। चेकिंग के दौरान, खुद को राजस्थान निवासी बता रहे छह संदिग्ध लोगों को पहचान पत्र और यात्रा के संबंध में संतोषजनक जवाब न दे पाने के कारण पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। उन्हें कोतवाली भेज दिया गया, जहां आवश्यक पूछताछ और दिशा निर्देशों के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। सीओ धोनी ने जनता से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान अपने पहचान संबंधी दस्तावेज साथ रखें और किसी भी संदिग्ध वस्तु को साथ न रखें। पुलिस ने लोगों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने का आह्वान किया है।

किच्छा में देर रात्रि जांच करते सीओ भूपेंद्र सिंह एवं पुलिस टीम। ● अमृत विचार

सामान व वाहन किया जब्त, गंगापुर रोड पर लालच देकर लोगों को लूट रहा था कारोबारी

लॉटरी के नाम पर ठगने वाले कारोबारी को धरा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गंगापुर रोड पर लॉटरी का लालच देकर लोगों के साथ ठगी कर रहे एक कारोबारी को महापौर विकास शर्मा ने सबक सिखाते हुए उसका सामान और वाहन जब्त कर लिया। साथ ही नगर निगम के अधिकारियों को शहर में अन्य स्थानों पर भी इस तरह का कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार की सुबह महापौर अपने घर से बाजार की ओर जा रहे थे। इस बीच गंगापुर रोड पर नीलकंठ धाम के सामने सड़क किनारे लगाई गई एक फड़ के पास भीड़ देखकर वह रुक गये। वहां मौजूद लोगों ने महापौर को बताया कि लॉटरी के नाम पर भोले-भाले लोगों से ठगी की जा रही है। इसी बीच शकुंतला नाम की महिला ने बताया कि फड़ लगाने वाले ने उसे इलेक्ट्रॉनिक आइटम का लालच देकर अपने पास बुलाया और 100 रुपये में कूपन लेने को मजबूर किया। कूपन लेने के बाद उसे बताया गया कि लॉटरी में 1850 रुपये का इंडक्शन कुकर निकला है, लेकिन उसे देने के बदले अतिरिक्त रुपये और मांगे जा रहे थे। भीड़ में मौजूद अन्य लोगों ने भी इसी तरह की शिकायतें कीं। यह सब सुनकर महापौर का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने तुरंत नगर निगम टीम को मौके पर बुलाकर आरोपी का पूरा सामान और वाहन जब्त कर निगम कार्यालय भिजवा दिया। इसके साथ ही पीड़ित लोगों को मौके पर ही उनके पैसे वापस भी दिलवाए। पूछताछ के दौरान कारोबारी ने अपना नाम रहीस अहमद बताया। महापौर ने उसकी गतिविधियों की जांच कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही उसे कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कहा कि भविष्य में इस तरह की हरकत दोबारा की गयी तो कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने निगम अधिकारियों को शहर के अन्य हिस्सों विशेषकर व्यस्त मार्गों में भी इस तरह सड़कों पर अवैध फड़ लगाकर कारोबार करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेताया कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ तत्काल जब्ती और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कारोबारी से जानकारी लेते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

समागम में शहीदी गुरुपर्व को समर्पित गुरुवाणी का यशगान किया

ग्राम शिकारपुर में गुरु मान्यो ग्रंथ समागम श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न, दिल्ली, पंजाब, उत्तर-प्रदेश व उत्तराखंड से पहुंचे प्रचारक, संगत निहाल

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम शिकारपुर में गुरु मान्यो ग्रंथ समागम श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। दिल्ली, पंजाब, उत्तर-प्रदेश व उत्तराखंड से पहुंचे प्रचारकों ने गुरुवाणी का यशगान करते हुए सिख पंथ के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी गुरुपर्व को समर्पित गुरुवाणी का यशगान किया गया।

दोराहा बाजपुर के निकट ग्राम शिकारपुर क्षेत्र में स्थित सिंह मिनरल्स स्टोन क्रशर परिसर में अखंड पाठ साहिब के भोग के उपरांत दीवान सजाया गया। समागम में शिरकत करने पहुंचे सिख पंत के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान स्थित पर स्थापित गुरुद्वारा शीशगंज साहिब दिल्ली के मुख्य ग्रंथी, कथावाचक भाई हरनाम सिंह खालसा ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी तथा उनके साथ शहीद हुए मतीदास जी, सतीदास जी और भाई दयाला जी के जीवन, त्याग एवं हिंदुओं की रक्षा हेतु दिए गए अद्वितीय बलिदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसी क्रम में भाई अमरजीत सिंह गालिब खुर्द के रागी जत्थे ने बताया कि किस प्रकार गुरु साहिब का पवित्र शीश शहीदी स्थल से आनंदपुर साहिब ले जाया गया। वहीं कुलदीप सिंह के रागी जत्थे द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्म ज्ञानी बाबा बुड्ढा साहिब ग्रंथी सभा के पूर्व अध्यक्ष सुरजीत सिंह ने किया। इस मौके पर सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो, उत्तरांचल पंजाबी महासभा के ब्लाक अध्यक्ष सतनाम सिंह रंधावा, जसवीर सिंह काहलो, अभिषेक अग्रवाल, जसवीर सिंह संधू, हरमंदिर सिंह बराड़, विकास भारती स्कूल अध्यक्ष चौधरी संसार सिंह, गुरुद्वारा सिंह सभा बाजपुर के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा, मंगा सिंह, अजीत सिंह मनचंदा, अमरीक सिंह मनचंदा, महेंद्र पाल सिंह, बल्देव सिंह नामधारी, सतनाम सिंह बेदी, ग्राम प्रधान हरमीत सिंह बड़ैच, सुखविंदर सिंह रंधावा सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

बाजपुर में समागम के पश्चात श्रद्धाभाव से श्री गुरु ग्रंथ साहिब को पुष्प वर्षा के बीच निज स्थान पर ले जाती संगत। ● अमृत विचार

समागम में गुरुवाणी का रसपान करती संगत। ● अमृत विचार

इन्हें किया सम्मानित

बाजपुर : गुरु मान्यो समागम में पहुंचे संत महात्माओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं को समागम के आयोजकों की ओर से सम्मानित किया गया। जिसमें हरवीर सिंह गिल, कुलवीर सिंह गिल, मनमीत सिंह, प्रीतपाल सिंह आदि ने संत बाबा प्रताप सिंह, निर्मल सिंह गोरखा, बाबा मोहन सिंह, ब्रह्मज्ञानी ग्रंथी सभा के पूर्व अध्यक्ष सुरजीत सिंह, भाई अमरजीत सिंह, हरनाम सिंह खालसा, जीवन सिंह, सुच्चा सिंह, कुलदीप सिंह, कमलदीप सिंह, रोशन सिंह, अवतार सिंह, रंजीत सिंह, तारा सिंह, जसविंदर सिंह सहित गुरु घर के वजीरों आदि को सिरोपाओ देकर सम्मानित किया गया।

गुरु ग्रंथ साहिब पर हुई सामूहिक पुष्प वर्षा

बाजपुर : समागम के दौरान जैसे ही पंजाब से आए भाई अमरजीत सिंह गालिब खुर्द के रागी जत्थे ने गुरु साहिब के सम्मान में शब्द गायन-राखा धर्म दा जगत बिच आ गया धर्म बचोन दे लई ... शुरू किया कि श्रद्धालुओं द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष पुष्प वर्षा कर समागम की सफलता के लिए गुरु साहिब का आभार व्यक्त किया। इस दौरान श्रद्धालुओं की भावना देखते ही बन रही थी। वहीं जब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज को विधिविधान से निज स्थानों पर ले जाया जा रहा था तो इस बीच जो बोले सो निहाल, सतश्रीअकाल के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया।

भाई अमरजीत सिंह गालिब खुर्द के जत्थे को सम्मानित करते हरवीर सिंह गिल।

लंबी बीमारी से एक वर्षीय हाथी की मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

- संजय वन टांडा वन रेंज का है मामला, डॉक्टरों की टीम ने किया पोस्टमार्टम

अमृत विचार: संजय वन टांडा वन रेंज इलाके में करीब एक वर्षीय हाथी की लंबी बीमारी से मौत होने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही वन विभाग और डॉक्टरों की टीम ने मौका मुआयना किया और पोस्टमार्टम कर हाथी को दफन किया।

जनवरी 2025 में वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर एक माह के हाथी के बच्चे को संजय वन स्थित बाड़े में रखा था। उस वक्त हाथी का बच्चा घायल था और उसके जबड़े में गंभीर चोट और इन्फेक्शन हो चुका था। जिसका उपचार भी चल रहा था। नौ माह तक चले उपचार के बाद भी हाथी का बच्चा भोजन नहीं कर पा रहा था।

जिस कारण वह पिछले कई समय से बीमारी से जूझ रहा था। मंगलवार की देर रात्रि अचानक राजा की मौत हो गई। सूचना मिलते ही बुधवार की सुबह डीएफओ यूसी तिवारी, एसडीओ शशि देव, रेंजर रूप नारायण गौतम, डिप्टी रेंजर वीरेंद्र परिहार के अलावा डॉक्टर की टीम मौके पर पहुंची और पोस्टमार्टम करने के बाद शव को दफन कर दिया।

पुरानी रंजिश को लेकर दो युवकों के साथ मारपीट

बाजपुर: इटव्वा चौराहा क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दो युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ग्राम इटव्वा निवासी गुरजंट सिंह पुत्र रतन सिंह ने पुलिस चौकी बन्नाखेड़ा में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह दो दिसंबर की सायं करीब छह बजे अपने साथी संदीप सिंह के साथ इटव्वा चौराहा स्थित डेयरी से दूध लेने गया था। आरोप है कि इसी बीच गांव के ही चार-पांच युवकों ने उन्हें घेर लिया और पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपित आक्रामक हो गए और लाठी-डंडों, लात-घूंसों से बेरहमी से हमला किया, जिसमें दोनों के चोटें आई हैं।

10.69 लाख गबन के दोषियों को दो वर्ष कारावास

- साधन सहकारिता समिति में हुआ था गबन, अपीलीय सुनवाई के दौरान सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वर्ष 2011 में साधन सहकारी समिति फौजी मटकोटा में हुए 10.69 लाख गबन प्रकरण की अपीलीय सुनवाई करते हुए द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने गबन प्रकरण के दोषियों को दो वर्ष का सश्रम कारावास और दस हजार रुपये का अर्थदंड देने का आदेश दिया है।

एडीजीसी फौजदारी अनिल सिंह ने बताया कि जिला सहायक निबंधक सहकारी समिति के आदेश पर एक जांच हुई। जिसके बाद सहायक विकास अधिकारी सहकारिता सुभाष चंद्र गहतोड़ी ने 13 मई 2011 को मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि साधन सहकारी समिति फौजी मटकोटा में तैनात रहे महावीर सिंह चौहान और मिनी बैंक प्रभारी महेंद्र कुमार सक्सेना द्वारा 10.69 लाख का गबन किया है। इस प्रकरण को लेकर अभियुक्तों द्वारा वर्ष 2019 में पुनः द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मीना देऊपा की अदालत में अपीलीय याचिका दायर की। जहां एडीजीसी ने अदालत के सामने गबन के साक्ष्य भी पेश किए। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने धारा 409 में दोषमुक्त करते हुए धारा 406 में दोषी महावीर सिंह चौहान और महेंद्र कुमार सक्सेना को दो वर्ष का सश्रम कारावास और दस हजार रुपये अर्थदंड देने की सजा सुनाई है।

चेक बाउंस के मामले में आरोपी को छह माह की सजा

काशीपुर : चेक बाउंस के एक मामले में अदालत ने आरोपी को छह माह की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 5.60 लाख रुपये का जुर्माना भी डाला है। मोहल्ला टांडा उज्जैन निवासी पूजा चौधरी ने अपने अधिवक्ता धर्मेंद्र तुली के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में परिवाद दायर किया था कि उसने अपना एक मकान सन् 2021 में बेचा था। आरोपी भारत सिंह के साथ उनके पारिवारिक संबंध थे। भारत ने रुपयों की सख्त जरूरत बताते हुए उनसे पांच लाख रुपये उधार ले लिए। यह रकम उसने तीन माह में लौटाने का वायदा किया। लेकिन उसने रकम वापस नहीं की। तकादा करने पर आरोपी ने उन्हें 21 अप्रैल 2022 को अपने बैंक पंजाब नेशनल बैंक शाखा रामनगर रोड, काशीपुर के अपने खाते का पांच लाख का चेक दिया। जो बैंक में प्रस्तुत करने पर बाउंस हो गया। परिवाद पर सुनवाई कर अदालत ने आरोपी को कोर्ट में तलब किया। परिवादी की ओर से पैरवी अधिवक्ता धर्मेंद्र तुली ने की। संबंधित पक्षों को सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए अदालत ने आरोपी भारत सिंह को एनआई एक्ट का दोषी पाया। न्यायिक मजिस्ट्रेट विनीत कुमार श्रीवास्तव ने आरोपी भारत सिंह को छह माह की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 5.60 लाख रुपए का अर्थदंड भी डाला है।

आक्रोश

पूर्व विधायक ठुकराल ने उठाया मुद्दा, मुकदमा दर्ज नहीं होने पर भड़के लोग

सचिन मौत प्रकरण को लेकर एसएसपी आवास पहुंचे लोग

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सचिन मौत प्रकरण में मुकदमा दर्ज नहीं होने पर भड़के लोगों ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के साथ मंगलवार देर शाम एसएसपी आवास कार्यालय पहुंचे और एसएसपी को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में परिजनों ने बताया कि सचिन बाजपुर स्थित एक शादी समारोह में गया था। कुछ युवकों से मामूली विवाद के बाद सचिन को छत से धक्का देकर नीचे गिरा दिया था। बावजूद बाजपुर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आगाह किया कि यदि पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा। वहीं पूर्व विधायक ठुकराल ने बताया कि 23 नवंबर की रात्रि को वार्ड-24 निवासी सचिन रिश्तेदार की शादी में टोपा कॉलोनी बाजपुर गया था। रात्रि 12 बजे दुल्हन पक्ष के लोगों ने बारातियों से हाथापाई शुरू कर दी थी और जब सचिन ने बीच बचाव का प्रयास किया तो कुर्सियां व टेबल फेंककर हमला बोल दिया। इसी हमले में सचिन छत से नीचे गिरकर घायल हो गया। आरोप था कि नीचे गिरने के बाद भी कुछ युवकों ने उसके ऊपर ईंट पत्थर से भी हमला बोल दिया। इससे सचिन गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को रुद्रपुर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां 28 नवंबर को उपचार के दौरान 20 वर्षीय सचिन ने दम तोड़ दिया। प्रकरण की शिकायत बाजपुर पुलिस से भी की, लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने एसएसपी को संबोधित ज्ञापन देते हुए आगाह किया कि यदि जल्द ही पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

एसएसपी आवास कार्यालय पर पहुंचे पूर्व विधायक ठुकराल व लोग। ● अमृत विचार

कर्मी का खाता खोलकर 6.75 लाख का गबन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किच्छा कोतवाली इलाके में महिला वर्कर का खाता खोलकर लाखों रुपये गबन किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया।

जानकारी के अनुसार वार्ड-आठ शास्त्री मार्केट किच्छा निवासी हुमा खानम ने बताया कि वर्ष 2023 में वह सिरौली कला स्थित सोसाइटी में ट्रेनर के पद पर कार्यरत थी। सोसाइटी का प्रमुख भी गांव का ही था। बताया कि उसकी सैलरी 12 हजार रुपये है और दूसरे बैंक में खाता खुलवाया जाएगा। कहने के मुताबिक खाता खुलवाया और खाते में 10 हजार ही आते रहे।

पूछने पर बताया कि दो हजार रुपये भविष्य के लिए सोसायटी काट लेती है और समय समय पर वेतनमान भी बढ़ती है। जुलाई 2025 में जब खाते की डिटेल निकाली तो पता चला कि उसके खाते में 10 हजार नहीं, बल्कि प्रतिमाह 28 हजार रुपये आते हैं। पता चला कि कार्यकाल के दौरान महज एक खाते से ही आरोपी ने 6.75 लाख का गबन किया और महिला कर्मियों को गुमराह करता रहा। पीड़िता ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की।

एजुकेशन वीजा के नाम पर हड़पे 4.30 लाख रुपये

रुद्रपुर : थाना गदरपुर इलाके रहने वाले एक शिकायतकर्ता द्वारा कबूतरबाजों पर बेटे को एजुकेशन वीजा बनाने का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। एसएसपी को पत्र लिखने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव खुशालपुर सकैनिया निवासी वचन सिंह ने बताया कि वह अपने बेटे को उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड भेजना चाहता था। जिसको लेकर उसने रामपुर यूपी निवासी दो व्यक्तियों से संपर्क किया। जहां उन्होंने आश्वासन दिया कि 16 लाख स्टडी वीजा का खर्च बताया। जिसके बाद आरोपियों को चार लाख नगद और 30 हजार रुपये पेटीएम किया था। कई दिनों बाद भी कोई कॉल नहीं आई तो रकम वापस करने का तगादा किया तो आरोपी टालमटोल कर धमकाने लगे। बताया कि थाना गदरपुर में तहरीर देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ता ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश समृद्ध होगा: मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया लोहियाहेड मैदान में कृषि गोष्ठी एवं कृषि प्रदर्शनी का शुभारंभ, उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाएंगे

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड राज्य जयंती के अवसर पर जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि पंतनगर द्वारा लोहियाहेड मैदान में लगायी गयी कृषि गोष्ठी एवं कृषि प्रदर्शनी का वुधवार को शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि, किसान और सरकार मिलकर उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। किसान मजबूत होगा तो हमारा देश-प्रदेश मजबूत व समृद्ध होगा। कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय हरित क्रांति की जन्मस्थली है। पंतनगर विश्वविद्यालय लगातार कृषि के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान कर रहा है। उन्होंने किसानों से कहा कि सभी किसान कृषि में उन्नत बीजों व तकनीक का उपयोग कर उत्पादन बढ़ाकर अपनी आर्थिकी को मजबूत करें। हमारी सरकार किसानों और सैनिकों की सरकार है। किसानों को जो भी समस्याएं आएंगी, उनका प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा। केंद्र और प्रदेश सरकार हमेशा किसानों के साथ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने एवं आर्थिकी मजबूत करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार कृषक कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं। कृषक बन्धु इन सभी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कृषकों से कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन, शहद उत्पादन, रेशम आदि उत्पादन करने की भी अपील की। कहा कि राज्य के इतिहास मे पहली बार हमारी सरकार ने गन्ना किसानों की आय को बढ़ाने के लिए 30 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना मूल्य में वृद्धि की है। उन्होंने किसानों से गन्ने का रकबा बढ़ाकर गन्ने का अधिक से अधिक उत्पादन करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को प्रदेश में अनवरत रुप से संचालित किया जाएगा। प्रदर्शनी में पंतनगर विश्वविद्यालय, कृषि विभाग के साथ ही अन्य विभागों के द्वारा लगाए गए स्टॉल सीमांत क्षेत्रों के किसानों को उन्नत कृषि करने एवं उनको लाभान्वित करने के लिए आयोजित किए गए है।

मुख्यमंत्री ने रीप परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओ को छह ई-रिक्शा, कृषि विभाग के दो प्रगतिशील किसानों को 49,750 रुपये के अनुदान चेक, एक हजार किसानों को कृषक किट के सापेक्ष सांकेतिक रूप से पांच किसानों को किट प्रदान की। इस अवसर पर महापौर दीपक बाली, अध्यक्ष नगर पालिका खटीमा रमेश चंद्र जोशी, नानकमत्ता प्रेम सिंह टूरना, पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, दान सिंह रावत, राजपाल सिंह, कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, डीएम नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, वीसी जयकिशन, सीडीओ दिवेश शाशनी, बीएस चलाल, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसपी सिटी डॉ. उत्तम सिंह नेगी, एसडीएम तुषार सैनी मौजूद रहे।

जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि पंतनगर द्वारा लोहियाहेड मैदान में लगायी गयी कृषि प्रदर्शनी का शुभारम्भ करते मुख्यमंत्री धामी।

प्रदर्शनी के दौरान गन्ने का स्वाद लेते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

उत्तराखंड बना पड़ोसी राज्यों से ज्यादा गन्ना मूल्य देने वाला राज्य

खटीमा: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को खटीमा दौरे पर रहे। इस दौरान क्षेत्र के किसानों ने गन्ना समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय बढ़ोतरी किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके निर्णय के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड सरकार ने हाल ही में गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है। अब शीघ्र प्रजाति वाले गन्ने का समर्थन मूल्य 375 रुपये से बढ़कर 405 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। सामान्य प्रजाति वाले गन्ने का समर्थन मूल्य 365 रुपये से बढ़कर 395 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इस निर्णय के बाद उत्तराखंड अब पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से भी अधिक गन्ना समर्थन मूल्य देने वाला राज्य बन गया है, जो गन्ना किसानों के लिए एक बड़ी राहत है। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने मुख्यमंत्री को गन्ना, तथा पर्वतीय क्षेत्रों की पारंपरिक कृषि उपज-गडेरी, माल्टा, अदरक और शहद से भरी विशेष टोकरी भेंट की। मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने वालों में राज्य किसान मोर्चा के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट, संदीप कुकसाल, हरीश सुनाल, नरेंद्र मेहरा, सोबन सिंह, भैरव खोलिया, रवीन्द्र रैकुनी, आनंदमणि भट्ट सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

सीएम ने सुनीं जनता की समस्याएं

खटीमा: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का लोहियाहेड हेलीपैड पर कृषकों, जनप्रतिनिधियों व जनता ने स्वागत किया। हेलीपैड पर किसानों ने सरकार द्वारा गन्ना मूल्य बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री को गन्ना, तलवार देकर, पगड़ी पहनाकर, फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गन्ने का स्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने हेलीपैड पर जनता से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

सिटी ब्रीफ

प्रेम विवाह के डेढ़ साल बाद विवाहिता ने लगाई फांसी

किच्छा: कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रजपुरा में प्रेम विवाह के लगभग डेढ़ वर्ष बाद एक युवती की फांसी पर लटकने से मौत हो गई। मृतका की पहचान काजल के रूप में हुई है, जिसने डेढ़ साल पहले गांव के प्रताप से प्रेम विवाह किया था। मृतका की मां वासो देवी ने पुलिस को दी शिकायत में दामाद प्रताप पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि विवाह के बाद प्रताप शराब पीकर काजल से मारपीट करता था और उसे मानसिक तथा शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। शिकायतकर्ता ने बताया कि 26 नवंबर को विवाद होने पर काजल मायके आई थी। उसी दिन शाम को प्रताप जबरन दीवार कूदकर मायके में घुसा, काजल से मारपीट की और उसे अपने साथ घर ले गया। शाम करीब 6 बजे परिजनों को काजल की फांसी लगाने से मौत की सूचना मिली। पुलिस ने मृतका की मां की शिकायत पर आरोपी पति प्रताप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है।

टी रेड्डी लक्ष्मी ने कुचिपुड़ी नृत्य का किया प्रदर्शन

काशीपुर: आर्मी पब्लिक स्कूल हेमपुर में स्पिकमैके के सौजन्य से सुप्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यांगना टी रेड्डी लक्ष्मी ने कुचिपुड़ी नृत्य द्वारा महिषासुरमर्दन का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन और स्थानीय आर्मी स्टेशन के कमांडेंट ब्रिगेडियर सुखवीर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर गायन में जयन कोट्टाकल, वायलिन पर पर सौम्या कन्नान तथा मृदंग पर गोकुल ने साथ दिया।

काशीपुर मीडिया सेंटर के दो पत्रकारों को दी श्रद्धांजलि

काशीपुर: काशीपुर मीडिया सेंटर के दो पत्रकारों स्व. अनिरुद्ध निझावन एवं स्व. अज़ीम खान को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित पत्रकारों ने दोनों दिवंगत आत्माओं के कार्य, समाज के प्रति उनके योगदान और पत्रकारिता में उनके समर्पण को याद करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया।

रेलवे कर्मचारियों की समस्याओं पर की चर्चा

काशीपुर: मान्यता प्राप्त यूनियन एनई रेलवे मेंस कांग्रेस के पदाधिकारियों ने काशीपुर उपमंडल के सहायक मंडल इंजीनियर प्रभात कुमार के साथ बैठक की। इसमें रेलवे कर्मियों के आवासों की मरम्मत कराने की मांग की है। बैठक में भाग लेने वाले यूनियन प्रतिनिधि नरेश कुमार शाखा अध्यक्ष, सुमित कुमार शाखा मंत्री, नवनीत कुमार शाखा उपाध्यक्ष, नितिन कुमार शाखा उपाध्यक्ष, अजीत कुमार सहायक मंत्री, राहुल जैन संयुक्त मंत्री और उपदेश कुमार आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर दी छात्रों को जानकारी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगजनों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की सरकारी सुविधाओं की जानकारी दी गई।

उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में बुधवार को उत्तराखंड राज्य सेवा विधिक प्राधिकरण नैनीताल के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधमसिंह नगर द्वारा अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि तहसील विधिक सेवा समिति सचिव मजिस्ट्रेट सृष्टि वनियाल और प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि मजिस्ट्रेट वनियाल ने कहा कि शारीरिक अपंगता वाले व्यक्ति में कुछ न कुछ विशिष्ट क्षमताएं अवश्य पाई जाती हैं। जिससे वह विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशेष पहचान बनाए रखने में सक्षम हैं। पैनल एडवोकेट सोनल सिंघल, पीएलवी गायत्री गुप्ता, हेमा रानी, सरोज ठाकुर समेत सदस्यों ने दिव्यांगजनों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की सरकारी सुविधाओं जैसे पेंशन, सरकारी नौकरियों में आरक्षण, विद्यालयों में छात्रवृत्तियां, शुल्क माफी समेत विभिन्न प्रकार के सरकारी प्रमाण-पत्रों को बनाए जाने को लेकर छात्रों को जानकारी दी। वहीं कटोरातल चौकी प्रभारी कौशल भाकुनी ने समाज में व्याप्त नशे से दूर रहने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया। संचालन मनोज कुमार विश्नोई ने किया।वहां पर मेजर मुनीशकांत शर्मा, रोशन लाल वर्मा, महेश चंद्र आर्या, सुनील कुमार, रणधीर सिंह, कौशलेश गुप्ता, दीपक शर्मा, रमेश कुमार पाण्डेय, अनिल कुमार सिंह, मुकेश आर्या, मनोज विश्नोई, अमित वर्मा आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में छात्रों को जानकारी देतीं मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

दिव्यांगों के लिए चलाई जा रहीं योजनाओं की जानकारी दी

काशीपुर: अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर चामुंडा विहार काशीपुर स्थित अनमोल फाउंडेशन दिव्यांग बाल गृह में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर सचिव योगेंद्र सागर द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए चलाई जा रही नालसा स्कीम 2025, दिव्यांगों के अधिकारों के लिए बने कानून और निशुल्क दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी और सभी दिव्यांग बच्चों को पुरस्कृत किया। वहां पर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मीनाक्षी चौहान, बीईओ धीरेंद्र साहू, डॉ. ईश्वर चंद्र अग्रवाल, डॉ. नम्रता अग्रवाल, राम सिंह आदि मौजूद रहे।

खटीमा में नवनीत सिंह को सम्मानित करते विधायक कापड़ी और अन्य।

विधायक कापड़ी ने किया नवनीत को सम्मानित

खटीमा: देहरादून में आयोजित दो दिवसीय एथलेटिक चैंपियनशिप में भाला फेंक, लंबी कूद और ट्रिपल जंप में स्वर्ण पदक जीतने वाले भगचुरी के नवनीत सिंह पुत्र दलजीत सिंह का विधायक भुवन कापड़ी ने साल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मान सिंह, विनोद चंद, जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस नरेंद्र आर्या, नीरज सिंह कन्याल, छोटेलाल यादव, ग्राम प्रधान मंजीत सिंह, नवदीप संधू, प्रमोद कुमार, बंटी कुमार, अखिलेश मौर्य, जगरूप सिंह, बलदेव सिद्धू आदि उपस्थित रहे।

यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2025 प्राप्त करतीं दिव्या पंत। ● अमृत विचार

खटीमा की दिव्या यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित

खटीमा: कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शोध छात्रा दिव्या पंत को देहरादून में राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद(यूकॉस्ट) ने यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2025 से सम्मानित किया है। दिव्या विकास खंड के चकरपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फार्मेसी अधिकारी के पद पर कार्यरत डॉ. जगदीश पंत 'कुमुद' की बेटी है। दिव्या पंत को उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद(यूकॉस्ट) ने यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2025 प्रदान किया है। दिव्या कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शोध छात्रा है। यूकॉस्ट द्वारा देहरादून के ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी में 28 से 30 नवंबर तक आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस में दिव्या पंत ने अपनी एडवाइजर डॉ. लक्ष्मी तिवारी के मार्गदर्शन में कुमाऊं क्षेत्र के पर्वतीय इलाकों से प्राप्त रायजोस्पेरियम की जैव नियंत्रण क्षमता व प्रभाव पर अपने शोध कार्य की प्रस्तुति दी। जिसके आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा उन्हें यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2025 के लिए चयनित कर अवार्ड प्रदान किया गया। दिव्या की इस उपलब्धि पर डॉ. लक्ष्मी तिवारी, डॉ. अजयवीर सिंह, डॉ. सिद्धेश्वर सिंह, डॉ. रूपचंद शास्त्री, शैल कुमारी, नरेंद्र रौतेला, निर्मल न्योलिया आदि ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दिव्यांग दिवस पर शिविर का आयोजन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर के तत्वावधान में उपजिला चिकित्सालय बाजपुर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशानुसार किया गया, जिसमें शिविर की अध्यक्षता सीएमएस डॉ. पीडी गुप्ता ने की।

शिविर में पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं, 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत तथा राष्ट्रीय नालसा हेल्पलाइन नंबर-15100 के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्थिक, सामाजिक या मानसिक दृष्टि से कमजोर वर्ग के लोगों को न्याय दिलाने हेतु प्राधिकरण निरंतर कार्यरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ.पीडी गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। डा.महेंद्र जायसवाल ने कहा कि विश्व दिव्यांग दिवस सामाजिक समावेशिता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस मौके पर डा.रविंद्र साहू, निशा परवीन, कमलेश, कमला, हरि सिंह, मनमोहन सिंह, विमला, नारायण सिंह आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में कार्यक्रम को संबोधित करते सीएमएस डॉ. पीडी गुप्ता। ● अमृत विचार

विधिक शिविर में जागरूक किया

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों व कानूनी जानकारी के बारे में जागरूक करने के लिए एएनएम सेंटर भुड़ा किशनी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

मंच की अध्यक्षता सीएचओ राधा और मंच का संचालन प्रभु दयाल ने किया। अधिवक्ता आरती राणा ने कानून की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विकलांग व्यक्तियों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के अधिकार , सरकारी नौकरियों में विकलांग व्यक्तियों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षित सीटें, व विकलांग बच्चों को 18 वर्ष तक मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाती है। विकलांग व्यक्तियों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। विकलांग व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन और अन्य लाभ प्रदान किए जाते हैं। सार्वजनिक स्थानों, परिवहन और सरकारी कार्यालयों में विकलांग व्यक्तियों के लिए सुलभता सुनिश्चित की जाती है। विकलांग व्यक्तियों को कानूनी सहायता प्रदान की जाती है ताकि वे अपने अधिकारों का दावा कर सकें। विकलांग व्यक्तियों को विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किया जाता है जो उन्हें विभिन्न लाभों के लिए पात्र बनाता है। इस अवसर पर मंजू बिष्ट, कमला देवी, रेखा, महेश्वरी राना एएनएम, अधिवक्ता आरती राणा व दर्जनों महिलाएं उपस्थित थीं।

खटीमा में आयोजित विधिक शिविर में प्रमाण पत्रों के साथ महिलाएं।

समस्या ग्राम धनसारा में फार्म को जाने वाली सड़क का मामला

सड़क पर कूड़ा-कचरा डालने से लोग परेशान

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम धनसारा में फार्म को जाने वाली सड़क पर अवैध रूप से डाले जा रहे कूड़े-कचरे ने स्थानीय निवासियों और फार्म संचालक को भारी परेशानी में डाल दिया है।

कुछ ग्रामीणों द्वारा सड़क पर लगातार कूड़ा फेंके जाने से मार्ग न केवल क्षतिग्रस्त हो गया है, बल्कि आवागमन भी प्रभावित होने लगा है। बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक विकट हो जाती है। सड़क पर बहने वाला गंदा पानी मार्ग को दलदल में बदल देता है, जिससे लोगों को पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बदबू और गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। फार्म स्वामी मोहित अग्रवाल ने इस गंभीर समस्या को लेकर उपजिलाधिकारी डॉ.अमृता शर्मा एवं खंडविकास अधिकारी शेखर जोशी से शिकायती प्रार्थना पत्र सौंपा है। उन्होंने मांग की है कि सड़क से कूड़ा हटवाया जाए और ग्रामीणों को खुले में कूड़ा फैलाने से रोका जाए। उनका कहना है कि सड़क पर कूड़ा फैलने से न सिर्फ आवागमन बाधित हो रहा है, बल्कि क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था भी चरमराने लगी है। ग्रामीणों द्वारा कूड़ा सड़क पर फैला देने से जहां पूरे क्षेत्र में गंदगी का माहौल बन रहा है, वहीं यह भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान की भी खुली अवहेलना है। स्थानीय निवासियों ने संबंधित विभागों से जल्द हस्तक्षेप कर सड़क को कूड़ा मुक्त कराने और स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

बाजपुर में रोड पर इस तरह पड़ा है कूड़ा। ● अमृत विचार

बार एसोसिएशन ने मनाया अधिवक्ता दिवस

काशीपुर: काशीपुर बार एसोसिएशन द्वारा अधिवक्ता दिवस मनाया गया। बुधवार को बार एसोसिएशन सभागार में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की जयंती अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाई जाती है। अधिवक्ता दिवस के अवसर पर हम सब अधिवक्ता संकल्प लें कि हम हमेशा समाज की भलाई के लिए तथा न्याय के लिए कार्य करेंगे। अध्यक्षता एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनूप शर्मा तथा संचालन उप सचिव सूरज कुमार ने किया। वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश जोशी, वीरेंद्र चौहान और इंदर सिंह, भास्कर त्यागी मौजूद रहे।

पीएनबी का किया शैक्षणिक भ्रमण

पंजाब नेशनल बैंक का शैक्षिक भ्रमण करते छात्र एवं शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: पीएमश्री जीआईसी सितारगंज के छात्रों ने पीएनबी बैंक का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने बच्चों को बैंकिंग की आधुनिक तकनीक, ऑनलाइन लेन-देन, निवेश शिक्षा और डिजिटल कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।

बुधवार को व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत पढ़ाए जाने वाले आईटी, कंप्यूटर विषयों के तहत छात्रों ने पंजाब नेशनल बैंक का शैक्षिक भ्रमण किया। बैंक के सीनियर मैनेजर प्रहलाद सिंह राणा ने छात्रों को बैंकिंग की आधुनिक तकनीकों, ऑनलाइन लेन-देन, निवेश शिक्षा तथा डिजिटल कार्यप्रणाली की जानकारी दी। वहीं, को-ऑर्डिनेटर दीपेंद्र नेगी, व्यावसायिक शिक्षक मो. सलमान और सचिन शर्मा ने बताया कि छात्रों ने ऑनलाइन सेवाओं, खाते संचालन, भुगतान प्रणाली तथा डिजिटल निवेश से संबंधित जानकारी दी गई। प्रभारी प्रधानाचार्य शरद चंद्र पंत ने कहा कि छात्रों को नई कंप्यूटर तकनीकों पर आधारित बैंकिंग कार्यों से अवगत कराया गया।

ब्रीफ न्यूज

क्रिकेटर शांतनु का उत्तराखंड की टीम में चयन

अल्मोड़ा : जिले के क्रिकेट खिलाड़ी शांतनु राणा का चयन प्रतिष्ठित अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए उत्तराखंड की 15 सदस्यीय टीम में हुआ है। उनके टीम में लगातार दूसरी बार चयन पर खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है। कोच राजेंद्र राणा ने बताया कि नगर के जाखनदेवी निवासी युवा क्रिकेटर शांतनु ने पिछले वर्ष भी उत्तराखंड की टीम का शानदार प्रतिनिधित्व किया था। शांतनु ने अपनी सफलता का श्रेय कोच राजेंद्र राणा को दिया है। उनकी उपलब्धि पर विधायक मनोज तिवारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या, अरूण बग्याल, हर्ष गोयल, गजेंद्र राणा, गोपाल सिंह जीना, चंदन लटवाल, बिट्टू कर्नाटक, मनोज सिंह पवार, ललित कनवाल ने खुशी जताई।

15 लीटर अवैध शराब के साथ तस्कर दबोचा

दिनेशपुर : थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने स्कूटी से 15 लीटर अवैध शराब ले जा रहे आरोपी नंद गोपाल बाला निवासी वार्ड नंबर- 6 आईटीआई कॉलेज के पास शास्त्रीनगर दिनेशपुर को गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि आरोपी को मंगलवार की शाम को जाफरपुर रोड श्मशान घाट पुलिया से महतोष को जाने वाली रोड पर श्याम वाटिका के निकट से चेकिंग के दौरान पकड़ा गया है।

अल्मोड़ा के चार दिव्यांगों को मिला पुरस्कार

कलेक्ट्रेट में आयोजित समारोह में किया सम्मानित, डीएम ने दिव्यागजनों की समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन दक्ष दिव्यांगजनों को राज्य स्तरीय दिव्यांग पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने दिव्यागजनों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनी। आवश्यकताओं और समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राज्य स्तरीय दिव्यांग दक्षता पुरस्कार के लिए अल्मोड़ा से चार दिव्यांगों का चयन हुआ है। बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित सम्मान समारोह में सौरभ तिवारी, रेखा आर्य तथा हिमांशु रावत को जिलाधिकारी ने सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र तथा प्रत्येक को आठ हजार रुपए की सहायता राशि के चेक वितरित किए। जबकि पुरस्कार के लिए चयनित चौथे चयनित अर्चना जोशी को हल्द्वानी में सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि दिव्यांगजन किसी भी प्रकार से कम नहीं हैं, बल्कि अपनी प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के बल पर समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वालों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक है, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज से अपील की कि दिव्यांगजनों को अधिक से अधिक अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि वे अपनी क्षमताओं का उपयोग कर मुख्यधारा में सक्रिय योगदान दे सकें। कार्यक्रम में विभिन्न प्रभारी डीएसडब्ल्यूओ पीतांबर प्रसाद, अपर डीएसडब्ल्यूओ शैलेंद्र पांडे समेत दिव्यांगजन व अन्य मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में दिव्यांगों को सम्मानित करते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

चम्पावत में जिला पत्रकार संगठन ने दिव्यांग दीपक शर्मा को किया सम्मानित।

विश्व दिव्यांग दिवस पर दीपक शर्मा को किया सम्मानित

टनकपुर/ चम्पावत : विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर पाटी ब्लॉक के खरही गांव के 36 वर्षीय दिव्यांग चित्रकार दीपक शर्मा का जिला पत्रकार संगठन ने सम्मान कर हौसला बढ़ाया। दोनों हाथों की अंगुलियां मुड़ी होने के बावजूद दीपक अपनी शानदार पेंटिंग से हर किसी को हैरत में डाल देते हैं। यह दिवस हर साल तीन दिसंबर को दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान और समावेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पत्रकार संगठन के जिलाध्यक्ष चंद्र बल्लभ ओली ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री गिरीश सिंह बिष्ट ने किया। इस मौके पर संरक्षक सीएस जोशी ने दीपक शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट कर तथा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

चम्पावत में रश्मि जोशी को सम्मानित करते दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजन हुए सम्मानित

चम्पावत : विश्व दिव्यांग दिवस पर समाज कल्याण विभाग द्वारा विकास भवन सभागार, चम्पावत में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री श्याम नारायण पांडे ने दिव्यांगजन के उत्साह को बढ़ाया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी ने की। इस अवसर पर जिले भर के सात प्रतिभाशाली व प्रेरणादायी दिव्यांगजन को राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। समारोह में अबरार हुसैन, लक्ष्मी दत्त, रश्मि जोशी, राजेंद्र सिंह और गुणानंद पंत को मान पत्र, प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं पुनीत और आदित्य प्रताप सिंह को हल्द्वानी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी निरंकार मिश्रा ने बताया कि जिले में वर्तमान में 4201 दिव्यांगजन पंजीकृत हैं, जिनमें से 3285 लाभार्थी दिव्यांग पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजनो को 8 हजार रुपये की धनराशि सहित राज्य स्तरीय सम्मान दिया जाता है, जिससे उन्हें समाज में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को निखारने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में राजेंद्र गहतोड़ी, दीपक चंद्र गहतोड़ी, जितेन्द्र चन्द, तारा महरा, जगदीश चंद्र, बृजेश जोशी, हिम्मत सिंह आदि मौजूद रहे।

सिंचाई लाइन के ध्वस्त होने से किसान परेशान

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः लिगुड़ता मंगलता सिंचाई पाइप लाइन पिछले कई वर्षों से जगह-जगह ध्वस्त पड़ी है। जिससे किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर किसानों ने डीएम से मुलाकात कर समस्या के समाधान की मांग उठाई।

दरअसल, जिला पंचायत सदस्य सल्लाभाटकोट, शैलजा चम्याल ने क्षेत्र के किसान लंबे समय सेलिगुड़ता मंगलता सिंचाई पाइप लाइन के ध्वस्त होने से परेशान है। लगभग 8 से 10 गांवों के किसान सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने डीएम को अवगत कराया कि यह सिंचाई योजना तीन से चार वर्ष पूर्व में बनी थी, लेकिन दुर्भाग्य से अब पाइप लाइन पूरी तरह टूट चुकी है। जिस कारण, क्षेत्र में कई एकड़ उपजाऊ भूमि में फसल उगाना अब संभव नहीं रह गया है। यह क्षेत्र उत्तम किस्म की फसल उत्पादन के लिए जाना जाता है, जिसमें लगभग 600-700 खेत शामिल हैं। कुल मिलाकर, लगभग दो किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस कृषि योग्य भूमि पर 8 से 10 गांव के सैकड़ों परिवार अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं।

ग्रामीणों ने खुद किया प्रयास

शासन-प्रशासन से निराश होकर, ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर पहाड़ी में सिंचाई पाइपलाइन को खुद ठीक करने का प्रयास किया। हालांकि, लाइन ठीक तो नहीं हो पाई, बल्कि इसके विपरीत, इस प्रयास में एक व्यक्ति को चोट भी आ गई। सदस्य शैलजा चम्याल ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों को क्षेत्र के किसानों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है।

लिगुड़ता-मंगलता सिंचाई पाइप लाइन लंबे समय से ध्वस्त पड़ी है। ● अमृत विचार

कर्मचारियों पर दबाव बनाने का आरोप

- उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ बैठक में समस्याओं पर चर्चा
- रानीखेत में अभियंताओं पर हुई कार्रवाई पर जताई नाराजगी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की बुधवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में बीते दिनों रानीखेत के अभियंताओं पर हुई कार्रवाई पर विरोध जताया गया। वहीं, उच्चाधिकारियों पर कर्मचारियों पर जबरन दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया।

अल्मोड़ा लोनिवि कार्यालय में आयोजित बैठक में संगठन को सशक्त बनाने, अभियंताओं में जागरूकता बढ़ाने और संगठनात्मक एकता को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। वहीं, इंजीनियरर्स ने संगठनात्मक मजबूती, नियमित सहभागिता बनाए रखने की बात कहते हुए कहा कि अभियंता समाज की आवाज मजबूत होगी तो संगठन अधिक प्रभावी रूप से कार्य करेगा। सदस्यों ने आपसी संवाद, पारदर्शिता और सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। वक्ताओं ने रानीखेत में अभियंताओं के निलंबित पर आक्रोश जताया और आदेश वापस लेने की मांग करते हुए आंदोलन को चेताया। इस मौके पर मंडल महामंत्री कुमाऊं हिमांशु जोशी, हितांशी नैनवाल, प्रदीप कुमार जोशी, केजी गोस्वामी, रीनी पांडे, कैलाश चंद्र, पुनीता रानी, रवींद्र रावत, मनोज नाथ आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा लोनिवि में बुधवार को डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की बैठक में मौजूद लोग।

समूहों से स्वावलंबी हो रही हैं महिलाएं

भीमताल : राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं बैंक सखी, बीसी सखी तथा बीमा सखी के रूप में कार्य कर ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग सुविधाएं दे रही हैं। परियोजना निदेशक चंदा फर्त्याल ने कहा कि नैनीताल में कुल 77 बैंक सखी, 88 बीमा सखी तथा 113 प्रशिक्षित बीसी सखी हैं। कहा कि मंजू बिस्तानिया बीसी सखी हैं जो उज्ज्वला एसएचजी मंगोली भीमताल से हैं। मंजू अपनी आजीविका चलाने में योजना की अहम भूमिका मानती हैं।

नगर निगम पर समस्याओं की अनदेखी का आरोप

- मांगों को लेकर पार्षदों ने दूसरे दिन भी धरना प्रदर्शन किया
- समस्याओं के निराकरण को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः नगर निगम अल्मोड़ा में नगर आयुक्त की नियुक्ति और बंदरों की समस्या से निजात दिलाने की मांग को लेकर पार्षदों का धरना प्रदर्शन जारी है। बुधवार को पार्षदों ने डीएम से मुलाकात कर समस्याओं के निराकरण को लेकर ज्ञापन सौंपा। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

धरना स्थल पर बैठे पार्षदों ने नगर निगम के गठन के बाद अब तक नगर आयुक्त की नियुक्ति नहीं होने पर नाराजगी जताई। कहा कि नगर आयुक्त के नहीं होने से आम जन मानस को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, कहा कि मामले को लेकर कई बार शासन प्रशासन को अवगत कराया गया। लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। इसके अलावा पार्षदों ने बंदरों के बढ़ते आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई। कहा कि निगम के अंतर्गत आज हर वार्ड बंदरों के आतंक का दंश झेल रहा है। इसके बावजूद भी नगर निगम बंदरों को पकड़ने को लिए कोई उचित कदम नहीं उठा रहा है। पार्षदों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो व उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। यहां प्रदर्शन करने और ज्ञापन सौंपने वालों में पार्षद वैभव पांडे, चंचल दुर्गापाल, मधु बिष्ट, तुलसी देवी, अंजू बिष्ट, रीना टम्टा, मुकेश कुमार, भूपेंद्र जोशी, हेम तिवारी, कुलदीप मेर, दीपक कुमार, अनुप भारती, इंतकाम कुरैशी, प्रदीप कुमार, रोहित कार्की, जानकी पांडे, गीता बिष्ट, कमला किरोला, गुंजन चम्याल, इंतिखाब आलम कुरैशी आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा नगर निगम में बुधवार को धरना-प्रदर्शन करते पार्षद। ● अमृत विचार

टीटी व बैडमिंटन ट्रॉफी जीतने पर खिलाड़ी सम्मानित

सवाददाता, रानीखेत

अमृत विचारः ।अमित कुमार, महानिरीक्षक, सशस्त्र सीमा बल, सीमांत रानीखेत के मार्गदर्शन में अंतर सीमांत बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस टूर्नामेंट–2025 मे सीमांत रानीखेत की टीम द्वारा किये गये उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनका सम्मान समारोह सीमांत मुख्यालय आयोजित किया गया।

अंतर सीमांत बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस टूर्नामेंट–2025 का आयोजन दिनांक 25 नवंबर 2025 से 28 नवंबर 2025 तक सीमांत मुख्यालय, सशस्त्र सीमा बल, गुवाहाटी में भव्य रूप से किया गया। इस प्रतियोगिता में सीमांत मुख्यालय, स.सी.ब., रानीखेत की टीम ने आशीष कुमार, कमांडेंट के सक्षम नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में शानदार उपलब्धियाँ हासिल कीं। प्रतियोगिता के दौरान टीम ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन एवं खेल भावना का अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए टेबल टेनिस मे रनर अप की ट्रॉफी के साथ स्वर्ण पदक - 03, रजत पदक - 05, कांस्य पदक - 06 प्राप्त किया तथा बैडमिंटन मे रजत पदक - 02 एवं कांस्य पदक - 12 प्राप्त किया। इस अवसर पर दुर्गा बहादुर सोनार, उप-महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय रानीखेत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में दुर्गा बहादुर सोनार उप महानिरीक्षक, डीबी उप महानिरीक्षक, ओबी सिंह, उपमहानिरीक्षक, देबासीस पाल कमांडेंट, जयंत कुमार शर्मा, कमाडेंट, कुमार सुंदरम, द्वितीय कमान अधिकारी, हरीश चंद्र बिष्ट, उप-कमांडेंट, अनिल कुमार जोशी उप कमांडेंट व अधिकारी व जवान शामिल रहे।।

ट्रॉफी के साथ विजेता खिलाड़ी व अतिथि। ● अमृत विचार

सैनिक सम्मान के साथ अंत्येष्टि

भीमताल : भीमताल निवासी पूर्व सैनिक सुनील थापा की मुंबई में बीमारी के कारण मौत हो गई। सवेरे सुनील थापा का शव भीमताल पहुंचा। खबर मिलते ही उनके भीमताल के गोरखपुर आवास पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। बाद में पूरे सैनिक सम्मान के साथ उनकी अंत्येष्टि रानीबाग घाट में की गई। सुनील थापा पूर्व फौजी थे और वर्तमान में डीएससी में मुंबई में तैनात थे। सुनील थापा अपने पीछे दो बेटी, एक बेटा, पत्नी व मां को रोता बिलखता छोड़ गए हैं। उनके निधन पर पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी, पालिकाध्यक्ष सीमा टम्टा, देवेन्द्र चनौतिया, ब्लाक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट, जिला मंत्री भाजपा मनोज भट्ट आदि ने शोक जताया है।

स्कूल में चलाया नशा मुक्ति अभियान

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य विनीता जोशी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शिक्षक त्रिलोचन जोशी ने नशीले पदार्थो के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए बच्चों के बीडी, सिगरेट, गुटका, शराब, चरस, स्मैक उपयोग से होने वाले शारीरिक, मानसिक और साामाजिक छवि पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने सभी बच्चों से अपने घरेलू संस्कारों में नशीले पदार्थो को परोसकर स्वागत करने की गलत परम्परा को रोकने की प्रेरणा दी। उन्होंने बेटियों से नशा मुक्त उत्तराखंड राज्य बनाने में पहल करने का आह्वान किया।इस अवसर पर 400 छात्राओं सहित शिक्षकों और स्टाफ द्वारा आजीवन नशीले पदार्थों से दूर रहने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली। कार्यक्रम में शिक्षिका बिन्दु चन्द, नीलम पांडे, विनीता कुमार, ममता बिष्ट, शबाना अंजुम, शीला जोहान, रेनू शैल,आशा देवी, पुष्पा जोशी, रूबी गंगवार, कंचन जोशी, चेतना भण्डारी, विमला खड़ायत, लक्ष्मी बिष्ट, प्रशासनिक अधिकारी धनंजय चौड़ाकोटी आदि मौजूद रहे।

टनकपुर जीजीआईसी में नशा मुक्ति अभियान में शामिल छात्राएं। ● अमृत विचार

गौशाला गई महिला पर सूअर ने किया हमला

संवाददाता,टनकपुर

अमृत विचारः जंगल से लगे आमबाग गांव में पशुओं को चारा देने गौशाला गई एक महिला पर अचानक जंगली सूअर ने हमला कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने घायल महिला को उपचार के लिए उप जिला अस्पताल में भर्ती किया है। जहां महिला का उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार बुधवार की अपराह्न बाद आमबाग गांव निवासी 55 वर्षीय विशना देवी पत्नी देव चन्द अपने गौशाला में पशुओं को चारा देने गई थी, जहां पर छिपे जंगली सूअर ने अचानक महिला पर हमला बोल दिया, महिला द्वारा शोर मचाने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, उन्होंने सूअर को जंगल की ओर खदेड़ महिला को उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर शारदा रेंज के वन दरोगा मुकेश तड़ागी, वन बीट अधिकारी मुल्की राज और पूजा चौहान घायल महिला का हाल जानने अस्पताल पहुंचे। डॉ नौनिहाल सिंह ने बताया कि सूअर ने महिला के दोनों हाथों और शरीर पर घाव किए हैं।

चिकित्सालय में भर्ती विशना देवी।

कार्यशाला | राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में शिक्षक बनने के अवसर विषय पर कार्यशाला का आयोजन

शिक्षक के रूप में करियर बनाने की जानकारी दी

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में करियर परामर्श शिक्षक बनने के अवसर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला व करियर काउन्सिलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षक बनने की प्रक्रिया, आवश्यक योग्यताओं, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा भविष्य में उपलब्ध करियर अवसरों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को बीएड, डीएलएड, सीटीईटी, टीईटी, एनईटी, जेआरएफ, एमएड और पीएचडी जैसे उच्च शिक्षा मार्गों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से शिक्षक बनने के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यताएं, सरकारी विद्यालयों में चयन की प्रक्रिया, कॉलेज लेक्चरर बनने के लिए एनईटी, एसईटी और पीएचडी का महत्व, ऑनलाइन और ऑफलाइन ट्यूशन के उभरते अवसर के बारे में बताया उन्होंने कहा कि शिक्षक बनने की यात्रा अनुशासन, तैयारी और सही मार्गदर्शन का परिणाम है। योग प्रशिक्षक हरीश चन्द्र ओझा ने योग में करियर के परिप्रेक्ष्य में सर्टिफिकेट व डिप्लोमा, योग थेरीपी व आनलाइन योग कक्षाओं में उभरते हुए अवसर के बारे में जानकारी दी। संजय कुमार गंगवार के द्वारा एनटीटी, डीएलएड, एसईटी, नेट जेआरएफ के बारे में पात्रता सम्भावनाएं की बारे में बताया। डॉ0 संजय कुमार के द्वारा शिक्षक बनने के मार्ग में आने वाली चुनौतियों व सम्भानाएं के बारे में सम्भावनाओं के बारे में जानकारी साझा की। डॉ. अर्चना वर्मा प्रभारी प्राचार्य द्वारा शिक्षक बनने के मार्ग में आवश्यक बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए छात्रों को नियमित अध्ययन, कौशल विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर ध्यान देने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने इसे सफल और प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम में भागीरथी, अंजली, कविता, रुचि बोहरा और सोनू भट्ट आदि ने अपना फीडबैक दिया। इस अवसर पर हरीश चन्द्र जोशी, दशरथ बोहरा, दिनेश रावत आदि मौजूद रहे।

अमोड़ी महाविद्यालय में मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को दी महत्वपूर्ण जानकारी।

जीआईसी स्यालीधार में लगे बाल मेले में मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

रंगोली में जीआईसी खूंट ने मारी बाजी

अल्मोड़ा : राजकीय इंटर कॉलेज स्यालीधार में बुधवार को जिला स्तरीय बाल मेला आयोजित हुआ। बाल मेले में बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं से अपनी प्रतिभा दिखाई। बाल मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मनोज तिवारी ने किया। इस दौरान उन्होंने विधायक निधी से स्कूल में ई लाइब्रेरी विकसित करने के लिए 25 हाफ चेयर, टेबल, अलमारी व प्रिंटर अगले वित्तीय सत्र में देने की घोषणा की। इस मौके पर प्रधानाचार्य उमेश पांडे की ओर से लिखित किताब पाई का भी विमोचन किया गया। बाल मेले में रंगोली में जीआईसी खूंट ने प्रथम, जीआईसी स्यालीधार ने द्वितीय दूसरे और जीआईसी रैंगल तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी में नेहा, भाषण में भावना जोशी ने बाजी मारी। इस मौके पर यहां सीईओ चंदन सिंह बिष्ट, डीईओ प्राथमिक डॉ. रवि मेहता, बीईओ हरीश रौतेला, प्रो. सुशील जोशी, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश जोशी, पीटीए अध्यक्ष आनंद सिंह कनवाल, मनीष अग्रवाल, नीरज पंत, प्रमोद तिवारी, सुंदरलाल आर्य आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

जहाज अपने बंदरगाह में सबसे सुरक्षित रहता है, लेकिन जहाजों का निर्माण इसके लिए नहीं किया गया था।

–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

विकास, नीति और संदेश

योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने जो 20 प्रस्ताव पास किए, वे राज्य की आर्थिक-सामाजिक दिशा को पुनर्गठित करने की कोशिश का संकेत देते हैं। इन प्रस्तावों का दावा है कि वे आम जनता के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस योगदान देंगे। प्रश्न यह है कि क्या ये निर्णय सूबे की जटिल और दीर्घकालिक समस्याओं को पर्याप्त रूप से संबोधित करते हैं या फिर ये एक संतुलित राजनीतिक-सामाजिक पैकेज भर हैं? सीजीएसटी और स्टांप ड्यूटी में दी गई छूट व्यापार जगत और रियल एस्टेट क्षेत्र को स्पष्ट रूप से राहत देगी। व्यापारियों को टैक्स संबंधी बोझ से कुछ राहत मिलेगी, जिससे कारोबारी गतिविधियों में गति आएगी। बाजार को जब भरोसे और पूंजी प्रवाह की आवश्यकता थी, यह वित्तीय प्रोत्साहन आया। संभव है अप्रत्यक्ष रूप से इसका लाभ उपभोक्ताओं को भी मिले, सस्ती संपत्ति, कम लागत वाली सेवाएं और निवेश के सृजन से इसका प्रभाव दो-तरफा हो।

शहरों में जलापूर्ति समस्या से परेशान बरेली और कानपुर की पेयजल योजनाएं शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूती देंगी। सुरक्षित और नियमित पेयजल की उपलब्धता न सिर्फ स्वास्थ्य को सुधारती है, बल्कि उद्योग और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी भरोसा देती हैं। यह कदम शहरी जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार ला सकता है। इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति के तहत रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा या फिर निरस्त करना महत्वपूर्ण सुधार है। निष्क्रिय पड़ी परियोजनाओं ने वर्षों तक पूंजी, भूमि और जनता के विश्वास को उलझाए रखा है। इन परियोजनाओं को गति मिलने से न सिर्फ आवास का संकट कम होगा, बल्कि निर्माण क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। यह राज्य की विकास दर को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकता है, साथ ही रोजगार सृजन के नए अवसर भी तैयार होंगे। नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने का फैसला सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिव्यांग जनों के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण, उपचार और सहायक उपकरणों की उपलब्धता बढ़ेगी। सरकार द्वारा अस्पताल विकास में निजी निवेश के लिए सहायता नीति को और व्यावहारिक बनाने के प्रस्ताव को पुनरीक्षण के लिए लौटाना यह संकेत देता है कि सरकार जल्दबाज़ी में कदम नहीं उठाना चाहती। स्वास्थ्य ढांचे में निजी निवेश आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नियमन और पारदर्शिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सरकार स्पष्ट रूप से ऐसी नीति चाहती है, जिससे निवेशक भी संतुष्ट हों और जनता के हित भी सुरक्षित रहें।

अयोध्या में मंदिर संग्रहालय निर्माण का प्रस्ताव सांस्कृतिक, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था तीनों स्तरों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यह परियोजना स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार अवसर भी बढ़ाएगी। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में ऐसे संस्थान न केवल प्रतीकात्मक होते हैं, बल्कि लंबे समय में राजस्व और पहचान के स्थायी स्रोत भी बनते हैं। निस्संदेह, इन सभी प्रस्तावों में राजनीतिक संदेश भी निहित है। चुनावी राज्य में कोई भी बड़ा निर्णय पूरी तरह गैर-राजनीतिक नहीं हो सकता। परंतु यह भी सत्य है कि यदि ये प्रस्ताव समयबद्धता, पारदर्शिता और गंभीर क्रियान्वयन के साथ लागू होते हैं, तो इनका ठोस और दीर्घकालिक लाभ जनता को मिलेगा।

प्रसंगवश

राजवंशी देवी: राष्ट्रपति भवन की मां जी

डॉ. राजेंद्र प्रसाद 1946-50 तक संविधान सभा के अध्यक्ष और फिर 1950 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने, तब भी उनकी पत्नी राजवंशी देवी ने कभी राष्ट्रपति भवन की चकाचौंध में रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में कई परंपराओं को शुरू किया, जिन पर अब भी अमल हो रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में महत्वपूर्ण त्योहारों को मनाने की परंपरा शुरू की। इनमें राष्ट्रपति भवन में रहने वाले स्टॉफ की भी भागेदारी रहती। राजवंशी देवी दिवाली, होली, रक्षाबंधन और ईद पर आगंतुकों और स्टाफ के साथ वक्त बितातीं। उनके साथ भोजन करतीं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद तो कुछ देर के बाद वहां से निकल जाया करते थे, पर राजवंशी देवी वहीं रहती। राष्ट्रपति भवन में सभी उन्हें 'मां जी' कहते थे।

विवेक शुक्ला

पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई दूतावास

डॉ. राजेंद्र प्रसाद को देश के राष्ट्रपति के कार्यकाल (1950-1962) के दौरान रक्षाबंधन राष्ट्रपति भवन के मुलाजिमों की बेटियां राखी बांधती। बदले में, राजवंशी देवी सबको उपहार देती। राजवंशी देवी बेटियों और उनके अभिभावकों के साथ काफी देर तक बातचीत करतीं। उनका मार्गदर्शन करतीं। दरअसल डॉ. राजेंद्र प्रसाद के दौर में रक्षाबंधन राष्ट्रपति भवन में एक सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन के रूप में स्थापित किया गया। राखी का आयोजन सादगीपूर्ण होता था, जिसमें गोल मार्केट या बंगाली मार्केट की पारंपरिक मिठाइयों का आदान-प्रदान होता था। राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन का आयोजन अब एक स्थायी उत्सव बन चुका है। इसका यहां पर रहने वाली बेटियों को इंतजार रहता है।

पहला छठ का आयोजन 1956 केंद्र सरकार के कर्मियों की कॉलोनी सरोजनी नगर के निवासी श्रीकांत दुबे की पहल पर आयोजित हो रहा था। वे तब राजधानी के कुछ भोजपुरी समाज के सदस्यों के साथ राष्ट्रपति भवन में साइकिल पर सवार होकर पहुंचे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद को छठ उत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उस जमाने में आज की तरह की सुरक्षा व्यवस्था कहीं भी नहीं होती थी। हालांकि, विभिन्न कारणों से वे शामिल नहीं हो सके, लेकिन उनकी पत्नी राजवंशी देवी ने सरोजिनी नगर में आयोजित छठ महापर्व में शिरकत की। अगले कुछ वर्षों तक वे इस आयोजन में शामिल होती रहीं और सभी के साथ आत्मीयता से मिलती-जुलती। राजवंशी देवी कुछ समय अपने सरोजिनी नगर में रहने वाले रिश्तेदार विश्वेश्वर नारायण के फ्लैट पर भी आया करती थीं। राजवंशी देवी सरलता और सादगी की मिसाल थीं।

राजवंशी देवी राष्ट्रपति भवन के अंदर चलने वाले स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेते हुए मेधावी बच्चों को पुरस्कृत भी करती थीं। अब इस स्कूल का नाम राजेंद्र प्रासद केंद्रीय विद्लाय है। हर वर्ष पहली फरवरी को राष्ट्रपति भवन दिवस मनाया जाता है। राजवंशी देवी इस दिन पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राष्ट्रपति भवन के स्टॉफ और उनके परिवारजनों के साथ रहा करती थीं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने देश के पहले राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद पहली फरवरी, 1950 को राष्ट्रपति भवन में सपरिवार रहना शुरू कर दिया था। 26 जनवरी, 1950 से इसे राष्ट्रपति भवन कहा ही जाने लगा। इसी उपलक्ष्य में यहां हर वर्ष पहली फरवरी को राष्ट्रपति भवन दिवस मनाया जाता है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रपति भवन के स्टॉफ और उनके परिवारजनों के बीच खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। इनके विजेताओं को राष्ट्रपति पुरस्कृत करते हैं। राजवंशी देवी ने कभी राष्ट्रपति भवन के स्टॉफ को यह महसूस नहीं होने दिया था कि वे देश के राष्ट्रपति की पत्नी हैं।

उत्तराखंड: जरूरी है नशे का हो समूल नाश

अमित शर्मा

हल्द्वानी

देवभूमि उत्तराखंड का नाम होंठों पर आते ही मनोहारी फलक के दर्शन हो जाते हैं। यहां गढ़वाल से लेकर कुमाऊं तक आस्था का सैलाब बहता है। नीला प्रदूषण रहित आसमान, खूबसूरत वादियां, टूरिस्ट डेस्टिनेशन और एडवेंचर हब, जहां प्रदेश में पर्यटन को और अधिक उभारने के भगीरथ प्रयास चल रहे हैं, तो कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने के पुख्ता इंतजाम हो रहे हैं। पुलिस और सरकार तो अपना काम बखूबी कर ही रही है, लेकिन दो अहम मुद्दों पर जनसहभागिता से अब निर्णायक चोट होनी चाहिए। ये हैं युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आंतरिक सुरक्षा को निरंतर बढ़ता खतरा और ये दोनों ही खतरे राज्य को कहीं न कहीं खोखला और कमजोर कर रहे हैं।

नशेबाजी पर बात करें तो महज तीन साल के आधिकारिक आंकड़े ही बहुत चिंताजनक हैं। अगस्त 2025 तक स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के करीब 3431 अभियोगों में करीब 4440 अभियुक्त गिरफ्तार हो चुके हैं। इस अवधि में दो अरब रुपये से ज्यादा कीमत का नशीला पदार्थ पुलिस बरामद कर चुकी है। इनमें नशे की 720278 गोलियां, 38919 इंजेक्शन और 718201 कैप्सूल, 681.09 किलो चरस, 649.79 किलो डोडा, 61.22 किलो अफीम, 0.39 ग्राम कोकीन, 58.98 किलो हेरोइन, 4954.34 किलो गांजा है। एमडीएमए और सिंथेटिक ड्रग्स का काला कारोबार तेजी पकड़ रहा है, तो खास मौकों पर ड्रग्स पार्टी अब युवाओं में कल्चर बनती जा रही है।

बुजुर्ग बताते हैं कि पहाड़ पर नशे के नाम पर शराब और खेतों में उगाई जाने वाली भांग से निकलने वाली चरस ही होती थी। उसे भी शौकिया तौर पर प्रयोग किया जाता था। नशे के जो नाम पहाड़ के लोगों ने सुने भी नहीं थे, आज वो पहाड़ के युवाओं को सहज उपलब्ध हो रहे हैं।

देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को और अधिक उभारने के भगीरथ प्रयास चल रहे हैं। जरूरी है कि युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आंतरिक सुरक्षा पर भी गंभीर काम हो। ये दोनों ही खतरे राज्य को कमजोर कर रहे हैं।

कुमाऊं का एक जिला, जो समृद्ध होली के लिए जाना जाता है, वहां कभी नशे का दुष्प्रभाव नहीं रहा। और तो और, रंग के दिन भी शराब का चलन यदा-कदा ही दिखाई देता था, लेकिन अब आलम यह है कि महानगरों में मिलने वाले नशीले पदार्थ तक उपलब्ध हो जाते हैं। समझदार और जागरूक युवा आज भी इनसे किनारा कर लेते हैं, लेकिन जाल ऐसा है, जिसका दायरा बढ़ता जा रहा है।

राजधानी देहरादून में ड्रग्स फ्री कैंपस अभियान सरकार की सराहनीय पहल है, लेकिन ये केवल राजधानी तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर चलनी चाहिए। युवाओं में कानून का भय होने के साथ-साथ खुद को नशे से दूर रखने की इच्छा शक्ति भी जागृत करनी होगी। यह अभियान कैंपस से निकलकर सार्वजनिक तौर पर चलना चाहिए और समाज को इसमें आगे बढ़कर सहयोग देना होगा, क्योंकि अगर एक युवा भी नशे की गिरफ्त में आता है तो यह पूरे देश का नुकसान है। आम जनता पुलिस को ड्रग्स पैडलरों की सूचना देकर सहयोग कर सकती है।

दरअसल, ड्रग फ्री कैंपस अभियान की भी पूरे प्रदेश में इसलिए आवश्यकता है कि कैंपस में छात्र-छात्राएं अभिभावकों से दूर रहते हैं और ऐसे में यह जरूरी है कि किसी गलत राह को वे न चुनें। इसके लिए समय-समय पर उन्हें मार्गदर्शन दिया जाए। दरअसल, उत्तराखंड सरकार के ड्रग्स फ्री देवभूमि-2025 के विजन को साकार करने के लिए यह ड्रग्स फ्री कैंपस अभियान राजधानी देहरादून में शुरू किया गया है। अभियान के तहत पुलिस द्वारा जनपद में स्थित सभी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं से उनका ड्रग्स टेस्ट कराए जाने के लिए कंसर्ट फार्म/शपथ पत्र भरवाए जा रहे हैं।

पुलिस-प्रशासन और डॉक्टरों की संयुक्त टीम द्वारा निजी शिक्षण संस्थानों में औचक निरीक्षण किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं के ड्रग्स टेस्ट किट के माध्यम से रेंडमली यूरीन टेस्ट कर देखा जा रहा है कि वे किसी तरह के नशे का शिकार तो नहीं हो रहे हैं। बीती एक दिसंबर को ही संयुक्त टीम ने राजधानी के प्रेमनगर तथा क्लेमेंटाउन क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर 200 छात्र-छात्राओं के ड्रग्स टेस्ट किट के माध्यम से रेंडमली यूरीन टेस्ट किए। सुखद पक्ष यह रहा कि सभी छात्र-छात्राओं की रिपोर्ट नेगेटिव आई। अभियान में पुलिस विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 427 छात्र-छात्राओं का मेडिकल टेस्ट करा चुकी है।

दूसरा अहम मुद्दा आंतरिक सुरक्षा का है, जिसमें कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से युवा भी भ्रमित हो रहे हैं। राज्य में देहरादून और हरिद्वार में बड़े स्तर पर सर्च और सत्यापन अभियान के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं, लेकिन यह अभियान केवल दो जिलों तक ही सिमटकर रह गया है। आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से देखा जाए तो कुमाऊं मंडल की स्थिति अजब-गजब है। देश में दिल्ली बम ब्लास्ट जैसी बड़ी घटना होने पर ही कुमाऊं में सत्यापन अभियान औपचारिकता के तौर पर कुछ दिन चलाकर फिर स्थिति पूर्ववत हो जाती है। इस समस्या से निपटने को भी समाज को ही आगे आना पड़ेगा और अपने बीच छिपे हुए संदिग्धों को पहचानना होगा।

युवाओं को भी लालच के वशीभूत होकर दूसरे के हाथों की कठपुतली बनने से बचना होगा। वहीं, अभिभावकों को भी अपने बच्चों की गतिविधियों पर गहन नजर रखते हुए उन्हें अच्छे और बुरे का आभास कराना होगा। देश तभी नशे के चंगुल से निकलने के साथ-साथ सुरक्षा के तौर पर मजबूत होगा, जब इसके लिए देश का हर नागरिक अपनी भूमिका अदा करेगा। वैसे भी देवभूमि उत्तराखंड को आस्था, साहित्य और संस्कृति का देश माना जाता है। ऐसे में पहाड़ की इन विशेषताओं और बेशकीमती मूल्यों को जीवित रखने का दारोमदार समाज के साथ-साथ यहां के युवाओं पर अधिक है, इसलिए उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

आमने

एक घायल पिल्ले को मैं अपनी कार में बैठाकर संसद तक ले आई और बाद में घर भिजवा दिया। इस चर्चा का क्या मतलब है? असली काटने वाले तो संसद में बैठे हैं। हम एक मूक जीव की मदद करते हैं, तो यह बड़ा मुद्दा बन जाता है।

–रेणुका चौधरी

कांग्रेस सासंद

सामने

रेणुका चौधरी ने अपने बयान से सांसदों और कर्मचारियों का अपमान किया है। कांग्रेस संसद में 'नाटक' करने के नए तरीके ढूंढ रही है और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

–शहजाद पूनावाला

प्रवक्ता

भारतीय जनता पार्टी

पीएम का मैकाले की शिक्षा से मुक्ति का संदेश

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

"1835 से भारत में पैठ जमा चुकी उस पश्चिमी मानसिकता पर ताले लगाने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है, जो स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को ध्वस्त करती हुई औपनिवेशिक शिक्षा को लागू करने की थॉमस मैकाले की परियोजना के माध्यम से लागू हुई थी। भारत की शैक्षिक और सांस्कृतिक नींव को खोखला करने के लिए मैकाले द्वारा किए गए अपराध को 2035 में 200 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अतएव आने वाले दस सालों में गुलामी की इस औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये विचार रामनाथ गोयनका की स्मृति में दिए व्याख्यान में व्यक्त किए थे। फिरंगी हुकूमत के दौरान इंग्लिश एजूकेशन एक्ट-1835 के तहत भारत में संस्कृत, हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं की शिक्षा नष्ट कर अंग्रेजी शिक्षा की बुनियाद रखी गई थी। इस दासता को 190 वर्ष से हम ढोते चले आ रहे हैं। अतएव अब इससे मुक्ति का समय आ गया है।

मैकाले की एक किताब है, 'द लाइफ एंड लैटर्स ऑफ लार्ड मैकाले'। इस किताब में मैकाले ने भारत की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू करते हुए तीन भविष्यवाणियां की थीं, जो खरी उतरीं। उनकी पहली भाष्यवाणी थी कि मेरी इस नई शिक्षा प्रणाली के चलते डेढ़ सौ साल बाद भारतीय व्यक्ति अपने धर्म से विमुख हो जाएगा। उसके घर में अपने धर्म ग्रंथ होंगे, लेकिन वे उन्हें पढ़ेंगे नहीं। दूसरी भविष्यवाणी है, उसे अपनी भाषा बोलने में असुविधा होगी। वह शर्म महसूस करेगा। वह अपनी भाषा में बोल नहीं पाएगा। दूसरी भाषाओं के शब्द उधार लेने पड़ेंगे। तीसरी है, भारतवासी अपनी पारंपरिक वेशभूषा पहनना भूल जाएंगे। पुरुष अपनी वेशभूषा लगभग भूल गए हैं। महिलाएं जरूर अपनी परंपरा को बनाए हुए हैं। याद रहे जिस देश के वासी अपनी भाषा, धर्म और वेशभूषा भूल जाते हैं, उनकी संस्कृति भी धीरे-धीरे नष्ट हो जाती है, लेकिन हम हैं कि अपनी संस्कृति के पराभव से निश्चिंत हैं। अतएव प्रधानमंत्री के संकल्प में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

भारत में अंग्रेजों का शासन स्थापित होने के बाद एक समय तक अंग्रेजों की भाषा-नीति में बदलाव होता रहता था। सन् 1833 में मैकाले मिनिट्स के होते हुए ईस्ट इंडिया कंपनी ने अदालती तथा अन्य शासकीय कार्यों में अरबी-फारसी का मिश्रित रूप अपनाया था। हिंदू राजाओं के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी अपने पत्र-व्यवहार में स्थानीय बोलियों के शब्दों का भी प्रयोग करती थी, किंतु 1835 में इंग्लिश एजूकेशन एक्ट लागू होने के बाद से स्थितियां बदलती चली गईं। 1880 में कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना हुई। उस समय अंग्रेजी शासन की राजधानी कोलकाता थी। जॉन गिलक्राइस्ट उस कॉलेज के भाषा विभाग के अध्यक्ष थे। उन्होंने खड़ी बोली के प्रयोग को प्रोत्साहित किया और कंपनी सरकार की भाषा नीति तय करने में आवश्यक सुझाव दिए। वह हिंदी को हिंदुई तथा हिंदुस्तानी कहते थे और उसके लिए रोमन लिपि को आवश्यक मानते थे, किंतु न तो हिंदी का नाम बदल सके और न ही लिपि।

गिलक्राइस्ट के बाद ही, मैकाले की भाषा-नीति मानी गई और उच्च शिक्षा से संस्कृत एवं हिंदी का माध्यम समाप्त कर दिया गया। वैदिक संस्कृत, गणित एवं समाज विज्ञान की शिक्षाओं को धार्मिक शिक्षा की श्रेणी में रखकर नकार दिया गया। उन्नीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में सरकारी कामकाज में उर्दू को वरीयता दी गई और हिंदी को उपेक्षित कर दिया गया। उस युग में बनारस हिंदी का केंद्र था और बनारस की दो बड़ी हस्तियां हिंदी में लिख रहीं थीं। एक थे राजा शिवप्रसाद और दूसरे भारतेंदु हरिशचंद्र। राजा शिवप्रसाद अंग्रेजी सरकार की सेवा में थे और अंग्रेजों की भाषा नीति का समर्थन करते हुए उन्होंने उर्दू का पक्ष लेते हुए हिंदी की निंदा की। उनकी वफादारी देखकर सरकार ने उन्हें 'सितारे हिंद' की उपाधि दी।

हरिश्चंद्र ने सरकार की भाषा-नीति का विरोध किया और जगह-जगह जाकर हिंदी के समर्थन में सभाएं कीं। जनता ने हरिश्चंद्र को 'भारतेंदु' की उपाधि से विभूषित किया। भारतेंदु की लोकप्रियता के सामने 'सितारे हिंद' अस्त-पस्त हो गए। जॉन गिलक्राइस्ट जैसे अनेक अंग्रेज हिंदी के समर्थक थे। ऐसे अंग्रेजों में हेनरी पिनकोट ने भारतेंदु के समर्थन में हिंदी के पक्ष में बहुत काम किया। राजा शिवप्रसाद की तरह राजा लक्ष्मण सिंह (1826-96) भी सरकारी नौकर थे, किंतु उन्होंने हिंदी का समर्थन किया और उसी में लिखा भी।

पूरा शिक्षाजन्य ढांचा, आज्ञापालन को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करता है। स्वातंत्र्य-चेता विद्यार्थी की नूतन पहल, जिज्ञासा और प्रश्नाकूलता को फटकारा जाता है। विचार नियंत्रण की यह क्रूरता नव-सर्जक की भ्रूण-हत्या कर देती है। यही कारण है कि हम आजादी के बाद न तो नचिकेता, अष्टावक्र और विवेकानंद पैदा कर पाए और न ही सीवी रमन, जगदीश चंद्र बसु और रामानुजन? दरअसल औपनिवैशिक शिक्षा पद्धति और अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते हमारे शिक्षा संस्थान महज डिग्रीधारी नकलचियों की फौज खड़ी करने में लगे हैं। वे रोबोट और क्लोन बनाने की दक्षता को ही श्रेष्ठता का पर्याय मानकर चल रहे हैं, क्योंकि रोबोट विरोध नहीं करते और क्लोन से विकसित प्राणी प्रकृति प्रदत्त विलक्षणता खो देते हैं, अतएव उनकी मौलिक सृजनशीलता बचपन में ही कुंठित हो जाती है।

पीएम मोदी ने कहा है, मैकाले द्वारा किए गए अपराध को 2035 में 200 वर्ष पूरे हो जाएंगे। दस सालों में गुलामी की इस औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है।

सोशल फोरम

हंसी उड़ाने के लिए गढ़ा गया लॉर्ड बॉबी नाम

बॉबी अब भले 'लॉर्ड बॉबी' कहलाते हैं, लेकिन कम लोगों को ही पता होगा कि ये निकनेम दरअसल बॉबी देओल की हंसी उड़ाने के लिए गढ़ा गया, लेकिन फ़िल्म 'एनिमल' में जो उन्होंने कर दिखाया है, उसके बाद अब यही नाम उनकी तारीफ़ बन चुका है। बॉबी दओल पहले पहल बड़े परदे पर दिखे थे साल 1977 में मनमोहन देसाई निर्देशित फ़िल्म 'धरमवीर' में। बाल कलाकार के तौर पर अभिनय बॉबी ने यूं ही हंसी-खेल में कर लिया था, लेकिन जब हीरो बनने का नंबर आया तो उनकी तगड़ी ट्रेनिंग चली। पहली फ़िल्म की रिलीज से पहले ही तमाम उठापटक हुईं।

पंकज शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कभी लगा कि ये फ़िल्म बनेगी, तो कभी लगा कि वो फ़िल्म बनेगी, लेकिन बतौर हीरो जो पहली फ़िल्म बॉबी की रिलीज हुई वह रही 'बरसात'। फ़िल्म 'बरसात' की रिलीज की तमाम तारीखें आपको इंटरनेट पर पढ़ने को मिलेंगी, लेकिन इसका प्रीमियर हुआ था पांच अक्टूबर 1995 को और ये फ़िल्म रिलीज हुई अगले दिन यानी छह अक्टूबर 1995 को।

बॉबी देओल को सिनेमा में आए 30 साल पूरे हो गए। इन 30 साल में बॉबी देओल से कई बार मुलाकातें हुईं, लंबी लंबी बातें हुईं और हर बार बात यही सामने आई कि बॉबी देओल के भीतर अब भी बहुत कुछ ऐसा बतौर अभिनेता है, जो बाहर आना बाकी है। वह कहते भी हैं कि जब तक जीवन के एंड क्रेडिट्स रोल हों, तब तक वह अभी बहुत कुछ करना चाहते हैं। बॉबी देओल को मैं तब 'एंग्री यंग ब्वॉय' कहकर बुलाया करता था, बाद में ये उनका निकनेम भी लंबे अरसे तक बना रहा। 1995 में रिलीज हुई फ़िल्म 'बरसात' ही हमारे आज के बाइस्कोप की फ़िल्म है।

एक ख़ास मुलाक़ात में बॉबी देओल मुझे बताते हैं, "फ़िल्म 'बरसात' के लिए मैंने पहला शॉट तब दिया था जब इसे शेखर कपूर निर्देशित कर रहे थे। मुझे एक विशालकाय सेट की सीढ़ियों से मुस्कुराते हुए नीचे उतरना था। ये बतौर हीरो मेरा पहला शॉट था। बाद में शेखर कपूर को 'बैंडिट क्वीन' निर्देशित करने का मौका मिल गया, तो उन्होंने 'बरसात' छोड़ दी और राजकुमार संतोषी ने ये फ़िल्म निर्देशित की। रिलीज़ हुई फ़िल्म में जो मेरा पहला शॉट है, वह शूटिंग के आखिरी दिन फिल्माया गया है।"

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

'सांझ की बेला' में छूटता अपने ही बच्चों का साथ

हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में वृद्धाश्रम में रह रहीं शोभा देवी के निधन के बाद जब बेटे को सूचना दी गई, तो उसने मां का शव लेने से साफ इनकार कर दिया। बेटे ने कहा कि घर में शादी है। शव आने से अपशगुन होगा। फ्रीजर में रखवा दीजिए, बाद में देख लेंगे। घंटों तक मां का पार्थिव शरीर वृद्धाश्रम में ही पड़ा रहा। अंततः प्रशासन ने हस्तक्षेप कर अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना ने मां के जीवन भर के त्याग, ममता, समर्पण और प्रेम का मानो सार्वजनिक अपमान कर दिया। यह प्रसंग केवल एक परिवार की असफलता नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर लगा सबसे बड़ा प्रश्नचिन्ह है।

यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है, जो हमारे संस्कारों और संवेदनाओं के लिए बड़ा खतरा है। यह घटना केवल एक समाचार नहीं थी, बल्कि हमारी आत्मा को कंपाने वाला सच था। एक मां जिसने जीवन भर अपने बच्चे के लिए हर दर्द सहा, हर कठिनाई झेली, हर सपने को अपने खून-पसीने से सींचा, उसे उसके ही बेटे ने अंतिम समय में ठुकरा दिया। भारतीय समाज में माता-पिता को देवता समान माना जाता है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि मातृदेवो भव, पितृदेवो भव। पर आधुनिक समय में यह पवित्र वाक्य केवल किताबों में रह गया है।

डॉ. नीलू तिवारी

शिक्षिका

व्यवहार में उन माता-पिता के लिए समय निकाल पाना कठिन होता जा रहा है, जिन्होंने बच्चों की हर मुश्किल में उनके लिए जीवन समर्पित किया। यह घटना उसी विसंगति का चरम रूप है, जब एक मां की अर्थी भी बेटे के लिए बोझ बन गई। शादी है, माहौल खराब हो जाएगा, मेहमान क्या कहेंगे? लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि एक मां का दिल कितनी बार टूटा होगा, जब उसका बेटा यह निर्णय ले रहा था। मां तो जीवन में कभी भी अपने बच्चों को दोष नहीं देती। अपने अंत समय में भी शायद उसने बेटे को माफ कर दिया होगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या समाज यह गलती कभी माफ करेगा?

इस घटना को समझने से पहले हमें उस मां की कल्पना करनी चाहिए, जो जीवन भर अपने बच्चों के लिए जीती रही होगी। वह मां जिसने अपनी थाली से निवाला निकालकर बेटे के सामने रखा होगा, अपने सपनों की कीमत पर बेटे के सपनों को संवारा होगा। वह मां, जिसने शायद अनगिनत बार अपने बच्चे की छोटी-छोटी खुशियों में जीवन की सारी परेशानियां भुला दी होंगी। यह वही मां है, जिसे अंतिम समय में अपने घर की नहीं, अपने बेटे की नहीं, अपने समाज की नहीं, बल्कि शगुन-अपशगुन की कठोर परंपरा की कोठरी में बंद कर दिया गया। क्या इससे बड़ा कोई क्रूर मजाक हो सकता है कि जिसने बेटे को जीवन दिया, वही अपने अंतिम सम्मान के लिए पराया हो जाए?

देश में 2023 के अनुसार, लगभग 14 करोड़ बुजुर्ग हैं और 2050 तक यह संख्या 30 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट बताती हैं कि इस बढ़ती बुजुर्ग जनसंख्या के साथ-साथ उनके प्रति उपेक्षा की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में बुजुर्गों के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न के मामले लगभग 11 प्रतिशत और भावनात्मक उपेक्षा के मामले 20 फीसदी से भी अधिक पाए गए। इसका अर्थ है कि हर पांच में से एक बुजुर्ग किसी न किसी रूप में अपमान, असम्मान या भावनात्मक अकेलेपन से गुजर रहा है। ऐसे में यह समझना कठिन नहीं कि एक पुत्र उस मां का ऋण तक महसूस न कर पाया, जिसने उसे हथेली पर उठा-उठाकर बड़ा किया हो। यह घटना उन आंकड़ों को मानवीय चेहरा देती है, जिनमें छिपी पीड़ा को अक्सर समाज नजरअंदाज करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

साइबर सिक्योरिटी

पासवर्ड ही नहीं करियर भी बनाएं स्ट्रांग

यह बात कहने में कोई भी गुरेज नहीं होना चाहिए कि डिजिटल दुनिया तेजी से बढ़ रही है और इसके साथ साइबर हमलों की संख्या भी। आज हर छोटे-बड़े व्यवसाय, सरकारी संस्थान, बैंक, अस्पताल और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को अपनी ऑनलाइन डेटा सुरक्षा की चिंता रहती है। यही वजह है कि साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट की जरूरत लगभग हर सेक्टर में महसूस की जा रही है। साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञ न केवल नेटवर्क, डेटा और सिस्टम को सुरक्षित रखते हैं, बल्कि भविष्य में होने वाले संभावित साइबर हमलों की पहचान भी करते हैं। यह क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, इसलिए इसमें सीखने और आगे बढ़ने की संभावनाएं भी अनंत हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा का मुद्दा प्राथमिकता में बढ़ता ही जा रहा है, जिसके कारण कुशल साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है। अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो की माने तो साइबर सुरक्षा नौकरियों में वर्ष 2029 तक 31 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। यदि आपकी आईटी, कंप्यूटर विज्ञान या साइबर अपराध में रुचि है, तो साइबर सुरक्षा आपके लिए एक बेहतर करियर विकल्प हो सकता है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है साइबर सिक्योरिटी

इंटरनेट की दुनिया में हमारे डेटा और डिजिटल गतिविधियों को सुरक्षित रखने में साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। सरल शब्दों में कहें तो साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ का काम हर ऑनलाइन गतिविधि को सुरक्षित बनाना, साइबर अपराधों की रोकथाम करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच करना होता है। यानी इंटरनेट पर किसी भी यूजर को हैकिंग, धोखाधड़ी या डेटा चोरी जैसे साइबर अपराधों से बचाने के लिए साइबर सिक्योरिटी का इस्तेमाल किया जाता है। तेजी से बढ़ती डिजिटल लाइफस्टाइल के कारण इस क्षेत्र में कुशल प्रोफेशनलों की मांग लगातार बढ़ रही है। आज इंटरनेट, स्मार्टफोन और डिजिटल उपकरणों का उपयोग जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उतनी ही तेजी से साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की आवश्यकता भी बढ़ रही है। अनुमान है कि आने वाले 5 वर्षों में भारत को 5 लाख से अधिक साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की जरूरत पड़ेगी। नैसकॉम की रिपोर्ट भी बताती है कि आईटी कंपनियां अब हर दस तकनीकी नियुक्तियों में से एक को साइबर सिक्योरिटी से जुड़े रोल में रख रही हैं। इसी वजह से यह सेक्टर युवाओं के लिए न केवल हाई पैकेज देने वाला, बल्कि लंबे समय तक स्थिर रहने वाला करियर विकल्प बन चुका है। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट नेटवर्क और सिस्टम के लिए मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि किसी अनधिकृत व्यक्ति को नेटवर्क तक पहुंच न मिले। हमारे डिवाइस, डेटा और कम्युनिकेशन की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर होती है।

योग्यता

- अंडरग्रेजुएट (UG) साइबर सिक्योरिटी कोर्सेज
- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण होना अनिवार्य।
- 10+2 में फिजिक्स, केमिस्ट्री और गणित अनिवार्य विषय होने चाहिए।
- कम से कम 50 प्रतिशत अंक आवश्यक।
- B.Tech साइबर सिक्योरिटी में प्रवेश के लिए निम्न एंट्रेंस एग्ज़ाम स्वीकार किए जाते हैं:
- JEE Main
- JEE Advanced
- BITSAT
- AP EAMCET

उभरता हुआ करियर हॉटस्पॉट

साइबर सिक्योरिटी केवल तकनीक का विषय भर नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से उभरता हुआ करियर हॉटस्पॉट बन चुका है। देश की कई यूनिवर्सिटीज, प्रशिक्षण संस्थान और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म अब साइबर सिक्योरिटी, एथिकल हैकिंग और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे आधुनिक कोर्स उपलब्ध करा रहे हैं, ताकि युवा इस क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा कर सकें। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली एजेंसी इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (CERT-In) के अनुसार भारत वैश्विक स्तर पर साइबर सुरक्षा के एक मजबूत केंद्र के रूप में उभर रहा है। CERT-In की रिपोर्ट बताती है कि देश में इस क्षेत्र से जुड़े 400 से अधिक स्टार्टअप सक्रिय रूप से नई तकनीक और समाधान विकसित कर रहे हैं। इसके साथ ही भारत में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की संख्या 6.5 लाख से अधिक हो चुकी है, जो इस बात का संकेत है कि यह उद्योग न केवल तेजी से बढ़ रहा है, बल्कि रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा कर रहा है।

पोस्ट ग्रेजुएट साइबर सिक्योरिटी कोर्सेज

- उम्मीदवार के पास B.Tech / BE / BSc या संबंधित क्षेत्र में बैचलर्स डिग्री होनी चाहिए।
- बैचलर्स में न्यूनतम 50% अंक आवश्यक।
- कुछ टॉप कॉलेज PG प्रवेश मेरिट लिस्ट के आधार पर देते हैं।
- कई संस्थान निम्न परीक्षाओं के स्कोर पर जोर देते हैं:
- GATE
- UPSEE
- TANCET

साइबर सिक्योरिटी कोर्सेज के लिए भारतीय यूनिवर्सिटीज

- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- पीएसजी टेक कोयंबटूर
- हिट्स चेन्नई
- एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई
- निमास कोलकाता
- कालीकट विश्वविद्यालय
- NIELIT दिल्ली
- स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, कोलकाता
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)

जॉब अलर्ट

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)

- पद का नाम: स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर्स (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या: 996
- योग्यता: ग्रेजुएशन
- आयु सीमा: 26-35 साल, पदों के अनुसार
- आवेदन अंतिम तिथि 23-12-2025
- वेबसाइट: sbi.bank.in

द परभणी डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड

- पद का नाम: क्लर्क स्टेनोग्राफर और अन्य पद
- पद की संख्या: 152
- योग्यता: ग्रेजुएट अन्य योग्यता
- आयु: 21 से 38 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि: 10/12/2025
- वेबसाइट www.parbhanidccbank.com

सेंटर फॉर पर्सनल टैलेंट मैनेजमेंट

- पद का नाम: सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट-B (STA-B) और टेक्नीशियन-A (Tech-A)
- पदों की संख्या: 764
- योग्यता: DRDO वेबसाइट पर डिटेल्ड एडवर्टाइजमेंट में दी जाएगी
- आयु सीमा: 18-28 साल
- वेबसाइट: https://www.drdo.gov.in

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन

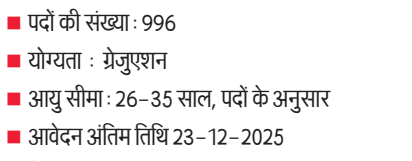

- पद का नाम: (असिस्टेंट सेक्रेटरी, असिस्टेंट प्रोफेसर और असिस्टेंट डायरेक्टर, अकाउंट्स ऑफिसर, सुपरिंटेंडेंट, जूनियर ट्रांसलेशन ऑफिसर, जूनियर अकाउंटेंट, जूनियर असिस्टेंट)
- पदों की संख्या 124
- योग्यता: पदों के हिसाब से अलग-अलग होती है (संबंधित सब्जेक्ट में बैचलर/मास्टर डिग्री)
- आयु: 18 से 35 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि: 22-12-2025
- वेबसाइट: https://www.cbse.gov.in

कैंपस में पहला दिन

पहले दिन भाषा ने उलझाया

बात वर्ष 2004 की है। पापा चाहते थे कि मैं मर्चेंट नेवी में नौकरी करूं, इसलिए उन्होंने मेरा दाखिला बीएससी नॉटिकल साइंस में चेन्नई की इंटरनेशनल मेरीटाइम एकेडमी में करा दिया। चेन्नई की इंटरनेशनल मेरीटाइम एकेडमी में बीएससी नॉटिकल साइंस में एडमिशन कराने के पीछे पापा का उद्देश्य यह था कि मैं मर्चेंट नेवी में नौकरी करने के लिए जाऊं। रविवार के दिन पापा के साथ अपने घर पिलखुआ से दिल्ली के लिए निकले। फिर यहां से ट्रेन पकड़ी और रात भर चलने के बाद अगले दिन सुबह चेन्नई पहुंच गए। यहां रेलवे स्टेशन से मेरी एकेडमी 35 किलोमीटर दूर थी, स्टेशन से हमने बस पकड़ी। उस बस का नंबर M-54 था। उस बस ने मुझे और मेरे पापा को लगभग एक घंटे में एकेडमी पहुंचा दिया। रास्ते में मैंने बस के अंदर एक दो यात्रियों से बात करने की कोशिश की, लेकिन, वे सब तमिल भाषा में बात कर रहे थे। मुझे हिंदी या फिर अंग्रेजी भाषा आती थी, वो न मेरी बात समझ पा रहे थे, न हम उनकी बात समझ रहे थे। खैर, मैंने अंग्रेजी में जब उनसे एकेडमी के बारे में पूछा तो उन्होंने मुझे उसकी कुछ जानकारी दी थी। प्रवेश के पहले दिन एकेडमी में पहुंचा, तब वहां ज्यादातर लोग तमिल भाषा में बात कर रहे थे, मुझे अंग्रेजी या हिंदी आती थी। किसी तरह एकेडमी के गेट पर गार्ड को अपना परिचय देकर अंदर गया। पापा साथ में थे। एकेडमी के मुख्य गेट से मिलकर दाखिले की प्रक्रियाएं पूरी कीं, दोपहर में 2 बजे हमने तमिल की कड़ी पत्ते वाली दाल-रोटी और चावल-सब्जी का स्वाद लिया। इसके बाद पापा चले आए। फिर मैंने एकेडमी घूमी और शाम 6 बजे तक एकेडमी में रहा। इसके बाद मैंने अपने हेड से चेन्नई के मरीना ब्रिज घूमने की अनुमति मांगी, घूमकर फिर एकेडमी आ गया। एडकेमी का पहला दिन मेरे जीवन का सबसे यादगार रहा। पहले दिन एकेडमी में भाषा ने मुझे खूब उलझाया।

-दक्ष शर्मा पाराशर
सदस्य, हिंदी भाषा समिति, (आयुष मंत्रालय) बरेली।

नोटिस बोर्ड

- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में छह दिसंबर को मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में 10 वीं से लेकर परास्नातक तक की योग्यता रखने वाले 18 से 40 वर्ष तक के युवाओं को मौके मिलेंगे। इस मेले में 1500 से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया होगी। मेले में टाटा मोटर्स, ऑटोमोबाइल कंपनियां, डिजिटल पब्लिक, इंडो ऑटो, जय भारत और सोलर सेक्टर से जुड़ी कुल 29 प्रमुख कंपनियां शामिल होंगी। इनमें टेक्नीशियन, डिजिटल मार्केटिंग, एचआर और ट्रेनिंग सहित विभिन्न प्रोफाइल पर भर्ती होगी।
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के अंतर्गत संचालित वोकेशनल पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इनमें बीबीए रीटेल मैनेजमेंट, इवेंट मैनेजमेंट और लॉजिस्टिक्स की परिक्षाएं होगी। ये परीक्षाएं 9 दिसंबर से शुरू होंगी। परीक्षाओं का समय सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक रखा गया है। बीबीए लॉजिस्टिक्स में प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी, जबकि अन्य में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं कराई जाएंगी।

घर और परिवार के बीच भी है करियर अपॉर्चुनिटी

अक्सर महिलाएं घर और परिवार की जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि अपने करियर और व्यक्तिगत लक्ष्यों को पीछे छोड़ देती हैं। नियमित नौकरी हर किसी के लिए संभव नहीं होती और इसी वजह से कई बार निराशा महसूस होती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि अवसर खत्म हो गए हैं। बदलते समय के साथ होममेकर्स के लिए भी कई नए और रोमांचक करियर विकल्प मौजूद हैं। घर बैठे किए जा सकने वाले ये विकल्प न सिर्फ आपको आय का स्थिर स्रोत देंगे, बल्कि आपकी आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाएंगे।

–फीचर डेस्क

- **कुकिंग करियर-** यदि आपको खाना बनाना पसंद है, तो इसे करियर में बदला जा सकता है। होम-बेस्ड फूड डिलीवरी सर्विस शुरू करना, यूट्यूब पर कुकिंग चैनल चलाना या ऑनलाइन कुकिंग क्लास लेना बेहतरीन विकल्प हैं। घर के किचन से ही यह करियर अच्छी कमाई का साधन बन सकता है।
- **फ्रीलांसिंग राइटिंग-** आज डिजिटल दुनिया में कंटेंट की मांग बहुत अधिक है। महिलाएं फ्रीलांस कंटेंट राइटर, ब्लॉगर या कॉपीराइटर के रूप में काम कर सकती हैं। इसके लिए केवल लैपटॉप और इंटरनेट की आवश्यकता होती है। फ्रीलांसिंग प्लेटफॉर्म्स पर हजारों मौके उपलब्ध रहते हैं।
- **हॉबी क्लासेज-** यदि आपके पास कोई खास कला या शौक है, जैसे पेंटिंग, म्यूजिक, डांस या हैंडीक्राफ्ट, तो इसे बच्चों और युवाओं को सिखाकर कमाई की जा सकती है। इससे आपका टैलेंट भी निखरेगा और दूसरों को सीखने का मौका मिलेगा।
- **मेकअप और ब्यूटी-** ब्यूटी और मेकअप में रुचि रखने वाली महिलाएं घर पर ही सैलून सर्विस शुरू कर सकती हैं या फ्रीलांस मेकअप आर्टिस्ट बन सकती हैं। शादी और पार्टियों के सीजन में इसका काम विशेष रूप से फलदायी हो सकता है।

- **क्राफ्ट आइटम सेलिंग-** यदि आप हैंडीक्राफ्ट या आर्टवर्क बनाने का शौक रखती हैं, तो इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे Etsy, Amazon या सोशल मीडिया के जरिए बेच सकती हैं। इससे न केवल आय होगी, बल्कि आपके हुनर की भी पहचान बनेगी।

ट्यूशन

घर से बच्चों को पढ़ाना हमेशा से महिलाओं के लिए एक लोकप्रिय विकल्प रहा है। आजकल ऑनलाइन ट्यूशन प्लेटफॉर्म्स भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। आप अपनी विषय-वस्तु की समझ के अनुसार बच्चों को पढ़ाकर अच्छी कमाई कर सकती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,106.81	25,986
गिरावट	31.46	46.20
प्रतिशत में	0.04	0.18

सोना 1,32,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,80,900 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, द्वारकेश 4280

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 1200, बासमती- 6500, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 4200, साबुत चना दाल- 4300, मूंग साबुत- 7100, राजमा- 9300-12000, दाल उड़द- 7100, साबुत मसूर दाल- 4100, मसूर दाल- 3600, उड़द साबुत- 5700, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 2600

श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से होंगी लागू

अधिसूचित कानून के तहत जल्द नियमों का मसौदा होगा जारी

- सीआईआई इंडियाएज 2025 में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से पूरी तरह से लागू होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने अधिसूचित कानून के तहत नियमों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सरकार ने चार श्रम संहिताओं... वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाज स्थिति संहिता, 2020 को 21 नवंबर को अधिसूचित किया। किसी कानून को लागू करने के लिए, सरकार को उसके तहत नियमों को अधिसूचित करना आवश्यक है। इससे पहले, केंद्र और राज्य सरकारों को जनता की प्रतिक्रिया के लिए नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले सार्वजनिक करना आवश्यक है।

श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को सीआईआई इंडियाएज 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि चार श्रम संहिताओं के तहत मसौदा नियम प्रकाशित किए जाने से पहले जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले केंद्र सरकार और राज्यों ने नियमों के मसौदे को पहले ही सार्वजनिक कर दिया था, लेकिन वह काफी समय पहले की बात है। अब मसौदे को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है।

वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले, सरकार अधिसूचना के लिए उन्हें अंतिम रूप देने से पहले जनता की टिप्पणियों को लेकर 45 दिन का समय देगी। अधिकारी ने यह भी बताया कि सरकार का मकसद नए वित्त वर्ष की शुरुआत यानी एक अप्रैल से इन चारों संहिताओं के क्रियान्वयन के लिए नियम लागू करने का है।

2026 तक 100 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान किए जाने का लक्ष्य : मांडविया

केंद्रीय श्रम मंत्री मांडविया ने मार्च, 2026 तक 100 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को पूरा करने की सरकार की मंशा का भी जिक्र किया। यह अभी फिलहाल 94 करोड़ है। सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया है। चूंकि श्रम एक समवर्ती विषय है, इसलिए संबंधित सरकारों...केंद्र और राज्यों... को देश भर में इन्हें पूरी तरह से लागू करने के लिए चारों संहिताओं के तहत नियमों को अधिसूचित करना होगा। मंत्री ने श्रम संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख किया। इसमें अनिवार्य नियुक्ति पत्र, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, समान कार्य समान वेतन और महिलाओं को विभिन्न पालियों में काम करने के समान अवसर शामिल हैं।

कार्य घंटे अब भी आठ घंटे प्रतिदिन

केंद्रीय श्रम मंत्री मांडविया ने सम्मेलन में एक सत्र के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि नई संहिताओं के तहत एक कर्मचारी के लिए कार्य घंटे अभी भी आठ घंटे प्रतिदिन है। इस प्रमुख श्रम सुधार में 29 मौजूदा श्रम कानूनों को सुसंगत बनाते हुए उन्हें इसमें एकीकृत किया गया है। मांडविया ने कहा कि नई रूपरेखा कर्मचारी को 'ओवरटाइम' का विकल्प प्रदान करती है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय चलन है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नवंबर में बढ़ी : पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेवा सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 पर पहुंचा

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में नवंबर में तेजी दर्ज की गई। नए व्यवसाय में तेजी और कीमतों में नरमी इसकी मुख्य वजह रही। बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 पर पहुंच गया। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है।

एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि देश का सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 आ गया। यह बढ़ोतरी मजबूत नए से प्रेरित रही, जिसने उत्पादन वृद्धि को बढ़ावा दिया।

समग्र उत्पादन सूचकांक 59.7 पर पहुंचा

एचएसबीसी इंडिया समग्र उत्पादन सूचकांक अक्टूबर के 60.4 से नवंबर में 59.7 पर आ गया जो मई के बाद से सबसे धीमी वृद्धि दर को दर्शाता है। समग्र पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण व सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है। ये भार आधिकारिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के सापेक्ष आकार को दर्शाते हैं। भंडारी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा एवं राज्य चुनाव से व्यवधानों की चिंताओं के बीच, नवंबर में आने वाले वर्ष के प्रति आशावाद कम हो गया। कंपनियों को अनुकूल मांग, सोशल मीडिया पर उपस्थिति, विपणन पहल और कीमतों में वृद्धि को न्यूनतम रखने की योजनाओं के दम पर अब भी उत्पादन वृद्धि की उम्मीद है।

भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था ग्रुप बी में

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक एजेंसी एसएंडपी ने बढ़ाई रैंकिंग, समाधान ढांचे व आईबीसी कानून के प्रदर्शन पर किया निर्णय

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बुधवार को भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था के लिए अपनी रैंकिंग को बढ़ाकर 'ग्रुप-बी' कर दिया। यह संशोधन ऋणदाताओं के अनुकूल माने जा रहे दिवाला समाधान ढांचे और आईबीसी कानून के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

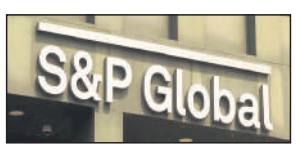

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से ऋण अनुशासन मजबूत हुआ है और समाधान प्रक्रिया का संतुलन स्पष्ट रूप से ऋणदाताओं के पक्ष में है। इस वजह से अब प्रवर्तकों के लिए अपने व्यवसाय पर नियंत्रण गंवाने का जोखिम बढ़ गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बदले हुए हालात में दिवाला समाधान की मूल्यांकन रैंकिंग को ग्रुप-सी से बढ़ाकर ग्रुप-बी कर दिया गया है। एसएंडपी ने कहा कि यह संशोधन इसलिए किया गया है क्योंकि हमने भारत के दिवाला समाधान ढांचे का आकलन बदला है। हमें लगता है कि यह ढांचा ऋणदाताओं के लिए पहले की तुलना में अधिक अनुकूल होकर 'कमजोर' से 'मध्यम' हो गया है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आईबीसी के तहत जारी सफल कर्ज समाधान, बेहतर समयसीमा और वसूली दर इसकी प्रमुख वजहें हैं। दिवाला समाधान के दौरान बकाया कर्ज का औसत वसूली मूल्य 15-20 प्रतिशत से बढ़कर अब 30 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

समाधान में लगने वाला समय घटाकर किया गया दो साल

फंसे कर्जों के समाधान में लगने वाला औसत समय भी छह-आठ साल से घटकर लगभग दो साल रह गया है। हालांकि, एजेंसी ने कहा कि भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था अब भी ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के कुछ देशों से पीछे है। लगभग 30 प्रतिशत बकाया वसूली दर को दूसरे उन्नत देशों में कम माना जाता है। एसएंडपी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया में लगभग दो साल का समय लगने के बावजूद अब भी दिवाला प्रक्रिया में अनिश्चितता बनी रहती है। कई मामलों में कानूनी चुनौतियों, आवेदन की प्रारंभिक प्रक्रिया और समाधान योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण विलंब होता है।

रुपये की विनिमय दर में आगे भी आएगी गिरावट

- ईएसी-पीएम के सदस्य नीलेश शाह बोले- 90 रुपये प्रति डॉलर अब नई सामान्य स्थिति
- कहा- दबाव की वजह मुद्रास्फीति का ऊंचा स्तर व व्यापार साझेदार देशों की तुलना में कम उत्पादकता

मुंबई, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अंशकालिक सदस्य नीलेश शाह ने बुधवार को रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने के बीच कहा कि भविष्य में भी रुपये की विनिमय दर में गिरावट जारी रह सकता है और 90 रुपये के स्तर को अब 'नई सामान्य स्थिति' माना जाना चाहिए। कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक शाह ने कहा कि रुपये पर दबाव की मुख्य वजह भारत में मुद्रास्फीति का ऊंचा स्तर और व्यापार साझेदार देशों की तुलना में कम उत्पादकता हैं।

उन्होंने कहा कि रुपये की किस्मत में विनिमय दर में गिरावट होना ही है क्योंकि हमारी मुद्रास्फीति कारोबारी साझेदारों से अधिक है जबकि उत्पादकता उनसे कम है। ऐसे में हर साल रुपये में दो-तीन प्रतिशत की गिरावट सामान्य मानी जानी चाहिए। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 रुपये प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। इस संदर्भ में शाह ने कहा कि निवेश प्रवाह और अन्य कारक अल्पावधि में रुपये को अस्थायी रूप से मजबूत या कमजोर कर सकते हैं लेकिन दीर्घावधि में रुपये के स्थायी रूप से मजबूत होने की गुंजाइश नहीं दिख रही है।

रुपये में गिरावट चिंता का विषय नहीं : सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि सरकार रुपये में गिरावट को लेकर चिंतित नहीं है जो डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर गया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा कि रुपये में गिरावट का मुद्रास्फीति या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। उन्होंने हालांकि अगले वर्ष रुपये में सुधार की उम्मीद जाहिर की। रुपया बुधवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.30 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों की ओर से डॉलर की सतत खरीद के बीच घरेलू मुद्रा दबाव में रही। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजार में गिरावट तथा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर असमंजस ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला।

राष्ट्रीय

लोस में केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक पारित

चर्चा और वित्त मंत्री के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से दी गई मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने बुधवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित हुआ, जिसमें तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद समान कर बोझ रखने के लिए उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है। उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में संशोधन वाले विधेयक को चर्चा व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित किया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि तंबाकू और इसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने से जीएसटी क्षतिपूर्ति कर समाप्त करने के बाद भी कर का बोझ समान रहेगा। चूंकि जीएसटी में अधिकतम कर दर 40% है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटाया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ कम हो जाएगा। कर बोझ जीएसटी मुआवजा उपकर के दौरान जितना था, उससे कम न हो, हम यह कर लेकर आ रहे हैं।

तंबाकू पर 28% जीएसटी सहित अलग दरों पर उपकर

विधेयक में प्रस्ताव है कि तंबाकू उत्पादों- जैसे सिगरेट, चबाने वाला तंबाकू, सिगार, हुक्का, ज़र्दा और सुगंधित तंबाकू पर लगाए जा रहे जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को हटाकर उसकी जगह उत्पाद शुल्क लगाया जाए। वर्तमान में तंबाकू पर 28 प्रतिशत जीएसटी के साथ अलग-अलग दरों पर उपकर लगता है। विधेयक में अपरिष्कृत (कच्चे) तंबाकू पर 60-70 प्रतिशत उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक इसलिए आवश्यक है क्योंकि कोविड के दौरान राज्यों के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए केंद्र द्वारा लिया गया ऋण कुछ ही हफ्तों में चुका दिया जाएगा, जिसके बाद मुआवजा उपकर लेना रोक दिया जाएगा।

मुआवजा उपकर तंत्र की अवधि बढ़ाई

सीतारमण ने कहा कि केंद्र सुनिश्चित करना चाहता है कि उत्पाद शुल्क फिर से हमारे पास आ जाए ताकि हम यह ड्यूटी लगा सकें। 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू करते समय राज्यों को जीएसटी से हुए राजस्व हानि की भरपाई के लिए मुआवजा उपकर तंत्र स्थापित हुआ था, जिसकी अवधि प्रारंभ में 5 वर्ष (30 जून 2022 तक) थी। बाद में मुआवजा उपकर की अवधि 4 वर्ष बढ़ाकर 31 मार्च 2026 की गई, और इस अवधि में संग्रहित राशि का उपयोग कोविड काल में राज्यों की जीएसटी कमी की भरपाई के लिए केंद्र द्वारा लिए गए 2.69 लाख करोड़ रुपये के ऋण के पुनर्भुगतान में किया जा रहा है।

नया कानून नहीं, अतिरिक्त कर नहीं

सीतारमण ने विधेयक पर कुछ विपक्षी सदस्यों की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि यह नया कानून नहीं है, और कोई अतिरिक्त कर भी नहीं है। कुछ सदस्यों का मानना है कि यह उपकर है जिसका लाभ केंद्र को मिलेगा, जबकि ऐसा नहीं है। यह उपकर नहीं है, बल्कि उत्पाद शुल्क है जो डिविसिबल (विभाज्य) पूल में जाएगा। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में सिगरेट पर खुदरा मूल्य के अनुसार कर बोझ 53% रहा है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक 75 है।

हम नहीं चाहते सिगरेट किफायती रहे

वित्त मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में तो यह दर 80 से 85% है। हम नहीं चाहते कि सिगरेट किफायती रहे। तंबाकू उत्पादक किसानों को लेकर कुछ सदस्यों की चिंताओं पर वित्त मंत्री ने कहा कि फसल विविधीकरण योजना के तहत 10 बड़े तंबाकू उत्पादक राज्यों में 2015 से तंबाकू किसानों को वैकल्पिक फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने तेलंगाना में मिर्च, ओडिशा में सब्जी और कर्नाटक में सोयाबीन तथा गन्ना जैसी फसलों के लिए तंबाकू किसानों को सहायता देने के प्रयासों का जिक्र किया।

दिल्ली में प्रदूषण रोजाना 50 सिगरेट पीने के जैसा : सुप्रिया

राकांपा (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति का उल्लेख करते हुए लोकसभा में कहा कि दिल्ली में घूमने का मलतब एक दिन में 50 सिगरेट पीने जैसा है। उन्होंने केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक पर चर्चा के दौरान टिप्पणी की। सुले ने कहा कि सरकार को वायु प्रदूषण से निपटने को सांसदों का सहयोग लेना चाहिए। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से आग्रह है कि सांसदों से बात कीजिए और लक्ष्य दीजिए कि क्या किया जा सकता है। विधेयक पर शिवसेना (उबाठा) के सांसद अनिल देसाई ने कहा कि लाखों किसान और श्रमिक तंबाकू उत्पादन से जुड़े हैं और उनकी आजीविका का सवाल है। शिवसेना के रवींद्र वायकर और भाजपा सांसद अरुण गोविल ने इस विधेयक को नशा के प्रति सर्जिकल स्ट्राइक बताया।

वायु गुणवत्ता आंकड़ों की गणना में छेड़छाड़ संभव नहीं : सीपीसीबी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने बुधवार को वायु गुणवत्ता के आंकड़ों में हेरफेर के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि निगरानी केंद्र स्वचालित हैं तथा गणना एवं निगरानी में कोई मानवीय हस्तक्षेप संभव नहीं है।

दिल्ली सरकार पर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों के आसपास पानी का छिड़काव करने तथा प्रदूषण के उच्च स्तर पर होने के दौरान उन्हें बंद करने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि अक्टूबर में दिवाली के दौरान पटाखों से प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों को बंद कर दिया गया था। सीपीसीबी के अध्यक्ष वीर विक्रम यादव ने कहा कि निगरानी और डेटा संग्रह स्वचालित है... स्टेशन हर 15 मिनट में डेटा तैयार करते हैं और हर घंटे एक्यूआई की गणना की जाती है, जिसके बाद औसत एक्यूआई तैयार किया जाता है। ये स्टेशन स्वचालित हैं, और इसलिए किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप या हेरफेर संभव नहीं है।

आरोपी को 55 तारीखों पर नहीं किया पेश, जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- महाराष्ट्र का मामला, जेल महानिदेशक को दो महीने में रिपोर्ट पेश करने का आदेश

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र पुलिस की ओर से जमानत पर सुनवाई के लिए एक आरोपी को 55 तारीखों पर न्यायालय में पेश न करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य के जेल महानिदेशक को इस मामले की जांच करने और रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। चाकू मारने के मामले में आरोपी शशि उर्फ शाही चिकना विवेकानंद जुरमानी को जमानत देते हुए जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि जेल अधिकारियों के इस आचरण से वे ''स्तब्ध'' हैं।

पीठ ने महाराष्ट्र के जेल महानिदेशक को किसी को भी बचाने की कोशिश न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में उन पर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की जांच करने और दो महीने के अंदर रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया। जांच रिपोर्ट की समीक्षा के लिए मामले को 3 फरवरी 2026 को सूचीबद्ध किया गया है। पीठ ने कहा, आरोपी को सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष पेश करना न केवल मुकदमे के शीघ्र निस्तारण के लिए जरूरी है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय भी है ताकि कैदी के साथ कोई दुर्व्यवहार न हो। पीठ ने कहा, इस मूलभूत सुरक्षा उपाय का गंभीर उल्लंघन हुआ है, जो चौंकाने वाला और निंदनीय है। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं।

मामले में 15 अक्टूबर 2021 को उल्हासनगर के विठ्ठलवाड़ी थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप था कि याचिकाकर्ता और सह आरोपी उमेश उर्फ ओमी बंसीलाल किशनानी ने मृतक और पुलिस कांस्टेबल पर चाकू से हमला किया था। मरने से पहले सिपाही ने कहा था कि दोनों ने उससे मारपीट की थी।

दिल्ली दंगा

मौखिक दलीलें 15 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के आरोपियों की ओर से पेश वकीलों को अपनी मौखिक दलीलें 15 मिनट तक सीमित रखने का बुधवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि आरोपियों के वकीलों की दलीलों पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू को स्पष्टीकरण के लिए 30 मिनट का समय मिलेगा। पीठ ने मामले की सुनवाई नौ दिसंबर के लिए निर्धारित करते हुए कहा कि दोनों पक्षों की तरफ से दलीलें प्रस्तुत की जा चुकी हैं। हमारा मानना है कि एक समय-सारिणी तय किए जाने की आवश्यकता है। मौखिक दलीलें 15 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए और एएसजी द्वारा स्पष्टीकरण 30 मिनट से अधिक नहीं होना चाहिए।

मानवीय आधार पर गर्भवती महिला और उसके बच्चे को भारत में प्रवेश की अनुमति दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महीनों पहले बांग्लादेश निर्वासित की गई गर्भवती महिला और उसके आठ साल के बच्चे को 'मानवीय आधार' पर भारत में प्रवेश की बुधवार को अनुमति दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार को नाबालिग बच्चे की देखभाल करने और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्भवती महिला सुनाली खातून को हर संभव चिकित्सा सहायता मुहैया कराने का निर्देश दिया। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इस बयान पर गौर किया कि सक्षम प्राधिकारी ने मानवीय आधार पर महिला और उसके बच्चे को देश में प्रवेश देने की सहमति जता दी है और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा।

विशेषाधिकार प्रस्ताव से जुड़े सवाल पर रेणुका बोलीं- भौं-भौं

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस सांसद की टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर आ गई मीम की बाढ़

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने संसद परिसर में कुत्ता लाने को लेकर उनके खिलाफ सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों द्वारा विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की मांग को लेकर बुधवार को पूछे गए सवाल पर दो बार 'भौं-भौं' बोलकर जवाब दिया। उनकी इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर मीम की बाढ़ आ गई है।

विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की तैयारी संबंधी खबरों पर राज्यसभा सदस्य चौधरी ने संसद परिसर में कहा, भौं-भौं...मुझे और क्या कहना चाहिए। कांग्रेस सांसद से आगे सवाल किया गया कि वह क्या करेंगी, तो उन्होंने कहा कि जब यह आएगा तो हम देखेंगे, समस्या क्या है। जब यह (विशेषाधिकार प्रस्ताव) आएगा, तो मैं मुंह तोड़ जवाब दूंगी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने न केवल संसद की मर्यादा और गरिमा को ठेस पहुंचाई, बल्कि वहां काम करने वाले सभी सांसदों, सुरक्षाकर्मियों, अधिकारियों और दूसरे कर्मचारियों का अपमान किया। सांसद शीसोमवार को संसद परिसर में कार में कुत्ता लाने को लेकर विवादों में घिर गई हैं।

रेलवे ने आरक्षण काउंटर से लिए तत्काल टिकट के लिए ओटीपी किया अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंतिम समय में टिकट बुकिंग सुविधा के दुरुपयोग को रोकने के लिए रेल मंत्रालय ने उठाया कदम
- योजना की शुरुआत कुछ ट्रेन से हुई और जल्द संख्या बढ़ाकर 52 कर दी गई

रेलवे आरक्षण काउंटर से तत्काल' ट्रेन टिकट बुक करने के लिए यात्रियों को अब मोबाइल फोन पर प्राप्त होने वाला वन-टाइम पासवर्ड बताना होगा। इस कदम का उद्देश्य अंतिम समय में टिकट बुकिंग सुविधा के दुरुपयोग को रोकना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रेल मंत्रालय ने 17 नवंबर को परीक्षण आधार पर आरक्षण काउंटर से बुक टिकट के लिए ओटीपी-आधारित तत्काल टिकट प्रणाली शुरू की। इसकी शुरुआत कुछ ट्रेन से हुई और जल्द ही इसकी संख्या बढ़ाकर 52 कर दी गई।

मंत्रालय ने कहा कि कुछ दिनों में काउंटर से टिकट के लिए यह आरक्षण प्रणाली शेष सभी ट्रेन के लिए लागू कर दी जाएगी। इसके अनुसार, ओटीपी-आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली का प्रस्ताव आम उपयोगकर्ताओं के लिए अंतिम समय में टिकट बुकिंग सुविधा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया है। इस प्रणाली के तहत आरक्षण काउंटर पर तत्काल टिकट बुक करते समय यात्री को आरक्षण फॉर्म में दिए गए मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी प्राप्त होता है। ओटीपी सत्यापन सफल होने के बाद ही टिकट की पुष्टि की जाती है। इस पहल का उद्देश्य तत्काल सुविधा के दुरुपयोग को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि वास्तविक यात्रियों को यह टिकट मिले। यह रेलवे टिकट व्यवस्था में पारदर्शिता, यात्री सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने यात्रियों को टिकट आरक्षण तक उचित पहुंच प्रदान करने तथा बुकिंग एजेंटों को प्रणाली का दुरुपयोग करने से हतोत्साहित करने के लिए कुछ उपाय शुरू किए हैं।

लोकनृत्य की प्रस्तुति

कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते हुए लोक कलाकार। हर साल 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दिव्यांगों को सम्मान देना है।

नया आधार एप : घर बैठे बदलें नाम-मोबाइल नंबर

आधार कार्ड में बदलाव के लिए अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए एक नया आधार एप लांच किया है जिसकी मदद से अब आप घर बैठे आधार कार्ड में पंजीकृत अपना मोबाइल नंबर बदल सकते हैं। सरकार ने नए आधार एप में इस सुविधा को शुरू कर दिया है। वहीं, एड्रेस, नाम और ईमेल आईडी भी अपडेट करने की सुविधा जल्द शुरू होगी। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने नई डिजिटल सेवा को शुरू करने की घोषणा की है। इन बदलावों के लिए आपको किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं होगी। एप पर ओटीपी वेरिफिकेशन और फेस ऑथेंटिकेशन से सबकुछ बदला जा सकेगा। इस सेवा के शुरू होने से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोग, वरिष्ठ नागरिकों को काफी सुविधा होगी। इस सुविधा के लिए आपको कोई डाक्यूमेंट नहीं देने होंगे।

पिछले महीने ही लांच हुआ आधार एप

एक महीने पहले यूआईडीएआई ने आधार कार्ड का नया मोबाइल एप लॉन्च किया था। इसमें यूजर एक ही फोन में 5 लोगों के आधार रख सकते हैं। इसमें आधार की सिर्फ वही जानकारी शेयर करने का ऑप्शन है, जो जरूरी होते हैं। इस एप में आप यूपीआई में जिस तरह स्कैन कर पेमेंट करते है, उसी तरह आधार डिटेल्स शेयर कर सकते हैं। एप को ज्यादा सिक्योर बनाने के लिए इसमें फेस ऑथेंटिकेशन जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं।

एप में ऐसे अपडेट करें मोबाइल नंबर

छह अंकों का पिन डालकर आधार एप में लॉगिन करें। स्क्रोल करके नीचे जाएं फिर सर्विसेज में माय आधार अपडेट पर क्लिक करें। सबसे पहले मोबाइल नंबर अपडेट का विकल्प आएगा जिसे क्लिक करें और यहां दिया हुआ यहां जरूरी संदेश पढ़ने के बाद कंटिन्यू पर क्लिक करें। मौजूदा मोबाइल नंबर डालें और ओटीपी को वेरिफाई करें। इसके बाद नया मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी को वेरिफाई करें। इसके बाद आपका फेस ऑथेंटिकेशन होगा, कैमरे में देखकर एक बार आंख बंद करें खोलें। पेमेंट के ऑप्शन पर 75 जमा करने के बाद प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

यह प्रक्रिया अपनानी होगी

यूआईडीएआई के मुताबिक एप के जरिए आधार में अपडेट की प्रोसेस काफी सिंपल है। इसके लिए कोई डॉक्यूमेंट या फिजिकल विजिट की जरूरत नहीं है। पूरी प्रोसेस कुछ मिनटों में हो जाएगी। सबसे पहले आपको आधार एप डाउनलोड करना होगा। यहां अपना आधार नंबर डालकर लॉगिन करना होगा। इसके बाद आपके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपीजाएगा जिसका वेरिफिकेशन करना होगा। इसके बाद आगे इस्तेमाल के लिए 6 अंकों का लॉगिन पिन सेट करना होगा।

क्यों जरूरी है आधार मोबाइल अपडेट

आधार कार्ड देश की सबसे बड़ी आइडेंटिटी सर्विस है, जिसमें 130 करोड़ से ज्यादा लोगों का डेटा जुड़ा हुआ है। मोबाइल नंबर इसका सबसे अहम हिस्सा है क्योंकि इसी से ओटीपी के जरिए बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी, इनकम टैक्स वेरिफिकेशन और डिजिटल सर्विसेज जैसे डिजीलॉकर तक एक्सेस मिलता है। अगर नंबर पुराना हो जाए या खो जाए तो कई समस्याएं हो सकती हैं। अभी तक इसे अपडेट करने के लिए आधार सेंटर जाना पड़ता था, जहां लंबी कतारों का झंझट होता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने श्रीलंका भेजे 70 चिकित्साकर्मी

कोलंबो। भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को बताया कि चक्रवात दितवा से आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद भारत ने श्रीलंका को एक सचल अस्पताल और 70 से अधिक चिकित्साकर्मी भेजे हैं। बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे श्रीलंका में अवसंरचनाएं ध्वस्त होने से कई जिले अलग-थलग पड़ गए हैं और देश की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। चक्रवात के प्रभाव से बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में 465 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 366 लोग लापता हैं। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि भारत ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 70 से अधिक चिकित्साकर्मी भेजे हैं।

खालिदा के इलाज को पहुंचे ब्रिटेन से डॉक्टर

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति के मद्देनजर उनके उपचार में सहायता के लिए ब्रिटेन से चार सदस्यीय विशेषज्ञ चिकित्सा दल बुधवार को यहां पहुंचा। खालिदा जिया का यहां एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉ. रिचर्ड ब्यूल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने यहां पहुंचने के तुरंत बाद एवरकेयर अस्पताल में भर्ती बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया (80) के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा की। डॉक्टरों ने उनका इलाज कर रही मेडिकल टीम से भी बात की।

पाकिस्तान में विस्फोट तीन पुलिसकर्मी मृत

पेशावर। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए धमाके में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह घटना दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले के पनयाला इलाके में हुई। इस घटना में एएसआई गुल आलम, कांस्टेबल रफीक और मोबाइल वैन चालक सखी जान की मौत हो गई।

फलस्तीनियों के लिए रफह सीमा खुलेगी

यरुशलम। इजराइल ने कहा कि वह गाजा से फलस्तीनियों को मिस्र पहुंचने में मदद के लिए आने वाले कुछ दिनों में रफह सीमा चौकी (क्रॉसिंग) खोलेगा। गाजा में सहायता पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालने वाले इजराइली सैन्य निकाय सीओजीएटी ने एक बयान में यह जानकारी दी। हालांकि इसमें उसने यह नहीं बताया गया कि गाजा छोड़ने की अनुमति किन लोगों को होगी।

प्रतिभा के प्रवाह में बाधाएं खड़ी करने वाले देश नुकसान में रहेंगे : जयशंकर

गतिशीलता पर आयोजित एक सम्मेलन के संवादात्मक सत्र में बोले विदेश मंत्री

- उन्नत विनिर्माण के युग में और ज्यादा प्रतिभा की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि सीमाओं के पार पेशेवरों के प्रवाह में बहुत अधिक बाधाएं पैदा करने वाले देशों को कुल मिलाकर नुकसान होगा और भारत को अन्य देशों को यह समझाने की जरूरत है कि प्रतिभा का इस्तेमाल पारस्परिक लाभ के लिए है। गतिशीलता पर एक सम्मेलन में आयोजित संवादात्मक सत्र के दौरान दिए गए उनके बयान ट्रंप प्रशासन की आव्रजन पर सख्ती के अनुरूप अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर नया शुल्क लगाने के फैसले की पृष्ठभूमि में आए हैं।

जयशंकर ने कहा कि अगर वे प्रतिभा के प्रवाह में बहुत ज्यादा रुकावटें खड़ी करते हैं, तो उन्हें कुल मिलाकर नुकसान होगा। खासकर अगर आप उन्नत विनिर्माण के युग में प्रवेश कर रहे हैं, तो आपको और ज्यादा प्रतिभा की जरूरत होगी।वह एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर चिंताओं सहित आव्रजन से जुड़े व्यापक मुद्दों पर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। किसी देश का नाम लिए बगैर जयशंकर ने कहा कि भारत को अन्य देशों को यह समझाने की जरूरत है कि सीमा पार प्रतिभा का इस्तेमाल हमारे पारस्परिक लाभ के लिए है। उन्होंने कहा कि अक्सर उद्यमिता और प्रौद्योगिकी के अग्रणी लोग ही गतिशीलता के पक्ष में दलील देते हैं। इसके विपरीत, वे लोग जिनके पास कोई राजनीतिक आधार या संबोधित करने के लिए एक निश्चित मतदाता वर्ग होता है, वे इसका विरोध कर सकते हैं। हालांकि, अंततः वे किसी न किसी प्रकार के समझौते पर पहुंच ही जाएंगे। जयशंकर ने कुछ देशों में प्रतिभाओं की गतिशीलता के लिए प्रतिरोध को कुछ कंपनियों द्वारा चीन से अपने विनिर्माण केंद्र स्थानांतरित करने के प्रयासों से भी जोड़ा। एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत, कंपनियां अमेरिका में काम करने के लिए विशेष कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों की भर्ती करती हैं, शुरुआत में यह अवधि तीन साल के लिए होती है, जिसे तीन और वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के अनुसार, हाल के वर्षों में स्वीकृत सभी एच-1बी आवेदनों में से लगभग 71 प्रतिशत आवेदन भारतीयों के थे। जयशंकर ने कहा कि यदि कई विकसित देशों में नौकरियों पर दबाव है, तो उसका कारण यह नहीं है कि उन क्षेत्रों में लोग बाहर से आए। असल वजह यह है कि उन्होंने अपनी विनिर्माण गतिविधियां बाहर जाने दीं - और आप जानते हैं, कहां। उन्होंने कहा कि यदि लोगों के लिए यात्रा करना कठिन हो जाता है, तो भी काम रुकने वाला नहीं है। यदि लोग यात्रा नहीं करेंगे, तो काम बाहर जाएगा। जयशंकर ने कानूनी गतिशीलता के महत्व पर भी विस्तार से बात की।

मोबिलिटी इम्पेरेटिव पर भारत के विश्व वार्षिक सम्मेलन के दौरान सभा को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

काम और गतिशीलता की न हो उपेक्षा

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि एक वैश्वीकृत दुनिया में, मुझे लगता है कि जब हम अपने बाहरी संबंधों, खासकर आर्थिक संबंधों की बात करते हैं, तो हम अक्सर व्यापार पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि लेकिन हम अक्सर काम और उससे जुड़ी गतिशीलता की उपेक्षा करते हैं। आपको यह समझाने के लिए कि हम किस चीज पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते। पिछले साल, भारत में 135 अरब अमेरिकी डॉलर का धन प्रेषण हुआ। यह अमेरिका को हमारे निर्यात का लगभग दोगुना है। जयशंकर ने अवैध आवाजाही के प्रति भी आगाह किया और इसके संभावित परिणामों की भी जानकारी दी। यदि आप मानव तस्करी और इससे जुड़े अपराधों को देखें तो इसमें विभिन्न एजेंडे वाले लोग शामिल होते हैं।

यूक्रेन शांति वार्ता सार्थक रही लेकिन क्षेत्रों के मुद्दे पर गतिरोध अभी कायम

मॉस्को, एजेंसी

- क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति के आवास पर पांच घंटे हुई वार्ता
- वार्ता के बाद बोले पुतिन के सलाहकार-काफी काम बाकी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के वरिष्ठ सलाहकार यूरी उशाकोव ने बुधवार को बताया कि यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए रूस और अमेरिका के बीच हुई वार्ता सार्थक रही लेकिन काफी काम बाकी है। पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की शांति पहल के तहत मंगलवार देर रात रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर से बंद कमरे में लगभग पांच घंटे तक मुलाकात की। कुश्नर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद हैं।

उशाकोव ने बातचीत को उपयोगी, रचनात्मक और ठोस बताया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति प्रस्ताव की रूपरेखा पर चर्चा हुई है, न कि विशिष्ट शब्दों पर। उन्होंने स्वीकार किया कि क्षेत्रों के मुद्दे पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, जिसके बिना क्रेमलिन को संकट का कोई समाधान नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि कुछ अमेरिकी प्रस्ताव स्वीकार्य लगते हैं, जबकि कुछ अन्य आलोचना का विषय बने।

यूरोपीय सरकारें इस बात से चिंतित हैं कि अगर शांति योजना में रूस जो चाहता है, वह उसे दे दिया गया तो उसे अन्य यूरोपीय देशों को धमकाने या उनके काम में बाधा डालने की पूरी छूट मिल जाएगी। ट्रंप की शांति योजना में यूक्रेन को वित्तीय और सुरक्षा गारंटी देने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से यूरोप पर ही डाली गई है। अमेरिकी दूतों की मॉस्को यात्रा के साथ ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी यूरोपीय देशों की यात्रा के तहत आयरलैंड पहुंचे। जेलेंस्की ने कहा कि वह मॉस्को में अमेरिकी दूतों से इस बात पर शीघ्र रिपोर्ट की अपेक्षा कर रहे हैं कि बातचीत आगे बढ़ सकती है या नहीं। उन्होंने कहा, बातचीत बहुत हो रही है, लेकिन हमें परिणाम चाहिए। हमारे लोग हर दिन मर रहे हैं। इस बीच, युद्ध के मैदान पर रूसी सेना द्वारा पूर्वी यूक्रेन के पोक्रोव्स्क पर कब्जे के दावे को यूक्रेनी सेना ने दुष्प्रचार बताते हुए खारिज कर दिया है।

यूक्रेन शांति प्रयास बाधित कर रहा यूरोप : पुतिन

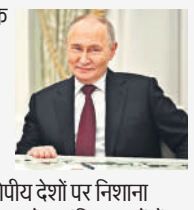

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगियों पर कीव के साथ उसके लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भेजे गए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात से ठीक पहले यह टिप्पणी की। पुतिन ने यूरोपीय देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास शांति का एजेंडा नहीं है। यूरोप शांति प्रस्तावों में रूस के लिए अस्वीकार्य मांगों को जोड़कर शांति प्रक्रिया को अवरुद्ध कर रहा है।

यूक्रेन पर शी से वार्ता के लिए चीन पहुंचे मैक्रों

बीजिंग। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों बुधवार को तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर चीन पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य रूस पर यूक्रेन में युद्धविराम के लिए दबाव बनाने में बीजिंग का सहयोग प्राप्त करना है। मैक्रों के कार्यालय के अनुसार, मैक्रों और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच वार्ताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध प्रमुख मुद्दा रहेगा। सोमवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ पेरिस में हुई बैठक के बाद मैक्रों संभावित युद्धविराम शर्तों पर बातचीत आगे बढ़ा रहे हैं। फ्रांस चाहता है कि चीन, रूस को जल्द युद्धविराम बढ़ाने के लिए मनाए।

रूस-भारत के रक्षा मंत्रियों में आज वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव के बीच गुरुवार को होने वाली वार्ता में एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद, सुखोई 30 लड़ाकू विमानों के उन्नयन और रूस से अन्य महत्वपूर्ण सैन्य साजो सामान खरीदने में भारत की रुचि एजेंडे में रहेगी।

शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने बताया कि समग्र ध्यान दोनों देशों के बीच पहले से ही घनिष्ठ रक्षा और सुरक्षा संबंधों को और विस्तारित करने पर होगा, जिसमें रूस से भारत को सैन्य साजो सामान की शीघ्र आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

- रूस से सैन्य साजो सामान खरीदने में होगी भारत की रूचि

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। राजनाथ सिंह और आंद्रे बैलोसोव के बीच यह वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पुतिन के बीच शिखर बैठक से एक दिन पहले होगी।

एस-400 की खेप खरीदने पर विचार

ऐसा माना जा रहा है कि भारत रूस से सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेप खरीदने पर विचार कर रहा है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ये हथियार बेहद कारगर साबित हुए थे। अक्टूबर 2018 में, भारत ने रूस के साथ एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए पांच अरब अमरीकी डालर के समझौते किए, जबकि अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि अनुबंध पर आगे बढ़ने से 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट के तहत अमेरिकी प्रतिबंध लग सकते हैं।

अमेरिका की मांगें ही परमाणु वार्ता में रोड़ा

तेहरान। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत फिर से शुरू करने में मुख्य बाधा अमेरिका की अत्यधिक मांगें हैं। गालिबाफ ने ईरान की राजधानी तेहरान में राष्ट्रीय संसद दिवस के अवसर पर यह टिप्पणी की, जहां उन्होंने अमेरिका से परमाणु वार्ता को फिर से शुरू करने में आने वाली दिक्कतों पर विस्तार से चर्चा की।

अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका का उद्देश्य अपनी मांगों को थोपना और ईरान को झुकने के लिए मजबूर करना है। यह तब है जब हमने 12 दिवसीय युद्ध में प्रदर्शित किया कि हम आत्मसमर्पण नहीं करते हैं।

ट्रंप को भारत-पाकिस्तान के समझौते का श्रेय देना चाहिए

वाशिंगटन, एजेंस

- राष्ट्रपति ने अमेरिका की विदेश नीति को दिया नया रूप : रुबियो

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान जैसे मुश्किल शांति समझौतों समेत कई शांति समझौते कराए हैं और वह देश की विदेश नीति को नया रूप देने के लिए खास श्रेय के हकदार हैं।

मंगलवार को राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में रूबियो ने कहा कि कई दशकों में पहली बार अमेरिका को सुरक्षित, मजबूत और अधिक समृद्ध बनाने की सोच के साथ विदेश नीति पर काम हुआ है। रूबियो ने कहा कि बाकी सभी शांति समझौतों का कोई जिक्र नहीं करूंगा लेकिन भारत और पाकिस्तान या कंबोडिया और थाईलैंड जैसे बहुत ही मुश्किल समझौतों का उल्लेख करना जरूरी है। हमारी विदेश नीति को नया रूप देने के लिए राष्ट्रपति को खास श्रेय मिलना चाहिए। इससे पहले ट्रंप ने मंत्रिमंडल बैठक के दौरान दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान विवाद समेत विभिन्न वैश्विक मुद्दों को सुलझाया है।

हत्या मामले में वांछित भारतीय पर 50 हजार डॉलर का रखा इनाम

न्यूयॉर्क। अमेरिकी की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने 2017 में एक भारतीय महिला और उसके छह वर्षीय बेटे की हत्या के मामले में वांछित एक भारतीय नागरिक के बारे में सूचना देने पर 50,000 डॉलर तक का इनाम घोषित किया है। अधिकारियों ने भारत सरकार से संदिग्ध को अमेरिका प्रत्यर्पित करने की अपील की है। नजीर हामिद (38) पर मार्च 2017 में न्यू जर्सी के मेपल शेड में शशिकला नारा (38) और उनके बेटे अनीश नारा की हत्या का आरोप है। हामिद पर हत्या के दो आरोप, अवैध हथियार रखने और इस्तेमाल करने के आरोप हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 08.37 तक तत्पश्चात पूर्णिमा 5 दिसंबर 04.43 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

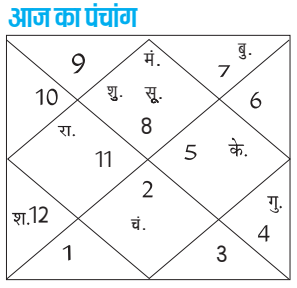

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृतिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृतिका 14.54 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज व्यापार के लिए उधार लेना चाहते हैं, तो दस्तावेजों का सावधानी से अध्ययन करें। पारिवारिक जीवन में थोड़ी कलह की स्थिति बन सकती है। घर की महिलाओं का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें।

वृष — आज आय में वृद्धि होने से काम में मन लगा रहेगा। उन्नत तकनीक पर कार्यरत लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। अपनी गुप्त बातों या योजनाओं को सबसे शेयर न करें वरना कुछ लोग इसका अनुचित लाभ उठाने का प्रयास कर सकते हैं।

मिथुन — आज मन में कुछ अज्ञात भय सा रहेगा। अत्यधिक सोच-विचार के कारण कार्य बिगड़ सकते हैं। प्रेम संबंधों में मर्यादा भंग न करें। अनचाहे खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। आपकी थोड़ी सी सावधानी बड़ी सफलता के मार्ग खोल सकती है।

कर्क — आज सूझबूझ के कारण मुश्किल डील आसानी से अर्जित कर लेंगे। विरोधी आपसे दूरी बनाने का प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर बड़ी सफलता मिल सकती है। छोटे व्यापारियों के लिए दिन काफी अच्छा है। अपनी योग्यता का बखूबी लाभ उठाएंगे।

सिंह — आज सहकर्मी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी और बच्चों के प्रति समर्पित रहेगा। सामजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। छोटे बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। सभी कार्य समय पर पूर्ण होने से मन में प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — आज मन में आत्मविश्वास की कमी रहेगी। आपको घर पर आराम करना चाहिए। दूसरों के प्रभाव में आकर अपने निर्णयों को प्रभावित न करें। बड़ी कंपनी में जॉब कर रहे लोग अपने काम से असंतुष्ट हो सकते हैं।

तुला — आज आपको बाहर का भोजन करने से बचना चाहिए। किसी पर भी आंख-मूंदकर विश्वास न करें। मित्रों के साथ रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है। बिना किसी झिझक के अपना पक्ष मजबूती और विनम्रता से रखें।

वृश्चिक — आज नए और प्रभावी संबंध बन सकते हैं। नौकरी की खोज कर रहे युवाओं को सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। बच्चे आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। पुराने दोस्तों के साथ इंटरनेट पर मुलाकात हो सकती है।

धनु — आज नौकरी में बदलाव करने के अवसर मिल सकते हैं। शत्रुओं के षड्यंत्र विफल हो जाएंगे। रुका हुआ धन आपकी योजना और प्रयासों से प्राप्त हो सकता है। आपकी सोच में सकारात्मकता रहेगी। बच्चों की सफलता से गौरव की अनुभूति होगी।

मकर — आज बुद्धिमान मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। संपत्ति को लेकर चल रहे विवादों का निपटारा होगा। अपने निजी जीवन को लेकर दूसरों से सलाह न लें। धार्मिक आयोजन की योजना बना सकते हैं। पुराने रोग पुन: उभर सकते हैं।

कुंभ — आज संपत्ति के मामलों में धन निवेश सावधानीपूर्वक ही करें। विद्यार्थियों को करियर में अच्छे मौके मिल सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को कानूनी मामलों की चिंता रहेगी। आपको काम की अधिकता हो सकती है। टूटे हुए संबंधों को दोबारा जोड़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन — आज सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे। प्रेम संबंधों को पर्याप्त समय अवश्य दें। आप अपना प्रत्येक कार्य बारीकी और सफाई से करेंगे। अधिकारी वर्ग आपकी प्रशंसा कर सकता है। धन संबंधी परेशानियों का निराकरण हो सकता है।

सुडोकू-180

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1							
		4						
3								7
	2						4	
							7	
	4							
7						8		
		1						

सुडोकू - 179 का हल

1	7	6	4	8	9	5	2	3
9	4	8	2	5	3	6	7	1
3	5	2	6	1	7	8	9	4
7	3	4	8	9	5	1	6	2
6	2	1	3	7	4	9	8	5
8	9	5	1	2	6	4	3	7
5	1	3	9	6	2	7	4	8
4	6	7	5	3	8	2	1	9
2	8	9	7	4	1	3	5	6

हे भगवान, यह खबर जंगल की आग की तरह क्यों फैल गई। मैं वापसी नहीं कर रही हूं। सोशल मीडिया पर फैल रहीं खबरें सही नहीं हैं। मेरा टेनिस में वापसी का फिलहाल कोई भी इरादा नहीं है।
– सेरेना विलियम्स

स्टेडियम

हल्द्वानी, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

बूइस के खिलाफ आक्रामक बर्ताव के लिए राणा को फटकार

दुबई : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा को फटकार लगाई और रांची में पहले एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद उनके आक्रामक बर्ताव के लिए एक डिमेरिट अंक उनके खाते में जोड़ दिया। आईसीसी ने एक बयान में कहा राणा को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह घटना रविवार को दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हुई जब भारत के तेज गेंदबाज ने ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ इशारा किया जिससे बल्लेबाज आक्रामक प्रतिक्रिया दे सकता था।

ओल्मो के गोल से बार्सिलोना जीता

मैड्रिड : बार्सिलोना ने दानी ओल्मो के गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड को 3-1 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में अपनी बढ़त को मजबूत कर दिया। ओल्मो ने कैंप नोउ स्टेडियम में 65वें मिनट में बार्सिलोना की तरफ से दूसरा गोल किया लेकिन इस दौरान वह गिर गए और उनके बाएं कंधे में चोट लग गई। वह गोल का जश्न भी नहीं मना पाए और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। एटलेटिको ने एलेक्स बेना के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से राफिन्हा ने पहले हाफ में बराबरी का गोल दागा। ओल्मो की जगह आए फेरान टोरेस ने इंजरी टाइम में गोल करके बार्सिलोना की जीत पक्की की। बार्सिलोना इस जीत से रियाल मैड्रिड से चार अंक आगे हो गया है। चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको 15 मैचों के बाद बार्सिलोना से छह अंक पीछे हो गया है।

रोहित डेविस कप टीम के कप्तान नियुक्त

नई दिल्ली : ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) ने आजरोहित राजपाल को कैप्टन और आशुतोष सिंह को 31 दिसंबर, 2026 तक भारतीय डेविस कप टीम का कोच फिर से बनाने की घोषणा की। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) द्वारा घोषित ड्रॉ के अनुसार, भारत फरवरी 2026 में डेविस कप 2026 क्वालिफायर में नीदरलैंड्स की मेजबानी करेगा। यह मुकाबला 6-7 फरवरी या 7-8 फरवरी 2026 को खेला जाएगा, और जगह और सरफेस की पुष्टि समय पर की जाएगी।

एशियाई घुड़सवारी में भारत को पांच पदक

नई दिल्ली : भारत ने बुधवार को थाईलैंड के पटाया में इवेंटिंग और ड्रेसेज स्पर्धाओं में पांच पदक जीतकर एफईआई एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप में अपना अभियान खत्म किया। टारगेट एशियाई खेल समूह (टीएजीजी) योजना के खिलाड़ी आशीष लिमये ने इवेंटिंग में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने के अलावा अपने साथियों शशांक सिंह कटारिया और शशांक कनमुरी के साथ मिलकर टीम रजत जीता। ड्रेसेज में श्रुति वोरा ने तीन रजत पदक जीते। उन्होंने व्यक्तिगत वर्ग के अलावा दूसरा रजत इंटरमीडिएट फ्रीस्टाइल-1 में और और तीसरा ड्रेसेज टीम स्पर्धा में जीता।

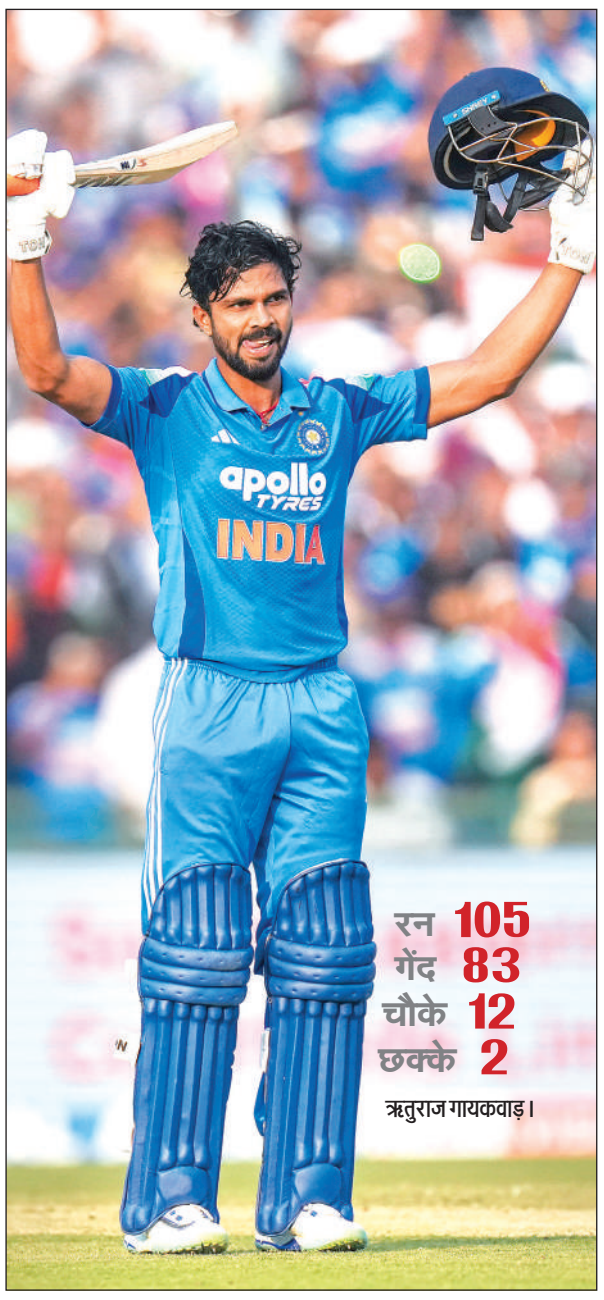

ऋतुराज गायकवाड़।

विशाल लक्ष्य भी नहीं बचा सका भारत

दक्षिण अफ्रीका चार विकेट से जीता, कोहली और गायकवाड़ का शतक गया बेकार

रायपुर, एजेंसी

विराट कोहली के लगातार दूसरे शतक और रुतुराज गायकवाड़ के करियर के पहले शतक से भारत ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट पर 358 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। लेकिन लचर गेंदबाजी और खराब फील्डिंग की वजह दक्षिण अफ्रीका ने चारगेंदें शेष रहते 362 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ओपनर बल्लेबाज एडेन मार्करम ने 110 रन बनाकर जीत की नींव रखी थी। जिसे बाकी के बल्लेबाजों ने पूरा कर दिया। सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है।

इससे पहले कोहली (102 रन, 93 गेंद, सात चौके, दो छक्के) और गायकवाड़ (105 रन, 83 गेंद, 12 चौके, दो छक्के) ने शतक जड़ने के अलावा तीसरे विकेट के लिए 195 रन की सझेदारी भी की जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में इस विकेट की भारत की सबसे बड़ी साझेदारी है। कप्तान लोकेश राहुल ने भी अंतिम ओवरों में 43 गेंद में छह चौकों और दो छक्कों से नाबाद 66 रन की उम्दा पारी खेली। भारत को एक बार फिर टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी का मौका मिला। टीम की शुरुआत खराब रही। रोहित शर्मा (14) ने नांद्रे बर्गर के पांचवें ओवर में लगातार तीन चौके मारे लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच दे बैठे। यशस्वी जायसवाल (22) ने अच्छी शुरुआत की लेकिन मार्को यानसेन (63 रन पर दो विकेट) की उछाल लेती गेंद को हवा में लहराकर स्क्वायर लेग पर कोर्बिन बॉश के हाथों लपके गए। पावर प्ले के भीतर भारत का स्कोर दो विकेट पर 62 रन हो गया लेकिन फॉर्म में चल रहे कोहली और गायकवाड़ ने इसके बाद मोर्चा संभाला। रांची में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए असहज नजर आने वाले गायकवाड़ ने यहां कोहली के साथ शानदार साझेदारी की और दोनों ने मैदान के चारों तरफ शॉट खेले। कोहली ने फरवरी 2018 में डरबन में अजिंक्य रहाणे के साथ 189 रन की साझेदारी की थी लेकिन कुछ मायनों में गायकवाड़ के साथ इस साझेदारी का उन्होंने अधिक लुत्फ उठाया होगा क्योंकि महाराष्ट्र के इस बल्लेबाज ने उनकी ही शैली में बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी और कुछ मौकों पर आसानी से एक रन को दो रन में बदला। गायकवाड़ शुरुआत में थोड़े असहज नजर आए लेकिन एक बार आत्मविश्वास हासिल करने के बाद उन्होंने कई आकर्षक शॉट खेले। गायकवाड़ ने मारक्रम की गेंद पर एक रन के साथ अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया। कोहली ने भी लुंगी एनगिडी की गेंद पर एक रन के साथ 47 गेंद में अर्धशतक जड़ा। अर्धशतक पूरा करने के बाद गायकवाड़ ने केशव महाराज पर दो चौके जड़े और फिर इस स्पिनर के 28वें ओवर में भी दो चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने 34वें ओवर में कोर्बिन बॉश पर लगातार दो चौकों के साथ 77 गेंद में अपने करियर का पहला शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के तुरंद बाद गायकवाड़ ने यानसेन की गेंद पर टॉनी डिजॉर्जी को कैच थमाया। कोहली ने भी यानसेन की गेंद पर एक रन के साथ रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 53वां शतक पूरा किया।

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम। एजेंसी

भारत

358/5 (50 ओवर)

यशस्वी का बॉश बो यानसेन	22
रोहित शर्मा का डिकॉक बो बर्गर	14
कोहली का मारक्रम बो एनगिडी	102
गायकवाड़ का डिजॉर्जी बो यानसेन	105
लोकेश राहुल नाबाद	66
वाशिंगटन सुंदर रन आउट	01
रविंद्र जडेजा नाबाद	24

अतिरिक्त : 24

गेंदबाजी : बर्गर 6.1-0-43-1, एनगिडी 10-1-51-1, यान्सेन 10-0-63-2, महाराज 10-0-70-0, बॉश 8-0-79-0, मारक्रम 5.5-0-48-0

ऋतुराज गायकवाड़ ने 77 गेंदों में पहला वनडे शतक बनाया

रायपुर : ऋतुराज गायकवाड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 77 गेंदों में पहला वनडे शतक लगाकर अपने आने का शानदार अंदाज में ऐलान किया। उन्होंने मार्को यानसन के मुश्किल शुरुआती स्पेल से बचने के बाद यह उपलब्धि हासिल की। ओपनर, जिन्होंने अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए 52 गेंदें लीं, ने इसके बाद जबरदस्त वापसी की, और पारी को कंट्रोल करने के लिए कई तेज स्ट्रोक लगाए। यह पल 34वें ओवर में आया जब कॉर्बिन बॉश की गेंदों पर लगातार दो चौके मारकर यह उपलब्धि अपने नाम की। उन्होंने शतक पूरा करने के बाद अपना हेलमेट उतारा, दर्शकों की भीड़ की तरफ अपना बल्ला उठाया, और विराट कोहली ने उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। गायकवाड़ का 77 गेंदों में शतक अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज वनडे शतक है, इससे पहले 2011 में सेंचुरियन में यूसुफ पठान ने 68 गेंदों में शतक बनाया था। शुरुआती झटकों के बाद, उनकी पारी में धैर्य, सटीकता और टाइमिंग की झलक मिली, जिससे भारत को एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिला।

विराट कोहली चौथे स्थान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी

आईसीसी रैंकिंग

स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में मैच विजयी शतकीय पारी की बदौलत बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय रांष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 120 गेंद में 135 रन की पारी खेली जो 50 ओवर के प्रारूप में उनका 52वां शतक था। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की।

सैंतीस साल के कोहली के अब 751 रैंकिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर बरकरार पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (783), न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (766) और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764) से पीछे हैं। कोहली ने भारत के एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ा जो गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की मौजूदा सीरीज से बाहर होने के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गए।

लगातार दूसरा शतक लगाया

रायपुर : भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में लगातार दूसरा शतक और कुल 84वां अंतर्राष्ट्रीय शतक लगाया जिससे साबित होता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं, भले ही वह खेल के एक ही प्रारूप में खेलते हों। दक्षिण अफ्रीका के भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिए जाने के बाद कोहली ने 93 गेंद में 102 रन बनाए और रुतुराज गायकवाड़ (83 गेंद में 105 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की।

एशेज में विजय अभियान जारी रखने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

ब्रिस्बेन : पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद उत्साह से भरी ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

इंग्लैंड ने 1986 के बाद से गाबा में कोई एशेज टेस्ट नहीं जीता है। वह 2010-11 सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपनी पहली जीत हासिल करने की तलाश में भी है। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा है।

गिल व हार्दिक टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल

रायपुर, एजेंसी

भारत के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपनी अपनी चोट से उबर गए हैं जिससे बुधवार को उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

वह गर्दन की चोट के कारण गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि गिल की भागीदारी हालांकि बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से उनकी फिटनेस पर मिलने वाली मंजूरी पर निर्भर करेगी। एशिया कप 2025 फाइनल और ऑस्ट्रेलिया में पांच मैच की श्रृंखला में नहीं खेलने वाले पंड्या ने भी मंगलवार को हैदराबाद में पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच के दौरान अपनी फिटनेस साबित करने के बाद भारतीय टीम में वापसी की। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैच की टी20 सीरीज नौ दिसंबर से कटक में शुरू होगी। इसके लिए टीम का चयन करने के लिए बुधवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई। सूर्यकुमार यादव भारत के नियमित टी20 कप्तान हैं।

टी-20 विश्व कप की जर्सी का अनावरण करते तिलक वर्मा व रोहित शर्मा।

टी-20 विश्व कप के लिए जर्सी का अनावरण

रायपुर : टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान किया गया। टी20 विश्व कप का 10वां चरण भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर सात फरवरी से आठ मार्च तक आयोजित किया जाएगा। भारत को ग्रुप ए में उसके पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत सात फरवरी को मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ करेगा। जर्सी का अनावरण इस टूर्नामेंट के ब्रांड दूत और पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा व टी20 टीम के सदस्य तिलक वर्मा ने किया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर।

सेड्यूल : पांच मैचों की सीरीज नौ दिसंबर से कटक में शुरू होगी। अन्य मैच चंडीगढ़ (11 दिसंबर), धर्मशाला (14 दिसंबर), लखनऊ (17 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में खेले जाएंगे।

भारतीय निशानेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा, एजेंसी

विश्व कप फाइनल्स

इस साल अभी तक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले भारत के शीर्ष निशानेबाज गुरुवार से यहां शुरू होने वाले एलीट आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल्स में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर इस सत्र का शानदार समापन करना चाहेंगे। सत्र के आखिर में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के 14 शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, जिनमें पेरिस ओलंपिक की दो कांस्य पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर, विश्व चैंपियन सम्राट राणा और विश्व कप में कई पदक जीतने वाली विजेता सुरुचि सिंह शामिल हैं। ये निशानेबाज प्रत्येक स्पर्धा के व्यक्तिगत वर्ग में विश्व के शीर्ष 12 निशानेबाजों के साथ अपनी चुनौती पेश करेंगे। भारत ने इससे पहले काहिरा (पिस्टल/राइफल) और एथेंस (शॉटगन) में विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करके ओलंपिक और गैर ओलंपिक स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण सहित 14 पदक जीते।

अब वे विश्व कप फाइनल में इस सफलता को दोहराने की कोशिश करेंगे, जिसमें प्रत्येक वर्ग में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता को क्रमशः 5,000, 4,000 और 2,000 यूरो की आकर्षक पुरस्कार राशि मिलेगी।

मनु और ईशा पर रहेगी निगाहें

भारत की दो शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु और ईशा सिंह 10 मीटर एयर और 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में जीत की प्रबल दावेदार होंगी। उन्होंने विश्व कप और विश्व चैम्पियनशिप में अपनी रैंकिंग और प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष 12 में जगह बनाई है। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में हाल ही में काहिरा में चैंपियन बने सम्राट राणा और कांस्य पदक जीतने वाले वरुण तोमर भाग लेंगे।

आईपीएल मिनी नीलामी में ग्रीन के सबसे महंगे खिलाड़ी बनने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

पहले भी आईपीएल मिनी ऑक्शन में विदेशी खिलाड़ियों को रिकॉर्ड पैसे मिले हैं, और कैमरून ग्रीन 16 दिसंबर को इस ट्रेंड को आगे बढ़ा सकते हैं।

ग्रीन के आने वाले आईपीएल ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी बनने की उम्मीद है क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), जिनके पास सबसे ज़्यादा पैसे हैं (क्रमशः 64.3 करोड़ और 43.4 करोड़ रुपये), दोनों से इस ऑलराउंडर के लिए ज़ोरदार बोली लगाने की उम्मीद है। 2023 में, मिचेल स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, इसके कुछ ही मिनट पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने पैट कमिंस को 20.5 करोड़ में खरीदा, जिससे वह आईपीएल ऑक्शन में 20 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

इन खिलाड़ियों ने 18.5 करोड़ रुपये को पीछे छोड़ दिया, पंजाब किंग्स ने 2023 में पिछले मिनी ऑक्शन में सैम करन के लिए बोली लगाई थी। 2023 के ऑक्शन में, ग्रीन दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने, जब मुंबई इंडियंस ने उन्हें INR 17.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। मुम्बई ने एक साल बाद ग्रीन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उसी कीमत पर ट्रेड कर दिया। अपने अब तक के दो आईपीएल सीजन, 2023 और 2024 में, ग्रीन ने 29 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 153.70 के स्ट्राइक रेट से 707 रन बनाए हैं। उन्होंने लेटेस्ट ऑक्शन के लिए खुद को 2 करोड़ रुपये के मैक्सिमम बेस प्राइस पर लिस्ट किया है।

हालांकि वह फिर से करोड़पति बन सकते हैं, लेकिन यह 20 करोड़ रुपये से ज़्यादा नहीं होगा, क्योंकि मैक्सिमम फीस 18 करोड़ रुपये से ज़्यादा नहीं हो सकती। यह तब भी लागू होगा जब बोली उस नंबर से ज़्यादा हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि आईपीएल पिछले साल नया अधिकतम फीस रूल लाया था ताकि फ्रेंचाइजी की इस चिंता को दूर किया जा सके।

हालैंड ने प्रीमियर लीग में सबसे तेज 100वां गोल दागा

लंदन : एर्लिंग हालैंड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में सबसे कम मैच में 100 गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम की अच्छी वापसी के बावजूद 5-4 से जीत दर्ज की। हालैंड ने खेल के 17वें मिनट में अपनी टीम की तरफ से पहला गोल करके गोल का शतक पूरा किया।

यह उनका प्रीमियर लीग में 111वां मैच था और इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में सबसे कम मैच में 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज एलन शीयर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 124 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। मैनचेस्टर सिटी की टीम ने एक समय 5-1 से बढ़त बना रखी थी लेकिन इसके बाद फुलहम ने शानदार वापसी की। वह इंजरी टाइम में बराबरी का गोल करने की करीब पहुंच गया था।

असंतोष भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के इस्तीफे के बाद खिलाड़ियों ने तोड़ी चुप्पी

कोच के तानाशाहीपूर्ण रवैये से परेशान थीं खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के अचानक इस्तीफे के बाद चुप्पी तोड़ते हुए खिलाड़ियों ने कहा कि टीम को मैदान के भीतर और बाहर अच्छे माहौल की जरूरत है लेकिन कोच की कार्यप्रणाली और 'तानाशाहीपूर्ण रवैये' को लेकर लंबे समय से ड्रेसिंग रूम में काफी तनाव था। अप्रैल 2024 में भारतीय महिला हॉकी टीम से जुड़े हरेंद्र सिंह ने सोमवार को मुख्य कोच के पद से इस्तीफा देकर चौंका दिया था।

सूत्रों से हालांकि पता चला है कि उनकी कार्यप्रणाली को लेकर काफी समय से खिलाड़ियों में रोष था और खिलाड़ियों ने 'मानसिक उत्पीड़न' की शिकायत हॉकी इंडिया, साइ टॉप्स अधिकारियों और पिछले सप्ताह खेल मंत्रालय से की थी। खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों की शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए हॉकी इंडिया को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिये गए।

हरेंद्र सिंह। एजेंसी

सूत्रों ने बताया कि खिलाड़ियों ने उनके तानाशाहीपूर्ण रवैये, कोचिंग के तरीकों और टीम के लगातार गिरते प्रदर्शन को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले साइ टॉप्स अधिकारियों ने भी 'नकारात्मक' रिपोर्ट दी थी जिन्हें चार महीने पहले बेंगलुरू निरीक्षण के लिये भेजा गया था। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस मसले की गंभीरता को समझते हुए बहुत कम लोगों को इसकी जानकारी देकर चार दिन के भीतर जांच की गई। हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह चेन्नई और मदुरै में चल रहे जूनियर हॉकी विश्व कप से सीधे बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण पहुंचे और शिविर में भाग ले रही खिलाड़ियों से व्यक्तिगत स्तर पर बात की।

पता चला है कि अधिकांश खिलाड़ियों ने हॉकी इंडिया के आला अधिकारियों के सामने मुख्य कोच समेत पूरे कोचिंग स्टाफ को बदलने की मांग की थी। पूर्व कोच शोर्ड मारिन और यानेके शॉपमैन से तुलना में लगभग सभी ने हरेंद्र सिंह को सबसे नीचे रखा। कई खिलाड़ियों ने यह भी कहा कि उनके रहने से टीम को कोई फायदा नहीं हो रहा है। खिलाड़ियों से फीडबैक लेने के बाद उनसे इस्तीफा लिया गया।

टीम का लगातार गिर रहा था प्रदर्शन

नई दिल्ली : क्या कोच के खिलाफ कोई और भी आरोप थे यह पूछने पर एक सीनियर खिलाड़ी ने कहा हमने जो भी शिकायत की थी वह सिर्फ हॉकी के बारे में थी। हमें सिर्फ उनके खराब रवैये और कोचिंग के तौर तरीकों से दिक्कत थी और हम बदलाव चाहते थे। टीम का प्रदर्शन और फिटनेस का स्तर बहुत गिर गया है और कोचिंग के खराब तौर तरीकों के कारण दर्जन भर से अधिक खिलाड़ी चोटिल हैं। ऐसी टीम पदक कैसे जीत सकती है। इस बीच बेंगलुरू में महिला हॉकी टीम का शिविर खत्म कर दिया गया है और सभी खिलाड़ी अगली सूचना तक अपने अपने घर लौट गए हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि टीम में तनाव का असर प्रदर्शन पर भी पड़ रहा था।